नई दिल्ली
सोमवार
15 अप्रैल, 2024
वर्षः 10, अंकः 223
पृष्ठः 08, मूल्य 2 रु0

E-mail
story@sadbhawna.today
sadbhavnatoday@gmail.com
web: www.sadbhawna.today

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सद्भावना टुडे

आवाज़ अधिकार की

DELHIN/2014/58158

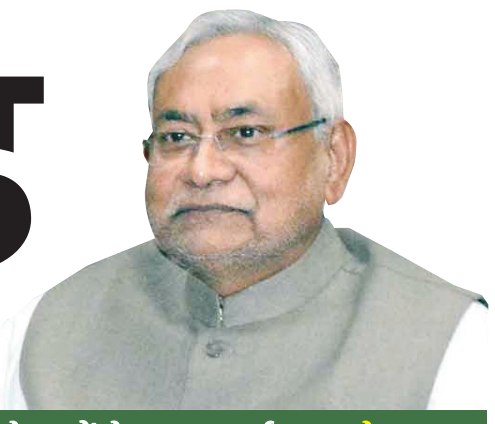

रोहित का शतक हुआ बेकार, चेन्नई सुपर...पेज-07

नीतीश कुमार ने पार्टी नेताओं के साथ वर्चुअल...पेज-05

हिन्दी में प्रकाशित होने वाला सबसे लोकप्रिय दैनिक समाचार पत्र
'सद्भावना टुडे'
में विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें :-
011-43678240
E-mail
story@sadbhawna.today
sadbhavnatoday@gmail.com
web: www.sadbhawna.today

एक नजर

कार के ट्रक से टकराने पर लगी आग में सात लोगों की मौत

सीकर,एजेंसी। राजस्थान में सीकर जिले के फतेहपुर में रविवार को कार के ट्रक से टकरा जाने के बाद लगी आग में जलने से दो मासूम बच्चों सहित सात लोगों की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार फतेहपुर के आशीर्वाद चौराहे के पुल पर अपराह्न करीब ढाई बजे यह हादसा हुआ जिसमें कार के रुई से भरे ट्रक से टकराने के बाद कार एवं आस पास रुई बिखर गई और कार में आग लग गई। कार के आग से घिरे जाने पर कोई मदद नहीं कर पाया और ये लोग ज़िंदा जल गये। मौके पर पहुंची दमकल गाड़ी ने आग बुझाई और क्रेन की मदद से कार को मौके से हटाया। उत्तर प्रदेश में मेरठ के रहने वाले दो परिवार के ये लोग खाटूश्याम मंदिर में दर्शन कर लौट रहे थे। मृतकों में नीलम गोयल उनके पुत्र आशुतोष, मंजू बिंदल उनके पुत्र हार्दिक बिंदल एवं हार्दिक की पत्नी स्वाति बिंदल तथा उनकी दो मासूम पुत्रियां शामिल हैं।

मोदी विपक्षी नेताओं का करना चाहते हैं मुंह बंद-प्रियंका

जालौर,एजेंसी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर इलेक्टोरल बॉन्ड योजना में उसका सबसे बड़ा भ्रष्टाचार सामने आने का आरोप लगाते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भ्रष्टाचार से नहीं लड़ रहे हैं बल्कि वह विपक्षी नेताओं का मुंह बंद करना चाहते हैं। श्रीमती वाड्रा रविवार को जालौर के भीनमाल में जालौर लोकसभा सीट से पार्टी उम्मीदवार वैभव गहलोत के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि श्री मोदी कहते हैं कि वह अकेले भ्रष्टाचार से लड़ रहे हैं जबकि वह भ्रष्टाचार से नहीं लड़ रहे, बल्कि वह विपक्षी नेताओं का मुंह बंद करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि श्री मोदी की भ्रष्टाचार को लेकर बातें खोखली हैं। इलेक्टोरल बॉन्ड योजना के जरिए उन्होंने भ्रष्ट लोगों से चंदा लिया। उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद पता चला कि मोदी सरकार द्वारा कंपनियों को ठेका दिया गया और भाजपा ने उन्हीं कंपनियों से चंदा लिया। कंपनियों पर जांच एजेंसियों ने कार्रवाई की, फिर उन्हीं कंपनियों से भाजपा ने चंदा लिया। इससे बड़ा भ्रष्टाचार कोई नहीं हो सकता है। जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का मुद्दा उठाते हुए उन्होंने कहा कि आज दो मुख्यमंत्रियों को भ्रष्टाचार के बहाने जेल में डाल दिया गया है, ऐसा देश के इतिहास में पहली बार हुआ है। विपक्षी नेताओं पर ईडी, सीबीआई और आयकर विभाग का दबाव डाला जा रहा है।

भाजपा ने लोस चुनावों का संकल्प पत्र 'मोदी की गारंटी 2024' जारी किया

10 वर्षों में भाजपा ने अपने संकल्प पत्र के हर बिंदु को गारंटी के रूप में जमीन पर उतारा है: मोदी

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने लोकसभा चुनावों के लिए आज अपना संकल्प पत्र 'मोदी की गारंटी 2024' को जारी किया और देश में गरीब कल्याण योजनाओं एवं विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के रोडमैप को विस्तार दिया गया है। भाजपा के केन्द्रीय कार्यालय के विस्तारित भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, घोषणापत्र समिति के अध्यक्ष राजनाथ सिंह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की मौजूदगी में यह संकल्प पत्र जारी किया है। संकल्प पत्र जारी होने के बाद प्रधानमंत्री श्री मोदी ने गरीब, युवा, अन्नदाता एवं नारीशक्ति इन चार वर्गों से एक-एक व्यक्ति को ये संकल्प पत्र सौंपा।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि 10 वर्षों में भाजपा ने अपने संकल्प पत्र के हर बिंदु को गारंटी के रूप में जमीन पर उतारा है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने घोषणात्र की सुचिता को फिर स्थापित किया है। ये संकल्प पत्र विकसित भारत के 4 मजबूत स्तंभ - युवाशक्ति, नारीशक्ति, गरीब और किसान, इन सभी को सशक्त करता है। हमारा फोकस जीवन की गरिमा एवं गुणवत्ता और निवेश से नौकरी पर है। पिछले 10 वर्ष, नारी गरिमा, नारी को नए अवसरों को समर्पित रहे हैं। आने वाले 5 वर्ष नारीशक्ति की नई भागीदारी के होंगे। उन्होंने कहा कि गरीबों के लिए मुफ्त भोजन की योजना पांच साल और चलेगी ताकि वे किसी वजह से फिर से गरीबी के जाल में नहीं फंस जाएं। भाजपा अध्यक्ष श्री नड्डा ने कहा कि 10 साल इस बात का प्रमाण है कि मोदी की गारंटी, गारंटी पूरी होने की गारंटी है। इस संकल्प पत्र में पार्टी ने कहा, भारतीय जनता पार्टी 'ज्ञान-(गरीब, युवा, अन्नदाता एवं नारीशक्ति)' को लेकर आगे बढ़ रही है और 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का संकल्प ले रही है। एक व्यक्ति, जो आज भरोसे का पर्याय बन चुका है... क्योंकि मोदी की गारंटी ही गारंटी पूरी होने की गारंटी है। आने वाले 5 साल भी सेवा, सुशासन व गरीब कल्याण के होंगे, ये है मोदी की गारंटी। इस संकल्प पत्र को तैयार करने के लिए विकसित भारत संकल्प रथ यात्रा के दौरान के प्राप्त सुझावों,

जिनको किसी ने नहीं पूछा, उनको मोदी ने पूजा: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगामी पांच साल में विकसित भारत के चार मजबूत स्तंभों - युवा, महिला, गरीब और किसान को सशक्त बनाने के संकल्प व्यक्त करते हुए रविवार को कहा कि जिनकों किसी ने नहीं पूछा, उनको मोदी पूजता है। यही सबका साथ सबका विकास का भाव है और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इसी आधार पर देश को विकसित भारत बनाने के लिए कृत संकल्प है। श्री मोदी ने यहां पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में लोकसभा चुनावों के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के घोषणापत्र 'मोदी की गारंटी संकल्प पत्र 2024' को जारी करते हुए आज कहा कि अगले पांच वर्षों में सुधार, प्रदर्शन, परिवर्तन के मंत्र पर आगे बढ़ते हुए, हम और भी तेजी से प्रगति करेंगे। श्री मोदी ने कहा, पूरे देश को भाजपा के घोषणापत्र का बेसब्री से इंतजार रहता है। इसकी एक बड़ी वजह है। पिछले 10 सालों में भाजपा ने अपने घोषणापत्र के हर बिंदु को गारंटी के तौर पर लागू किया है। चार जून के बाद भाजपा के संकल्प पत्र पर तेजी से काम शुरू होगा। भाजपा ने एक बार फिर अपने घोषणापत्र की ईमानदारी का प्रदर्शन किया है। हमारा संकल्प पत्र विकसित भारत के चार मजबूत स्तंभों - युवा, महिला, गरीब और किसान को सशक्त बनाता है।

विभिन्न संस्थाओं एवं व्यक्तियों से प्राप्त सलाहों और नमो ऐप एवं ऑनलाइन माध्यमों से प्राप्त कुल करीब 15 लाख सुझावों को संकलित किया गया है। इन सुझावों की आर्थिक व्यवहार्यता का अध्ययन करने के बाद उनकी 360 डिग्री समीक्षा की गयी तथा चुने सुझावों को समेकित करके उन्हें 24 विषयों में वर्गीकृत किया गया। पुनः इनमें से दस विषयों को गरीब कल्याण एवं सामाजिक विकास के वर्ग में तथा 14 विषयों को विकसित भारत के वर्ग में रखा गया है। समारोह को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अलावा श्री राजनाथ सिंह एवं भाजपा अध्यक्ष श्री नड्डा ने संबोधित किया।

टुकड़े-टुकड़े गैंग का सुल्तान है कांग्रेस: मोदी

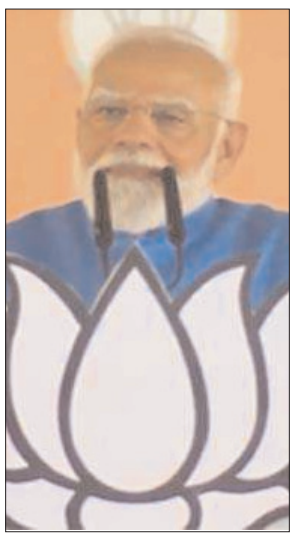

मैसूर,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि 2024 का लोकसभा चुनाव न केवल अगले पांच साल की राजनीति को तय करेगा, बल्कि 2047 तक विकसित भारत का भविष्य भी सुनिश्चित करेगा। श्री मोदी ने इंडिया समूह पर हिंदू धर्म की शक्तियों को नष्ट करने की इच्छा रखने का आरोप लगाया और इसकी रक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने कांग्रेस तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वे राजनीतिक लाभ के लिए कुछ समूहों को दूसरों पर प्राथमिकता देते हैं।

उन्होंने कहा, इंडिया समूह के लोग 'सनातन' को खत्म करना चाहते हैं। वे हिंदू धर्म की शक्तियों को नष्ट करना चाहते हैं। जब तक मोदी हैं, ये नफरत करने वाली ताकतें कभी सफल नहीं होंगी, यह मोदी की गारंटी है... 2024 के लोकसभा चुनाव सिर्फ अगले पांच साल की राजनीति का फैसला नहीं करेगा, बल्कि 2047 तक 'विकसित भारत' का भविष्य सुनिश्चित करेगा। यहां के महाराजा पैलेस मैदान में आयोजित चुनावी रैली में पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा और उनके पुत्रों एचडी कुमारस्वामी और एचडी रेवन्ना ने भी श्री मोदी के साथ मंच साझा किया। श्री मोदी ने गरीबों को तीन करोड़ घर बनाने और पांच साल तक मुफ्त राशन देने की गारंटी दोहराई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी 'सुल्तान' या जिसे वह 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' कहते हैं, उसके नेता के रूप में काम कर रही है। उन्होंने यहां एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, कांग्रेस पार्टी आज टुकड़े-टुकड़े गैंग की सुल्तान बनके घूम रही है। कांग्रेस का अभी भी देश को बांटने, तोड़ने और कमजोर करने का इरादा है। कांग्रेस उम्मीदवार डीके सुरेश की अलगाववादी टिप्पणी का जिक्र करते हुए, श्री मोदी ने भारत के खिलाफ बोलने वाले व्यक्तियों को टिकट देने के लिए कांग्रेस की आलोचना की।उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस ने सर्जिकल स्ट्राइक के संबंध में सेना से सबूत मांगे और वह आतंकी गतिविधियों में शामिल एक प्रतिबंधित संगठन की राजनीतिक शाखा के साथ काम कर रही है।

तृणमूल सरकार अपनी कुर्सी बचाने की राजनीति में शामिल-राजनाथ

अलीपुरद्वार,एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल सरकार वर्तमान स्थिति में जनता के हित के लिए नहीं बल्कि अपनी कुर्सी बचाने के वास्ते राजनीति कर रही हैं। भारत एवं भूटान के अंतरराष्ट्रीय सीमावर्ती क्षेत्र जयगांव में आज श्री सिंह ने अलीपुरद्वार के भारतीय जनता पार्टी सांसद मनोज तिग्गा की चुनाव प्रचार के क्रम में सभा को संबोधित करते हुए यह बात कही।उन्होंने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी देश में राजनीति करती है तो देश के लिए राजनीति करती है। पश्चिम बंगाल सरकार ने वर्तमान स्थिति में जनता के हित के लिए नहीं बल्कि उनकी कुर्सी बचाने के लिए राजनीति कर रही है।

श्री सिंह ने कहा कि लोगों की स्वास्थ्य उपचार के लिए केंद्र सरकार ने एक योजना बनाई है जो है कि आयुष्मान भारत योजना है लेकिन पश्चिम बंगाल में ममता सरकार ने इस योजना को लागू करने से लोगों से वंचित कर रखा है। केंद्र सरकार ने दी गई यह योजना के तहत लोगों को पांच लाख तक की स्वास्थ्य बीमा योजना प्राप्त होता है, मगर पश्चिम बंगाल में सरकार जनता के समक्ष लागू करने से इनकार करके जनता को हक से वंचित कर दिया है। रक्षा मंत्री ने कहा कि

पश्चिम बंगाल में ममता दीदी (मुख्यमंत्री ममता बनर्जी) ने जनता के अधिकारों को छिनने का काम कर रही है। वहीं, प्रधानमंत्री जनता के हित में काम करते रहे हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना जो प्रधानमंत्री ने पक्का घर बनाने की योजना लागू की है जिसको यह पश्चिम बंगाल की जनता के समक्ष नहीं पहुंचने दे रही है। पश्चिम बंगाल में अगर भाजपा की सरकार बनती है तो यहां की जनता के लिए अवश्य ही पक्का घर योजना को लागू किया जाएगा। श्री सिंह ने इस चुनावी जनसभा में उन्होंने ममता दीदी पर निशाना साधते हुए कहा कि आगामी 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद केंद्र में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार बनती है तो यह तय है कि 2026 में राज्य में होने वाले विधानसभा चुनावों में भाजपा की सरकार बनेगी।

भाजपा के घोषणा पत्र से महंगाई, बेरोजगारी गायबः राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के घोषणा पत्र और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण से महंगाई और बेरोज़गारी गायब हैं। श्री गांधी ने आज यहां सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि भाजपा के घोषणा पत्र और प्रधानमंत्री के भाषण से महंगाई और बेरोजगारी गायब है।उन्होंने आरोप लगाया कि लोगों के जीवन से जुड़े सबसे अहम मुद्दों पर भाजपा चर्चा तक नहीं करना चाहती। श्री गांधी ने कहा कि इंडिया समूह की योजना बिलकुल स्पष्ट है कि 30 लाख पदों पर भर्ती और हर शिक्षित युवा को एक लाख रुपए की पक्की नौकरी दी जाएगी। युवा इस बार श्री मोदी के झांसे में नहीं आएगा तथा कांग्रेस का हाथ मज़बूत कर देश में 'रोज़गार क्रांति' लाएगा। कांग्रेस के मीडिया प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि आज बाबा साहब अंबेडकर की जयंती है।

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और लोस अध्यक्ष ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की

सद्भावना टुडे संवाददाता

नई दिल्ली। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर संसद भवन परिसर में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। भारत के उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति, जगदीप धनखड़; प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने भी डॉ. अंबेडकर को पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर कई केंद्रीय मंत्रियों, संसद सदस्यों, पूर्व संसद सदस्यों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

बाद में, लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला; राज्यसभा के उपसभापति श्री हरिवंश, संसद सदस्यों और पूर्व संसद सदस्यों ने संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में डॉ. अंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। लोकसभा और राज्यसभा के महासचिवों क्रमशः उत्पल कुमार सिंह और पी सी मोदी ने भी संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में

डॉ. अंबेडकर को पुष्पांजलि अर्पित की। डॉ. अंबेडकर ने भारत के सामाजिक और राजनीतिक परिदृश्य पर एक गहरा प्रभाव डाला। सामाजिक न्याय के चैंपियन के रूप में प्रसिद्ध डॉ. अंबेडकर को भारतीय समाज में उनके महत्वपूर्ण और विविध योगदान के लिए जाना जाता है। उनकी सबसे उल्लेखनीय उपलब्धि भारतीय संविधान की ड्राफ्टिंग समिति के अध्यक्ष के रूप में उनकी भूमिका है, जहां उन्होंने संविधान सभा में बहस के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्हें भारत के संविधान के पीछे प्रेरक शक्ति के रूप में सम्मानित किया जाता है, जिसने समावेशिता और न्याय के सिद्धांतों को सुनिश्चित किया। 12 अप्रैल, 1990 को तत्कालीन प्रधान मंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह द्वारा संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में डॉ. अंबेडकर के चित्र का अनावरण किया गया था। डॉ. अंबेडकर की जयंती पर श्री बिरला ने एक ट्वीट संदेश में कहा, भारतीय संविधान के शिल्पकार, महान राष्ट्र निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती पर कोटि-कोटि नमन।

लोकसभा चुनावः कांग्रेस ने जारी की दिल्ली की तीन सीटों समेत 10 और उम्मीदवारों की सूची

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने रविवार को आगामी लोकसभा चुनाव के लिए दिल्ली, पंजाब और उत्तर प्रदेश से 10 उम्मीदवारों की सूची जारी की। पार्टी ने चांदनी चौक संसदीय सीट से जेपी अग्रवाल, उत्तर पूर्वी दिल्ली से कन्हैया कुमार और उत्तर पश्चिम दिल्ली से उदित राज को मैदान में उतारा है। राष्ट्रीय राजधानी में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) मिलकर लोकसभा चुनाव लड़ रही हैं और आप चार सीटों पर चुनाव लड़ रही है।

एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने जानकारी देते हुए कहा कि उम्मीदवारों के नामों का चयन कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति ने किया है। पार्टी ने पंजाब

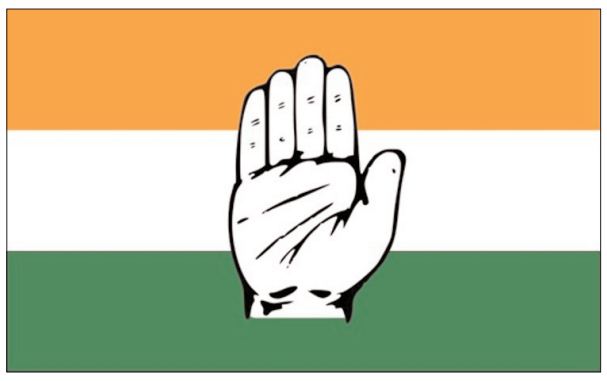

से छह नाम भी जारी किए, इनमें अमृतसर से गुरजीत सिंह औजला, जालंधर से चरणजीत सिंह चन्नी, फतेहगढ़ साहिब से अमर सिंह, भटिंडा से जीत मोहिंदर सिंह सिद्धू, संगरूर से सुखपाल सिंह खैरा और पटियाला से धर्मवीर गांधी शामिल हैं। कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद संसदीय क्षेत्र से उज्जवल रेवती रमण सिंह को चुना है। इस बीच, कांग्रेस ने आगामी ओडिशा विधानसभा चुनाव के लिए 75 उम्मीदवारों के नाम भी जारी किया है।

यूपी, उत्तराखंड का जनमानस सभी 85 सीटों पर कमल खिलाने जा रहा: योगी

संजय सिंह, वरिष्ठ पत्रकार

देहरादून। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तराखंड में लोकसभा चुनाव के लिए होने वाले मतदान के चार दिन पहले अपने दो दिवसीय दौरे के अंतिम दिन रविवार को देहरादून में विशाल जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने यहां बन्नू स्कूल में विश्वास जताया कि दोनों राज्यों का जनमानस यहां की सभी 85 सीटों पर कमल खिलाने जा रहा है। उन्होंने भाजपा सरकार के विकास और कांग्रेस के भ्रष्टाचार का अंतर समझाते हुए, माफिया के यूपी बॉर्डर क्रॉस नहीं करने का भरोसा दिलाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरों के बाद, शनिवार से उत्तराखंड में प्रचार की कमान संभाले योगी आदित्यनाथ ने कल हल्द्वानी रैली के बाद आज श्रीनगर, रुड़की और देहरादून में बड़ी जन सभाओं को संबोधित किया।

देहरादून में उन्होंने जनता में जोश भरते हुए कहा कि मोदी जी के चमत्कारी नेतृत्व में भारत विकास और सामर्थ्य के शीर्ष पर पहुंच गया है। उन्होंने देश की बढ़ती ताकत का जिक्र

करते हुए कहा कि आज भारत में पटाखा भी बजता है तो डर के मारे पाकिस्तान को सफाई देनी पड़ती है। उन्होंने कहा कि आज मोदी जी के मार्गदर्शन और धामी जी के नेतृत्व में उत्तराखंड भी तेजी से विकास मार्ग पर आगे बढ़ रहा। देहरादून-ऋषिकेश से श्रीनगर होते हुए कर्णप्रयाग तक ट्रेन की सुविधा हो रही है। योगी ने कहा कि पहले पहाड़ के लिए कनेक्टिविटी बहुत कठिन थी। बद्रीनाथ-केदारनाथ की यात्रा के लिए पहले 12-12 घंटे लगते थे। आज आधे घंटे में केदारनाथ-बद्रीनाथ हेलीकॉप्टर से पहुंच जाएंगे। उन्होंने कहा कि केदारनाथ धाम फिर से उस वैभव को प्राप्त कर चुका है, जो 2013 के पहले थे। अपने बचपन का जिक्र करते हुए कहा, मेरा तो बचपन यहीं गुजरा है। मैंने देखा है कि दो तीन किमी. पानी के लिए नीचे जाकर वहां से पानी भरकर लाना पड़ता था। आज हर घर नल योजना लागू हो चुकी है। ईंधन के लिए लकड़ी बीनना पड़ता था। कांग्रेस के लोग कैरोसीन भी नहीं दे पाते थे। मोदी जी ने फ्री सिलेंडर दिया है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार के नेतृत्व में उत्तराखंड सही दिशा में बढ़ रहा है। देवभूमि में देवताओं का आशीर्वाद सात्विक शक्तियों को जाएगा, राक्षसी शक्तियों को नहीं मिलेगा। श्री आदित्यनाथ ने कहा,कांग्रेस ने साठ वर्ष में एक एम्स दिया, जबकि अटल जी के समय छह और मोदी जी के समय 15 एम्स बने। कांग्रेस को निशाने पर लेते हुए उन्होंने कहा, कांग्रेस कहती थी कि राम हुए ही नहीं। जब 500 वर्ष का इंतजार समाप्त करके अयोध्या में आज प्रभु राम का मंदिर बन गया तो कांग्रेसियों के स्वर बदल गए। वे अब कहते हैं कि राम सबके हैं। यह कांग्रेसी बहुरूपिये हैं। उन्होंने विश्वास दिलाया कि उत्तर प्रदेश लोकसभा की सभी 80 सीट पीएम मोदी के हवाले करने जा रहा है। श्री आदित्यनाथ ने कहा कि कभी-कभी कुछ लोगों को गफलत होती है।

अंबेडकर जयंती पर संविधान बचाओ, तानाशाही हटाओ अभियान, आप ने मोदी सरकार को घेरा

मो। हबीबुल्लाह उर्फ मुन्ना,
सद्भावना टुडे संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली समेत देश के 24 राज्यों की राजधानी में डॉ भीमराव आंबेडकर जयंती पर संविधान बचाओ तानाशाही हटाओ कार्यक्रम का आयोजन किया। दिल्ली में भी पार्टी कार्यालय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आम आदमी पार्टी के नेताओं ने मंच से भाजपा पर संविधान को खत्म करने के प्रयास का आरोप लगाया। इस दौरान सभी नेताओं ने संविधान बचाने की शपथ ली।

तथाकथित शराब घोटाले के आरोप में तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पूरे देश में आंबेडकर जयंती पर संविधान बचाओ तानाशाही हटाओ कार्यक्रम के रूप में मनाने को कहा था। दिल्ली में पार्टी कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में पूर्वी दिल्ली से लोकसभा चुनाव के उम्मीदवार कुलदीप कुमार ने कहा कि भाजपा के लोग बाबा साहब का बनाया गया संविधान खत्म करना चाहते हैं। बाबा साहब ने गरीबों को जीने का अधिकार दिया। आज लड़ाई दो तरह के लोगों के बीच में है। एक जो संविधान को खत्म करना चाहते है, दूसरे जो संविधान को बचाना चाहते हैं। संजय सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी के हर कार्यकर्ता का संकल्प होना चाहिए कि बाबा साहब के बनाए गए संविधान को बचाने के लिए आखिरी सांस तक लड़ाई लड़ते रहेंगे। अयोध्या के एक सांसद ने कहा कि नरेंद्र मोदी का काम 272 सांसदों में नहीं चल रहा है। संविधान बदलना है तो दो तिहाई सीट चाहिए। लेकिन शायद उन्हें पता नहीं, की आम आदमी पार्टी के लोग संविधान को बचाने के लिए अंतिम सांस तक लड़ेंगे। भारत के संविधान में बाबा साहब ने कहा कि शिक्षा में समानता नहीं है। सभी को समान शिक्षा मिलनी चाहिए। भारत में अगर किसी ने बाबा साहब के सपने को साकार काम किया, तो वह अरविंद केजरीवाल हैं। भाजपा संविधान खत्म कर आरक्षण खत्म कर देगी। एक आदिवासी नेता हेमंत सोरेन मुख्यमंत्री बने लेकिन उन्हें मोदी सरकार ने जेल में डाल दिया। एक बहुत बड़े समाज के तबके को अपाहिज कर दिया। जनता को इसका जवाब देना है। जो मुख्यमंत्री संविधान में लिखें बाबा साहब के सपने को जमीन पर साकार कर रहा था। उस मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जेल में डाल दिया गया। उन्होंने समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को सुविधा दिया। उन्होंने अच्छी शिक्षा, समान इलाज, महिलाओं का बस में फ्री सफर जैसे अन्य कार्य किया। इससे भाजपा घबरा गई। गुजरात में आम आदमी पार्टी के पांच विधायक और गोवा में दो विधायक आ गए। एमसीडी में भाजपा का सफाया हो गया। इसलिए केजरीवाल को जेल में डाला गया है। जेल से चलेगी सरकार, पीछे नहीं हटेंगे- एक कार्यक्रम में उपराज्यपाल कह रहे थे कि जेल से सरकार नहीं चलेगी। सरकार तो जेल से चलेगी उनको पीछे हटना पड़ेगा। हम लोग पीछे हटने वाले नहीं है। भारत की पहली सरकार है अरविंद केजरीवाल की सरकार जो घोषणा पत्र से ज्यादा काम करके दिखाती है। महिलाओं को 1000 रुपये हर महीने देने का वादा किया। हमारे घोषणा पत्र में नहीं था। भाजपा के लोग चाहते है कि दिल्ली के लोगों की सुविधा खत्म की जाए। अरविंद केजरीवाल को जेल से बाहर निकलना है तो सातों सीट पर भाजपा की जमानत जब्त करानी होगी। संजय सिंह ने लोगों से कहा कि घर पर जाकर सोचिएगा की रामनाथ कोविंद को माता शबरी के झूठे बेर खाने वाले प्रभु श्री राम के मंदिर के शिलानाथ कार्यक्रम में क्यों नहीं बुलाया गया। उन्होंने भाजपा पर भेदभाव का आरोप लगाया। बिजली का बिल व माता पिता व बच्चे का चेहरा देखकर वोट डालने जाएं- संजय सिंह ने कहा कि नरेंद्र मोदी 2014 के चुनाव में रहते थे कि जब वोट डालने के लिए घर से निकलें तो गैस सिलेंडर देखकर निकले। लेकिन मैं कहता हूं कि दिल्ली के लोग जब वोट डालने जाए तो अपने बच्चों का चेहरा देखकर जाएं, जिसको अच्छी शिक्षा मिल रही है। अपने बहन और माता को देखकर जाएं, जिनको बस में सफर फ्री मिलता है।

नर्सरी दाखिला: ईडब्ल्यूएस श्रेणी में बढ़ा दाखिले का इंतजार

दाखिला प्रक्रिया शुरु न होने से अभिभावक चिंतित

सैफुल्लाह सिद्दीकी, सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। राजधानी के 1700 से अधिक निजी स्कूलों में शैक्षणिक सत्र 2024-2025 के लिए ईडब्ल्यूएस श्रेणी में दाखिला प्रक्रिया अब तक शुरु नहीं हुई है। ऐसे में इस श्रेणी में दाखिले का इंतजार बढ़ता जा रहा है। अभिभावक दाखिले की जानकारी लेने के लिए स्कूलों से लेकर शिक्षा निदेशालय के चक्कर लगा रहे हैं। जबकि सामान्य श्रेणी की सीटों पर दाखिला प्रक्रिया संपन्न हो गई है। ऐसे में ईडब्ल्यूएस श्रेणी के बच्चों के अभिभावक खासे मायूस हैं। लंबे इंतजार के बाद भी आर्थिक पिछड़ा वर्ग (ईडब्ल्यूएस), वंचित वर्ग (डीजी), विशेष आवश्यकता वाले बच्चे (सीडब्ल्यूएसएन) श्रेणी की सीटों पर दाखिला प्रक्रिया शुरु नहीं हो पाई है। शिक्षा निदेशालय का कहना है कि जल्द दाखिला प्रक्रिया को शुरू किया जाएगा। बताते चलें कि दाखिला प्रक्रिया हर साल फरवरी में शुरू हो जाती है। स्कूलों में नर्सरी के सामान्य श्रेणी के छात्रों का नया सत्र शुरू हुए 14 दिन भी बीत गए हैं। लेकिन, अभी तक शिक्षा निदेशालय ने इस संबंध में कोई कार्यक्रम जारी नहीं किया है। इसको लेकर अभिभावकों में नाराजगी देखने को मिल रही है। अभिभावकों का कहना है कि एक तो पहले ही ईडब्ल्यूएस सीट पर दाखिला लेने के लिए स्कूल में मशक्कत करनी पड़ती है। प्रक्रिया में देरी होने से दिक्कतें और भी ज्यादा बढ़ने लगी हैं। बता दें कि निजी स्कूलों में 25 फीसदी सीट ईडब्ल्यूएस, डीजी और विशेष बच्चों की श्रेणी के लिए आरक्षित करने का प्रावधान है। शिक्षा निदेशालय के एक अधिकारी ने बताया कि ईडब्ल्यूएस श्रेणी के दाखिला संबंधी दिशा-निर्देश व अधिसूचना इस सप्ताह जारी होने की संभावना है। ज्यादातर स्कूलों ने सीटों के मामले में जानकारी दे दी है।

बोले अभिभावक

करोल बाग के निवासी राकेश श्रीवास्तव ने बताया कि उनका बेटा चार साल का है। वह दिसंबर माह से ईडब्ल्यूएस दाखिला प्रक्रिया शुरु होने का इंतजार कर रहे हैं। पिछले साल यह फॉर्म फरवरी के आसपास निकल चुके थे, लेकिन, इस बार स्कूलों का नया सत्र भी शुरू हो गया है और अब तक फॉर्म नहीं निकले हैं।

त्यागराज कॉम्प्लैक्स निवासी कनिका रावत ने बताया कि उन्हें बेटी का दाखिला कराना है। वह निदेशालय से लेकर स्कूलों तक के चक्कर लगा रही हैं, लेकिन, कहीं से भी दाखिले की सूचना नहीं मिल रही है। ऐसे में इंतजार के सिवाय कोई चारा नहीं है।

आम आदमी पार्टी ने पैदा कर दिया है संवैधानिक संकट- बिधूड़ी

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी और दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना को धन्यवाद दिया है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के जेल जाने के बाद आम आदमी पार्टी ने जिस प्रकार संवैधानिक संकट पैदा किया हुआ है, उसमें वह बखूबी स्थिति संभाल रहे हैं। इसके लिए दिल्ली की जनता उनकी आभारी है। बिधूड़ी ने कहा कि मुख्यमंत्री केजरीवाल के जेल जाने के बाद स्थिति यह पैदा हो गई है कि एक मंत्री इस्तीफा दे रहा है और उसका इस्तीफा स्वीकार नहीं हो पा रहा। मुख्यमंत्री की अनुपस्थिति में अन्य जरूरी काम रुके हुए हैं। केबिनेट की मीटिंग तक नहीं हो पा रही। आम आदमी पार्टी जिद पर अड़ी हुई है कि केजरीवाल जेल से ही सरकार चलाएंगे। इस संवैधानिक संकट के समय जनता के मन में अनेक आशंकाएं पैदा हो रही हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे संकट के समय में उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना ने जनता को जो आश्वासन दिया है, उससे जनता ने राहत की सांस ली है। उपराज्यपाल महोदय ने जनता को आश्वासन दिया है कि दिल्ली सरकार की कोई भी सबसिडी योजना बंद नहीं होगी। बिजली, पानी तथा अन्य योजनाएं जारी रहेंगी क्योंकि ये योजनाएं भारत सरकार और एलजी द्वारा अनुमोदित बजट का हिस्सा हैं। बजट का हिस्सा बनने के बाद ये किसी व्यक्ति का या राजनीतिक दल की बपौती नहीं होती। बिधूड़ी ने कहा कि दिल्ली में वर्तमान हालात अभूतपूर्व हैं क्योंकि ऐसा कभी नहीं हुआ कि कोई मुख्यमंत्री जेल से सरकार चलाने की जिद कर रहा हो।

लेडी हार्डिंग में 24 घंटे एमआरआई की सुविधा शुरू

नई दिल्ली। दिल्ली में केंद्र सरकार के लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज और इससे जुड़े सुचेता कृपलानी अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले मरीजों के लिए अच्छी खबर है। अस्पताल प्रशासन ने तीन टेस्ला एमआरआई प्रणाली को पूरी क्षमता के साथ शुरू कर दिया है। इसके अलावा अस्पताल के नव निर्मित केंद्रीय प्रयोगशाला भी पूरी तरह शुरू हो गई है।

लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज के निदेशक डॉ. सुभाष गिरी ने बताया कि नई प्रयोगशाला में मशीनें पूरी तरह से आधुनिक हैं। इनकी मदद से कम समय में उच्च स्तर की जांच रिपोर्ट तैयार कर सकते हैं। यहां पर एमआरआई, एंजियोग्राफी, एमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी सहित दूसरे एमआरआई अध्ययन भी सातों दिन 24 घंटे मरीजों के लिए उपलब्ध हो गए हैं। उन्होंने कहा कि आईपीडी ब्लॉक की केंद्रीय लैब पूरी तरह से स्वचालित, अत्याधुनिक प्रयोगशाला है। यहां मरीजों की सुविधा के लिए सैंपल लेने के व्यवस्था भी ओपीडी के ग्राउंड फ्लोर पर ही की गई है। पैथोलॉजी व हेमेटोलॉजी की सभी सुविधाएं भी मिल रही है। इसमें रक्त ग्लूकोज, यकृत कार्य परीक्षण, गुर्दे कार्य परीक्षण, थायराइड कार्य परीक्षण, इलेक्ट्रोलाइट्स, हार्मोनल परीक्षण, प्रजनन प्रोफाइल, इंसुलिन, ग्लाइकोसिलेटेड हीमोग्लोबिन सहित अन्य जांच शामिल है। इसके अलावा माइक्रोबायोलॉजी विभाग एचआईवी परीक्षण और परामर्श के एकीकृत केंद्र को केंद्रीय प्रयोगशाला में स्थानांतरित करने की योजना बना रहा है। इन लैब में जांच के बाद मरीज को ऑनलाइन माध्यम से रिपोर्ट उपलब्ध करवाई जा रही है। डॉक्टर सुभाष गिरी ने बताया कि अस्पताल में ऑक्सीजन की सुविधा तीन गुना तक बढ़ा दी गई है। आईसीयू, आपातकालीन सेवाओं और अन्य क्षेत्रों को मिलाकर कुल 930 बिस्तरों पर ऑक्सीजन की आपूर्ति हो रही है।

सेना के रिटायर्ड अधिकारी के घर चोरी के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। सेना के रिटायर्ड अधिकारी के घर हुई चोरी के मामले को उत्तर पूर्वी दिल्ली की भजनपुरा थाना पुलिस की टीम ने सुलझाते हुए दो शातिर चोर को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के पास से चोरी की गई करीब 45 लाख रुपये की ज्वेलरी, घड़ी, मोबाइल के साथ चुराए गए पैसे से खरीदी गई ऑटो और बाइक बरामद की गई है। डीसीपी डॉ. जॉय टिर्की ने बताया कि आरोपियों की पहचान खजूरी खास निवासी मुबीन और नॉर्थ घोंडा निवासी अयूब के रूप में हुई है। सेना के रिटायर्ड अधिकारी 71 वर्षीय एसके पंडित परिवार के साथ भजनपुरा थाना क्षेत्र के घोंडा इलाके में रहते हैं। 31 मार्च को वे परिवार के साथ हरिद्वार और देहरादून घूमने गए थे। इस दौरान उनके घर में चोरी हो गई। चोरों ने लॉक तोड़कर घर में रखी करीब 70 लाख रुपये की ज्वेलरी, कैश व अन्य कीमती सामान पार कर दिया था। जब घर पर कामवाली पहुंची, तब जाकर मामले का खुलासा हुआ था। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। इसके बाद आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगाला, जिसमें वारदात में इस्तेमाल बाइक की पहचान हो गई। बाइक नंबर के आधार पर पुलिस ने खजुरी चौक से मुबीन को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद अयूब को भी पकड़ लिया गया। आरोपियों के पास से 27, 500 रुपये नकद, विभिन्न आभूषण व अन्य चीजे बरामद की गई। इतना ही नहीं, आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास, डकैती और आर्म्स एक्ट के तहत तीन मामले भी दर्ज पाए गए। उन्होंने खुलासा किया कि वे रात में रेकी कर बंद घरों को तलाशते थे और चोरी की वारदात को अंजाम देते थे। दोनों नशे की लत पूरी करने के लिए ऐसा करते थे।

मुख्य सचिव के दौरे के बाद भी संगम विहार की सड़कों का बुरा हाल, लोगों ने केजरीवाल सरकार को ठहराया जिम्मेदार

नई दिल्ली। दिल्ली के संगम विहार के लोगों में आम आदमी पार्टी की सरकार के खिलाफ काफी नाराजगी है। सड़क-पानी की समस्या को लेकर लोग परेशान हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब से केजरीवाल की सरकार आई है, तब से सड़कों की हालत बद से बदतर हो गई है। संगम विहार इलाके में पीने का पानी एक महीने में एक बार आता है। सड़कों की हालत को लेकर स्थानीय लोगों ने बताया कि कुछ महीने पहले इस सड़क को सीवर की पाइपलाइन डालने के लिए खोदा गया था। कई महीने बीत गए लेकिन यहां किसी भी तरह की पाइपलाइन नहीं डाली गई, यहां रह रहे लोगों को हर रोज खराब सड़क, जगह-जगह गड्ढे, बहते नाले की पानी जैसे समस्या में जूझना पड़ता है। पैदल चलने वाले यात्रियों को सबसे ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ रही है, कभी-कभी बाइक से जा रहे लोग इस सड़क पर फिसल कर गिर भी जाते हैं। बता दें कि संगम विहार इलाके की इस समस्या का मुद्दा दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के बीच भी उठ चुका है। एलजी ने कॉलोनियों की दुर्दशा का मुद्दा उठाया जिसके बाद आम आदमी पार्टी ने कॉलोनी और झुग्गी बस्तियों की बदहाली के मुद्दे को लेकर एलजी पर राजनीति का आरोप लगाया था। अभी कुछ दिन पहले मुख्य सचिव ने भी संगम विहार इलाके का दौरा किया था और अधिकारियों को फटकार भी लगाई थी। इसके बावजूद भी संगम विहार इलाके का विकास कार्य अधूरा है।

न्यायालय आप विधायक अमानतुल्ला की अग्रिम जमानत अर्जी पर सोमवार को करेगा सुनवाई

शबाना बेगम, सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय दिल्ली वक्फ बोर्ड में कथित अनियमितताओं से जुड़े धन शोधन मामले में अग्रिम जमानत का अनुरोध करने संबंधी आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक अमानतुल्ला खान की अर्जी पर सोमवार को सुनवाई करेगा। ये कथित अनियमितताएं खान के वक्फ बोर्ड का अध्यक्ष रहने के दौरान हुई थीं।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ खान की अर्जी पर सुनवाई करने वाली है, जिसमें आप विधायक ने उच्च न्यायालय के 11 मार्च के आदेश को चुनौती दी है। उच्च न्यायालय ने खान को मामले में राहत देने से इनकार कर दिया था। अदालत ने जांच एजेंसियों द्वारा बार-बार जारी किये गए समन की खान द्वारा अवहेलना किये जाने को गलत बताते हुए 11 मार्च को खान को अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया था। यह उल्लेख करते हुए कि ओखला विधायक छह समन के बावजूद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश नहीं हुए, उच्च न्यायालय ने कहा था कि विधायकों को पता होना चाहिए कि कानून की अवहेलना करने पर कानूनी कार्रवाई होगी क्योंकि कानून की नजर में सभी नागरिक समान हैं। अदालत ने कहा था, %%विधायक या कोई सार्वजनिक हस्ती देश के कानून से ऊपर नहीं है। खान के खिलाफ धन शोधन का मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की प्राथमिकी और दिल्ली पुलिस की तीन शिकायतों से संबद्ध है। ईडी ने पूर्व में विधायक के परिसरों पर छापेमारी की थी। संघीय एजेंसी ने दावा किया कि खान ने दिल्ली वक्फ बोर्ड में कर्मचारियों की अवैध भर्ती के माध्यम से अपराध की आय नकद में अर्जित की और उसे अपने सहयोगियों के नाम पर अचल संपत्ति खरीदने के लिए निवेश किया। ओखला विधायक ने मामले में अग्रिम जमानत के लिए उनकी अर्जी एक मार्च को निचली अदालत द्वारा खारिज किए जाने के बाद उच्च न्यायालय का रुख किया था। हालांकि, ईडी द्वारा हाल में दाखिल किये गए आरोपपत्र में खान को आरोपी के रूप में नामजद नहीं किया गया है। इसने कहा है कि कर्मचारियों की अवैध भर्ती और 2018-2022 के दौरान वक्फ बोर्ड की संपत्तियों को गलत तरीके से पट्टे पर देकर आरोपियों द्वारा हासिल किये गए अनुचित व्यक्तिगत लाभ से संबंधित मामले में तलाशी ली गई। खान उक्त अवधि के दौरान बोर्ड के अध्यक्ष थे। ईडी ने कहा है कि छापे के दौरान साक्ष्य के रूप में कई आपराधिक सामग्री जब्त की गई, जो धन शोधन के अपराध में खान की संलिप्तता का संकेत देती है।

मोदी ने भाजपा का घोषणा पत्र नहीं जुमला पत्र जारी किया: आप

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने रविवार को कहा कि 2024 लोकसभा चुनाव के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का घोषणा पत्र नहीं जुमला पत्र जारी किया है। आप की वरिष्ठ नेता आतिशी ने भाजपा के संकल्प पत्र को जुमला पत्र करार दिया है। उन्होंने कहा कि 2024 लोकसभा चुनाव के लिए श्री मोदी ने भाजपा का घोषणा पत्र नहीं जुमला पत्र जारी किया है। जुमला पत्र के ज़रिए भाजपा द्वारा पिछले 10 सालों में पूरे न किए गए वादों का कच्चा चिट्ठा पूरे देश के सामने आ गया है। उन्होंने कहा कि श्री मोदी और भाजपा ने पिछले 10 सालों में देश के लोगों को अपने जुमलों से बस धोखा देने का काम किया है। अगर 10 साल में काम किया है तो उसके आधार पर वोट मांगकर दिखाए, 10 साल के वादों के आधार पर नहीं। सुश्री आतिशी ने कहा कि हर साल दो करोड़ रोज़गार देने का वादा करने वाले प्रधानमंत्री ने 75 पत्रों के जुमला पत्र में ये आँकड़ा तक नहीं दिया कि 10 सालों में उन्होंने कितने युवाओं को रोज़गार दिया। उन्होंने महंगाई कम करने का वादा किया था, लेकिन आज अपने जुमलापत्र में इसका आँकड़ा नहीं दिया, 10 सालों में देश में महंगाई का स्तर कम होने के बजाय बढ़कर दुनिया में दूसरे नंबर पर पहुँच गया। उन्होंने कहा कि किसानों की आय दोगुना करने का वादा करने वाली भाजपा के जुमला पत्र में किसानों के आय की बात नहीं, एमएसपी के क़ानून की बात नहीं; भाजपा किसानों से अपने किए वादों पर मुकर गई। जिस आयुष्मान भारत की आज भाजपा पूरे देश में अपने जुमला पत्र में डुगडुगी बजा रही है, उसपर पिछले साल दिल्ली जैसे छोटे राज्य के स्वास्थ्य बजट से भी कम खर्च हुआ। उन्होंने कहा कि, भाजपा द्वारा जारी जुमलापत्र पर देश का कोई भी व्यक्ति विश्वास नहीं करने वाला है। दस सालों में भाजपा के जुमलों को पूरे देश ने देखा और इस बार देश के लोग इन जुमलों के ख़िलाफ़ वोट डालेंगे।

खालसा स्थापना दिवस के अवसर पर विशेष गुरमति कार्यक्रम का आयोजन

नई दिल्ली। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा खालसा स्थापना दिवस के अवसर पर गुरुद्वारा मजनू का टीला में विशेष गुरमति समारोह का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु नतमस्तक हुए। इस दौरान समागम को संबोधित करते हुए कमेटी के अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका और महासचिव सरदार जगदीप सिंह काहलों ने कहा कि आज पूरे विश्व में सिख समुदाय 325वां स्थापना दिवस मना रहा है, खालसा पंथ विश्व में एकमात्र ऐसा समुदाय है जो अपना स्थापना दिवस मनाता है। उन्होंने कहा कि हमारी सिख कौम का इतिहास वीरता और शहादतों से परिपूर्ण है। गुरु गोबिंद सिंह ने देश और धर्म की खातिर अपना समूचा परिवार कुर्बान कर दिया। इसके बाद बाबा बंदा सिंह बहादुर ने सरहंद की ईंट से ईंट बजा दी। महाराजा रणजीत सिंह ने पहले खालसा साम्राज्य की स्थापना की जो काबुल-कंधार तक फैला हुआ था। सरदार कालका और सरदार काहलों ने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह साहिब ने हमें श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बाणी से जुड़ने के लिए कहा इसलिए आज हमें युवा पीढ़ी को गुरबाणी सिमरन से जोड़ने की बेहद जरूरत है, सभी सिख परिवारों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके बच्चे अमृतधारी हों व उनके घरों में गुरबाणी सिमरन होता हो। यह अच्छी बात है कि आज भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु अमृतपान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी अपने बच्चों को सिख समुदाय के अनूठे इतिहास से अवगत कराने के लिए लगातार विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करती है। गर्मियों की छुट्टियों के दौरान बच्चों के लिए गुरमति शिविर आयोजित करने के लिए देश-विदेश से भी दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी से संपर्क किया जा रहा है, पिछले साल 14 हजार बच्चों ने गुरमति शिविर में हिस्सा लिया था, इस बार हमें उम्मीद है कि 25 हजार से ज्यादा बच्चे गुरमति कैंपों का हिस्सा बनेंगे। वैसाखी पर करवाए गए इस समागम में दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी के पदाधिकारी, सदस्यों सहित बड़ी संख्या में संगत उपस्थित रही।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर भारतीय संस्कृति के सम्पोषक थे: प्रो.मुरलीमनोहर पाठक

शहनवाज़ सैफ, सद्भावना टुडे संवाददाता

नई दिल्ली। डॉ. भीमराव अम्बेडकर केवल दलितों के नहीं बल्कि सम्पूर्ण भारतीय जनमानस के लीडर रहे हैं। संविधान समिति की बैठक में बाबा भीमराव अम्बेडकर ने संस्कृत भाषा को देश के सर्वाङ्गीण विकास के लिए सर्वोत्कृष्ट भाषा बतायी थी। शिक्षा के सन्दर्भ मं बाबा भीमराव के विचार भिन्न रहे हैं। उन्होंने देश के प्रत्येक नागरिक को शिक्षित होने के लिए प्रेरित किया, साथ ही नैतिक शिक्षा को सर्वोपरि बताया।

बाबा भीमराव ने कुछ विशेष सन्दर्भों में स्त्रियों के लिए कुछ विशेष नियम भी प्रस्तावित किये थे, जो सर्वसहमति से पारित किये गये। स्त्रियों को उनके अधिकार दिलाने में बाबा भीमराव अम्बेडकर का सर्वाधिक योगदान रहा है। आज बाबा भीमराव अम्बेडकर की जन्म जयन्ती के अवसर पर 'स्त्री उत्थान में बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर का योगदान' विषय पर लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्यातिथि के रूप में समागत प्रो. शशिकला बंजारी, कुलपति, नीपा ने डॉ.भीमराव के प्रेरक सन्दर्भों का प्रकाशन करते हुए युवाओं को उनके व्यक्तित्व से सीखने के लिए आहूत किया तथा उनके द्वारा स्त्रियों के उत्थान के लिए किये गये कार्यों की प्रशंसा की। मुख्यवक्ता प्रो. नीलम ठगेला ने बाबा साहब द्वारा निर्मित संविधान के उन विशेष अनुच्छेदों का विवेचन किया, जिनमें स्त्रियों के उत्थान के लिए विविध सन्दर्भों में नियम बनाये गये थे। मुख्यवक्ता के रूप में पधारे प्रो. आदेश कुमार ने बाबा भीमराव के शैक्षणिक अवधि एवं उनके मौलिक अवदानों पर विशेष प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रो.मुरलीमनोहर पाठक ने अध्यक्षीय वक्तव्य में बताया कि बाबा भीमराव हमारी भारतीय संस्कृति के सम्पोषक रहे हैं, उन्होंने संविधान समिति की बैठक में संस्कृत को राष्ट्रीय भाषा बनाये जाने के लिए प्रस्ताव भी दिया था। उनका प्रत्येक प्रयास स्त्रियों का उत्थान करते हुए भारत देश को सर्वोच्च स्थान पर पहुँचाना था। बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयन्ती के अवसर आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सम्मानित आचार्य, अधिकारी एवं शताधिक की संख्या छात्र-छात्रायें उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केन्द्र की निदेशिका डॉ. सविता राय द्वारा किया गया।

एक नजर

गेहूं की फसल कटने के लिए तैयार, लेकिन बारिश ने कर दिया नुकसान

अशोक कुमार, सद्भावना टुडे संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। देशभर में मौसम लगातर करवट बदल रही है। रविवार सुबह को ग्रेटर नोएडा के कुछ इलाकों में बूंदाबांदी बारिश हुई है। वहीं, दनकौर के आसपास के कई गांव में तेज बारिश हुई है, जिससे किसान काफी उदास और परेशान है। इस महीने में गेहूं की फसल कटने के लिए तैयार हो जाती है और कुछ जगहों पर इसकी कटाई शुरू भी हो चुकी है, लेकिन बूंदाबांदी बारिश के बाद फसल की कटाई रुक गई है। ऐसे में गेहूं के दाने काले पड़ जाते हैं, जिससे किसान को फसल में काफी नुकसान पहुंचने की संभावना है। दनकौर के नवादा गांव के रहने वाले किसान राजकुमार ने बताया कि शनिवार शाम से ही अचानक मौसम में बदलाव शुरू हो गया और फिर अगले दिन ही सुबह से कुछ जगहों पर तेज और कहीं हल्की बारिश शुरू हो गई। किसानों का कहना है कि इस महीने में गेहूं की फसल कटने के लिए तैयार थी, लेकिन बारिश होने की वजह से फसल का काफी नुकसान हुआ है। अगर आगे भी ऐसा ही मौसम रहा तो फसल और खराब होने की संभावना है। वहीं, दादरी तहसील के बील अकबरपुर गांव निवासी धर्मेंद्र ने बताया कि शनिवार से मौसम खराब है और आज रविवार सुबह थोड़ी बहुत बूंदाबांदी भी हुई है। यदि ऐसे में बारिश होती रहती है तो किसानों को काफी नुकसान उठाना पड़ेगा। इस समय गेहूं की फसल बिल्कुल तैयार थी और उसकी कटाई की जा रही थी, लेकिन बूंदाबांदी के कारण ज़मीन गीली हो गई है, जिसे फसल की कटाई एक से दो दिनों के लिए प्रभावित हो गई। बता दें, अभी मौसम में बादल छाए हुए हैं और हवाएं चल रही हैं। ऐसे में यदि एक-दो दिन के बाद मौसम साफ नहीं होता है और बारिश होती है तो खेतों में पड़ी गेहूं की फसल से किस को बेहतर उपज मिलने की उम्मीद खत्म हो जाएगी। क्योंकि गेहूं की फसल पक जाने के बाद यदि बारिश होती है तो गेहूं के दाने काले पड़ जाते हैं। जिससे किसान को फसल में काफी नुकसान होता है।

भाजपा के घोषणा पत्र में सभी वर्गों का रखा गया ध्यानः भूपेंद्र चौधरी

गाजियाबाद। भारतीय जनता पार्टी के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी रविवार को गाजियाबाद दौरे रहे। इस दौरान भूपेंद्र चौधरी ने नवयुग मार्केट स्थित अंबेडकर पार्क में भाजपा के पदाधिकारियों के साथ बाबा भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मीडिया से बातचीत के दौरान भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किया। भाजपा परिवार बाबा साहब के दिखाएं मार्ग पर चलने का प्रयास कर रहा है। वहीं, भाजपा द्वारा जारी किए गए घोषणा पत्र पर उन्होंने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पूर्ण विश्वास है। पार्टी द्वारा जो संकल्प पत्र जारी किया गया है उसे भाजपा का एक-एक सिपाही मिलकर पूरा करेगा। भाजपा ने अपने घोषणा पत्र में समाज के सभी वर्गों का ख्याल रखा है। इसमें विकास, कल्याण और अन्य मुद्दों के रोडमैप को प्रदर्शित किया गया है। पहली बार वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान भारत योजना के तहत जोड़ा गया है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा का इतिहास रहा है कि चुनाव से पहले एक घोषणा पत्र में जो भी वादे किए गए हैं उनका चुनाव जीतने पर पूरा किया गया है। वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का पीएम मोदी का संकल्प है। बता दें, हाल ही में अखिलेश यादव ने मीडिया को दिए गए एक बयान में कहा था कि उत्तर प्रदेश में केवल एक सीट को छोड़कर इंडिया गठबंधन सभी सीटों पर जीत रहा है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए भूपेंद्र चौधरी ने कहा अखिलेश यादव का आकलन गलत है। उन्होंने एक सीट बीजेपी को गलत दे दी है। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में अखिलेश यादव ने 400 से ज्यादा सीटें जीतने का दावा किया था, लेकिन हुआ क्या था। निर्णय देश की जनता को करना है।

साइबर अपराध के छह मुकदमों में 14 आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। साइबर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए इस सप्ताह 5 से 11 अप्रैल 2024 तक साइबर अपराध के 6 मुकदमों में 14 आरोपी गिरफ्तार कर 28500/- रुपए बरामद किए है। पुलिस प्रवक्ता ने रविवार को बताया कि पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार आरोपियो में कुलदीप वासी गुरुनानक एन्कलेव नागलोई दिल्ली,आरोपी कुनाल मोती नगर दिल्ली, कुनाल नैय्यर वासी संत नगर रानी बाग दिल्ली, आरोपी सिमरनजीत सिंह वासी विष्णु गार्डन न्यू दिल्ली, आरोपी पाथल वासी विकासपुरी दिल्ली, आरोपी मोहित कुमार वासी प्रेम नगर उत्तम नगर वेस्ट दिल्ली, आरोपी नवीन कुमार जेजे कॉलोनी न्यू दिल्ली का, आरोपी रजत वासी कमल कॉलोनी सारनपुर रोड दिल्ली, आरोपी निखिल कुमार गांव जलालपुर जिला नवादा बिहार हाल तुगलकाबाद गोविन्दपुरी दिल्ली का, आरोपी शशीकान्त गांव कारीशोभा कोठा जिला गया बिहार हाल सेहतपुर पल्ला का तथा आरोपी के. विनोद दिल्ली लाजपत नगर का, आरोपी अमिक कुमार वासी सहजापुर उत्तर प्रदेश का, आरोपी प्रशांत कुमार वासी हुलिमवू बेंगलुरु का तथा आरोपी शारुख गांव कुरैशी पुर फरीदाबाद का नाम शामिल है। तीन केस साइबर सेंट्रल 02 साइबर बल्लभगढ़ तथा 01मामला साइबर एनआईटी ने सुलझाया। इस सप्ताह में साइबर पुलिस ने 169 शिकायतों का निस्तारण करते हुए 3,55,000 रुपये करवाए रिफंड वा 8,07,304 रूपये बैंकों में सीज कराये गये।

बिट्टू बजरंगी की भगवा रैली में युवा भिड़े

फरीदाबाद,एजेंसी। फरीदाबाद के हार्डवेयर चौक पर रविवार को दो वर्गों के युवा आपस में टकरा गए। यहां पर भगवा रैली निकाल रहे हिंदू कार्यकर्ताओं और अंबेडकर जयंती मना रहे दलित संगठन के कार्यकर्ताओं के बीच तनातनी हो गई। दोनों तरफ से नारेबाजी की गई और हथियार भी लहराए गए। इसके बाद माहौल गर्मा गया तो पुलिस को हस्तक्षेप करके दोनों तरफ के युवाओं को अलग करना पड़ा।

जानकारी के अनुसार रविवार 14 अप्रैल को दशहरा ग्राउंड से नूंह हिंसा के आरोपी बिट्टू बजरंगी की अगुआई में एक भगवा रैली का आयोजन किया गया था। यह रैली दशहरा ग्राउंड से शुरू होकर हार्डवेयर चौक होते हुए प्याली चौक की ओर जा रही थी। दूसरी तरफ रास्ते में पडने वाले हार्डवेयर चौक पर दलित संगठनों की ओर से आज ही डा.भीमराव अंबेडकर जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा था। फरीदाबाद के हार्डवेयर चौक पर

भगवा रैली पहुंची तो वहां पहले से चल रहे अंबेडकर जयंती प्रोग्राम में शामिल दलित संगठन के कार्यकर्ता भी रैली को देखकर बाहर आ गए। भगवा रैली में जय श्री राम के नारे लग रहे थे। इनको देख दलित संगठन के युवाओं ने भी हिंदू भगवा रैली के सामने ही जय भीम के नारे लगाने शुरू कर दिए। इसके चलते एक बार तो दोनों संगठनों में टकराव की स्थिति पैदा हो गई। दोनों संगठनों के कार्यकर्ता एक दूसरे को अपने-अपने झंडे दिखाने लगे और जोरदार तरीके से नारेबाजी करने लगे। इस दौरान हथियार भी लहराए गए। दोनों तरफ से तनातनी बढ़ता देख पुलिस भी हरकत में आ गई। पुलिस अधिकारी बीच बचाव के लिए आ गए। इसके बावजूद यहां 25 से 30 मिनट तक दोनों संगठनों के कार्यकर्ता आमने सामने रहे। पुलिस काफी मशक्कत कर भगवा रैली को आगे निकाला। रैली के हार्डवेयर चौक से आगे जाने के बाद ही माहौल यहां शांत हुआ। फरीदाबाद पुलिस भगवा रैली को देख कर पहले से ही अलर्ट पर थी। दशहरा ग्राउंड से रैली निकालने के लिए जो रूट तैयार किया गया था, उस रास्ते पर अंबेडकर जयंती का प्रोग्राम भी तय था। पुलिस को पहले से ही अपने खुफिया तंत्र द्वारा सूचना मिल गई थी कि हार्डवेयर चौक पर रैली के दौरान दोनों संगठनों में टकराव की स्थिति पैदा हो सकती है।

बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर हम सबके प्रेरणास्रोत हैंः डॉली शर्मा

गाजियाबाद। रविवार को इंडिया गठबंधन की कांग्रेस प्रत्याशी डॉली शर्मा ने अपने गाजियाबाद लोकसभा क्षेत्र में भारतीय संविधान के निमार्ता बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत की और जगह-जगह पर उन्होंने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इसी क्रम में डॉली शर्मा अपने समर्थकों के साथ डॉ बी आर अंबेडकर जयंती पार्क, नवयुग मार्केट पहुंचीं और बाबा साहब की आदमकद प्रतिमा पर पुष्प-माला अर्पित करते हुए पुष्पांजलि अर्पित की।इस अवसर पर मुख्य रूप से कांग्रेस महानगर अध्यक्ष विजय चौधरी और पूर्व महानगर अध्यक्ष नरेंद्र भारद्वाज आदि ने भी पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि निर्माण में बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर का महत्वपूर्ण योगदान है। इस दौरान डॉली शर्मा ने कहा कि बाबा साहब के सपने के भारत को बनाने के लिए हमारी कांग्रेस पार्टी सतत् सक्रिय रही है। उनके जीवन आदर्श हम सभी के लिए अनुकरणीय हैं। हम सबके जेहन में भावी पीढ़ियों के मनोमस्तिष्क में उनकी स्मृति अक्षुण्ण रहे, जनमानस उनसे प्रेरणा लेता रहे, इसका मैं पुख्ता इंतजाम करूंगी। समाज के शोषित व दलित वर्ग की हकमारी कोई नहीं कर पाए इस नजरिए से सदैव चौकस रहती हूं। इसके बाद लोकसभा प्रत्याशी डॉली शर्मा तमाम दलित नेताओं व समाजसेवियों से मिलीं और उनका कुशल क्षेम पूछा। इससे पहले उन्होंने घूकना मोड़, गली नं 3, भीम नगर, गाजियाबाद में सावित्री बाई फूले जन सेवा संस्थान के नेतृत्व में आयोजित जनसंपर्क बैठक में शरीक हुईं।

नोएडा की गार्डेनिया ग्लोरी सोसायटी के लोगों ने घर रजिस्ट्री की मांग को लेकर निकाला मार्च

शोएब आलम,रिपोर्टर,संद्भावना टुडे

नोएडा। नोएडा की गार्डेनिया ग्लोरी सोसाइटी के लोगों ने नोएडा प्राधिकरण और बिल्डर से घर की रजिस्ट्री की मांग को लेकर उनके खिलाफ सड़क मार्च निकाला। सोसाइटी के लोगों ने सेक्टर 46 में मार्च फॉर रजिस्ट्री का पोस्टर लेकर पैदल मार्च किया और जमकर नारेबाजी की। उनका कहना है कि गार्डेनिया ग्लोरी सोसाइटी में अपने आशियाना खरीदने के लिए लोगों ने अच्छी रकम दी है, लेकिन अब तक घर की रजिस्ट्री नहीं हुई है। इससे लोग परेशान होकर सड़क पर उतर आए हैं।

नोएडा के सेक्टर 46 स्थित गार्डेनिया ग्लोरी सोसाइटी में रहने वाले सैकड़ों लोग फ्लैट की रजिस्ट्री की मांग को लेकर सेक्टर 46 में पैदल मार्च किया। इसमें महिलाएं और पुरुषों के साथ वृद्ध भी शामिल थे। प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना है कि बिल्डर हमलोगों से फ्लैट के सारे पैसे ले चुका है और अब रजिस्ट्री को लेकर नोएडा प्राधिकरण और बिल्डर अपनी मनमानी दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम अपनी मांगों को लेकर पहले न्यायालय भी जा चुके हैं। कोर्ट से हमारे हक में आदेश पारित हुआ, फिर भी हमारे घरों की रजिस्ट्री नहीं हो पा रही है। इसके लिए

बिल्डर और प्राधिकरण पूरी तरह से जिम्मेदार है। रजिस्ट्री की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना है कि बिल्डर द्वारा सोसाइटी को एक खानापूर्ति के रूप में बनाया गया है। यहां सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं है, यहां रहने वाले लोग असुरक्षित महसूस करते हैं। उन्होंने कहा कि करीब 1400 से अधिक लोग सोसाइटी में रहते हैं, पर किसी की भी अभी तक रजिस्ट्री नहीं हुई है। जबकि, प्राधिकरण ने कहा था कि जल्द घर की रजिस्ट्री शुरू हो जाएगी, पर अभी तक रजिस्ट्री शुरू नहीं हुई है।

फसल उठान में देरी पर दो ठेकेदारों पर मुकदमा दर्ज कराने के निर्देश

गुरुग्राम। मंडी से फसल उठान के कार्य में ढिलाई बरत रहे पटौदी और फर्रूखनगर मंडी के दो ठेकेदारों के खिलाफ डीसी निशांत कुमार यादव ने एसडीएम पटौदी को मुकदमा दर्ज करवाए जाने के निर्देश दिए हैं। डीसी ने कहा कि जो भी ठेकेदार मंडियों में फसल उठाने का काम सुचारू रूप से नहीं करेगा, जिला प्रशासन द्वारा उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। हरियाणा के मुख्य सचिव टी.वी.एस.एन. प्रसाद की फसल खरीद और उठान के कार्य की वीडियो कांफ्रेंस के बाद डीसी रविवार को लघु सचिवालय सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि जिला की मंडियों में अभी तक फसलों की आवक को देखते हुए फसल उठान का कार्य काफी धीमी गति से चल रहा है, जो कि उचित नहीं है। खासतौर से फरुखनगर और पटौदी की मंडी में उठान का कार्य मंद गति से किया जा रहा है। जिसके लिए सीधे तौर पर वहां के ठेकेदार जिम्मेदार हैं। डीसी ने श्रमिकों व ट्रांसपोर्ट के ठेकेदार पवन कुमार तथा राजेश कुमार के खिलाफ पटौदी एसडीएम होशियार सिंह को कानूनी कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पटौदी थाना प्रभारी को इन दोनों ठेकेदारों के खिलाफ एसडीएम की ओर से लिखित में शिकायत दी जाए। वीडियो कांफ्रेंस में मुख्य सचिव टी.वी.एस. एन. प्रसाद ने कहा कि मंडियों में किसानों की सुविधा का पूरा

ध्यान रखा जाए और यह प्रयास किया जाए कि उनकी फसल का भुगतान तत्परता से हो। इसके लिए उन्होंने प्रदेश स्तर पर उच्च प्रशासनिक अधिकारियों की एक कमेटी गठित किए जाने के भी निर्देश दिए। डीसी निशांत कुमार यादव ने मुख्य सचिव को बताया कि गुरुग्राम जिला में अभी तक हैफेड और हरियाणा वेयरहाउस कार्पोरेशन द्वारा 28 हजार 927.45 मीट्रिक टन सरसों की खरीद हो चुकी है। इसमें से 8 हजार 34 मीट्रिक टन सरसों का उठान हो चुका है। पटौदी, सोहना व फरुखनगर मंडी में 14 हजार 598 किसान सरसों लेकर आए हैं। इसी प्रकार फर्रूखनगर, पटौदी, खोड़ और सोहना मंडी में दोनों एंजेसियों ने 28 हजार 258.90 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की है। जिसमें से 320 मीट्रिक टन गेहूं का उठान हो चुका है। मंडियों में 4 हजार 266 किसान गेहूं लेकर आए हैं। डीसी ने निर्देश दिए कि चारों मंडियों में किसानों के लिए मूलभूत सुविधाओं का पूरा इंतजाम रहना चाहिए। इस अवसर पर एडीसी हितेश कुमार मीणा, सोहना के एसडीएम सोनू भट्ट, पटौदी के एसडीएम होशियार सिंह, मार्केटिंग बोर्ड की क्षेत्रीय प्रबंधक मीतू धनखड़, जिला प्रबंधक विनय यादव, मार्केट कमेटी सचिव बसंत कुमार, सुनीता देवी, वेयरहाउस से सुमन, खाद्य एवं पूर्ति विभाग से विजय कुमार इत्यादि उपस्थित रहे।

अवैध हथियार बनाने वाली फैक्टरी का भंडाफोड

शहजाद सैफ, सद्भावना टुडे संवाददाता

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच डीएलएफ प्रभारी संदीप कुमार की टीम ने दिल्ली एनसीआर में अवैध असलाह सप्लाई करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए मेरठ से अवैध हथियार बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। भारी मात्रा में अवैध हथियार बनाने का सामान बरामद कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। रविवार को इस मामले में पुलिस द्वारा 6 आरोपियों राहुल, कपिल, हैदर अली, मोहम्मद हैदर, इरशाद तथा मुकेश उर्फ मुक्का को पहले गिरफ्तार किया जा चुका है।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों में साजिद, महिला आरोपी शबनम और शबनम का बेटा फरमान ,दामाद तैयब का नाम शामिल है। आरोपी शबनम ,फरमान तथा साजिद उत्तर प्रदेश मेरठ तथा तैयब मुजफ्फरनगर का रहने वाला है। हाल ही में क्राइम ब्रांच डीएलएफ ने सूरजकुंड थाना ग्रीनफिल्ड एरिया में 4 आरोपियों को अवैध असलाह सहित गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 6 अवैध हथियार तथा 40 कारतूस बरामद किए थे। आरोपी को सिटी बल्लभगढ़ थाने लाकर उसके खिलाफ अवैध हथियार अधिनियम की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज करके आरोपी को अदालत में पेश करके पुलिस रिमांड पर लिया गया जिसमें जिसने अपने साथी मुकेश के बारे में

पुलिस को जानकारी दी।

इसके पश्चात पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी मुकेश को बल्लभगढ़ से 1 देशी पिस्टल और 1 मैगजीन और 2 जिंदा कारतूस सहित गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपी उत्तर प्रदेश के मेरठ के रहने वाले किसी व्यक्ति से यह असला खरीदकर लाते थे और इस असले को दिल्ली एनसीआर एरिया में सप्लाई करते थे। क्राइम ब्रांच की टीम ने मामले में आगे कार्रवाई करते हुए उक्त आरोपियों द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर 6 अप्रैल को मेरठ में अवैध हथियार बनाने की फैक्ट्री पर छापा मारकर आरोपी शबनम, फरमान तथा तैयब को मौके से गिरफ्तार कर 2 देसी कट्टे, 2 पिस्टल का पूरा तैयार शुदा सामान, 2 डम्मी रिवाल्वर, 2 ड्रिल मशीन, 1 बाक, 2 ग्राइंडर तथा काफी मात्रा में हथियार बनाने का सामान, औजार , डम्मी रिवाल्वर व डाई बरामद की गई। इससे पहले आरोपियों के कब्जे से 11 अवैध हथियार, 66 जिंदा रौंद, 7 मैगज़ीन, 1 कार व 1 मोटरसाइकिल बरामद की गई थी। आरोपियों को पुलिस रिमांड पर लेकर मामले में पूछताछ की गई जिसमें सामने आया कि आरोपी साजिद अवैध हथियार बनाने का कच्चा सामान सप्लाई करता था जिसे सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया गया। पुलिस द्वारा अभी तक इस मामले में भारी मात्रा में अवैध हथियार तथा अवैध हथियार बनाने का सामान बरामद किया जा चुका है।

दूसरे दिन 1260 स्कूल बसों की जांच, 406 के चालान, तीन बस जब्त

गुरुग्राम। जिला की स्कूल बसों की चेकिंग का कार्य दूसरे दिन रविवार को भी दिनभर जारी रहा। बच्चों को सुरक्षित स्कूल वाहन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला में पांच स्थानों पर स्कूली बसों का सघन जांच अभियान चलाया गया। रविवार को 143 स्कूलों की 1260 बसों का निरीक्षण किया गया। इनमें से 406 बसों का चालान किया गया और तीन को जब्त किया गया है। डीसी निशांत कुमार यादव और पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा की निगरानी में इस अभियान के तहत रविवार को जिला में बसों की जांच की गई। डीसी निशांत कुमार यादव ने कहा कि यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। स्कूली विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए एक भी खराब वाहन को चलने नहीं दिया जाएगा। जांच के दौरान सुरक्षित स्कूल वाहन पालिसी की चेक लिस्ट के 24 बिंदुओं को पूरा न करने वाली बसों का आरटीए व पुलिस विभाग द्वारा चालान किया गया। जिला के ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के 527 स्कूलों की 26 सौ बसों की चेकिंग पुलिस प्रशासन द्वारा की जा रही है।

उपासना ने बनाए 94 रन, समाइरा, इशिका ने लिए चार-चार विकेट

ग्रेटर नोएडा। नॉलेज पार्क में चल रहे राइजिंग स्टार गर्ल्स क्रिकेट टूर्नामेंट में रविवार को तीन मुकाबले हुए। इंडिया पावर वीमन्स टीम ने दो मुकाबले खेलकर दोनों में जीत दर्ज की। इसके अलावा तीसरे मुकाबले में इस्माश क्रिकेट अकादमी की टीम ने एफसीएए को 96 रन से हरा दिया। उपासना यादव, इशिका और प्रिया को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। पहले मैच में इंडिया पावर वीमन्स टीम की सलामी बल्लेबाज उपासना यादव ने 94 रन, प्रज्ञा ने 63 व तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आई सुमिति ने 59 रनों की बल्लेबाजी के बदौलत 20 ओवर में 245 रन बनाए। राइजिंग स्टार की टीम 20 ओवर में सात विकेट खोकर 99 रन बनाकर आल आउट हो गई।

इंडिया पावर वीमन्स की समाइरा राघव ने चार ओवर में 14 रन देकर चार विकेट लिए। उपासना यादव को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। समाइरा यादव को बेस्ट बॉलर का पुरस्कार मिला। दूसरे मैच में इस्माश क्रिकेट अकादमी की सलामी बल्लेबाज तनिष्का शर्मा व डीके ने 49-49 रनों की मदद से 20 ओवर में तीन विकेट खोकर 181 रन बनाए।

जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी एफसीएए की टीम नौ विकेट खोकर 86 रन ही बना पाई। इशिका ने चार ओवर में चार विकेट लिए, उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच और डीके को बेस्ट बैटर चुना गया।

तीसरे मैच में केकेसीए गर्ल्स ने 18 ओवर में नौ विकेट खोकर 82 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज नीति चौधरी ने सर्वाधिक 38 रन का योगदान दिया। प्रिया ने इंडिया पॉवर वीमन्स के लिए तीन विकेट लिए। इंडिया पॉवर वीमन्स टीम ने बिना विकेट खोए 8.1 ओवर में 83 रन बनाकर दस विकेट से मैच जीत लिया। सलामी बल्लेबाज समाइरा राघव 38 और कप्तान श्वेता ने 40 रनों की नाबाद पारी खेलकर टीम को जीत दिला दी। प्रिया को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

भाजपा के घोषणा पत्र को लेकर मिलीजुली राय, किसी ने कहा जुमला तो किसी ने विकास का वादा

गाजियाबाद। लोकसभा चुनाव 2024 के पहले चरण के लिए 19 अप्रैल को मतदान होना है। वहीं, रविवार को बीजेपी ने अपना चुनावी घोषणा पत्र जारी कर दिया। इसमें विकास, कल्याण और अन्य मुद्दों के रोडमैप को प्रदर्शित किया गया है। इस घोषणा पत्र को लेकर जहां एक तरफ लोगों ने लोगों ने मोदी की गारंटी पर भरोसा जताया तो वहीं दूसरी तरफ कुछ लोगों ने इसे महज चुनावी जुमला बताया। आइए जानते हैं घोषणा पत्र पर लोगों की राय..

घोषणा पत्र केवल छलावा: गाजियाबाद के सुनील कुमार शर्मा ने कहा कि भाजपा का घोषणा पत्र केवल छलावा है। पिछले घोषणापत्र उठाकर देखा जा सकता है कि उसमें किए गए वादे पूरे नहीं किए गए। वहीं, आचार्य ललित नारायण नामक व्यक्ति ने कहा कि घोषणा पत्र से साफ है कि इसमें झूठ के अलावा कुछ और नहीं। उनके झूठ से जनता अच्छी तरह वाकिफ है। उनके अलावा जेके गौड़ नामक व्यक्ति ने कहा कि बीजेपी नेताओं ने जो भी वादे किए, सब जुमले साबित हुए। 15 लाख रुपए देने से लेकर युवाओं को रोजगार देने तक, बीजेपी ने किसी भी वादे को पूरा नहीं किया है। बीजेपी चुनाव के बाद सभी वादे भूल जाती है।

वादों पर खरी उतरी बीजेपी: वहीं, कुछ लोगों ने बीजेपी के समर्थन में भी बातें कहीं। दीपक कश्यप नामक व्यक्ति ने कहा किल भाजपा का घोषणापत्र गरीबों और युवाओं के लिए बहुत अच्छा है। पिछले 10 सालों में भाजपा ने जो वादे किए थे उन सभी वादों पर भाजपा खरी उतरी है।

वहीं, राहुल वाल्मीकि नामक व्यक्ति ने कहा कि मोदी सरकार के दोनों कार्यकाल में किए गए काम, जनता को पसंद आए हैं। देशवासी जानते हैं कि जो भी वादे पीएम मोदी जो वादे करते हैं उन्हें पूरा करते हैं। वहीं, एक अन्य व्यक्ति अनिल कश्यप ने कहा कि बीजेपी अपने चुनावी वादों को पूरा करने के लिए संकल्पित रही। घोषणा पत्र में किए गए तमाम वादे देश को विकास के रास्ते पर लेकर जाएंगे।

अनाज मंडियों से एक सप्ताह में किया जाए गेहूं का उठान : एसीएस

पलवल। अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) एवं जिला पलवल के नोडल अधिकारी सुधीर राजपाल ने रविवार को गेहूं की फसल की खरीद को लेकर जिला के अधिकारियों के साथ पलवल की अनाज मंडी का दौरा किया। इससे पहले उन्होंने जिला सचिवालय स्थित सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में उन्होंने फसल खरीद के इंतजामों की समीक्षा की।

जिला उपायुक्त नेहा सिंह ने जिला में पहुंचने पर अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल का स्वागत किया और जिला प्रशासन की ओर से फसल खरीद से जुड़े इंतजामों के बारे में जानकारी दी। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने जिला में फसल खरीद से जुड़े इंतजामों की समीक्षा करते हुए मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पोर्टल पर दर्ज जानकारी, किसानों की सुविधा के लिए मंडीवार इंतजामों, खरीद एजेंसी की तैयारियों, फसल की आवक व उठान तथा किसानों को फसल के भुगतान आदि से संबंधित विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि मंडी में उपज लेकर आने वाले किसानों को तय समय सीमा के भीतर भुगतान किया जाए। साथ ही मंडी में खरीद के साथ उठान के कार्य को भी तेज किया जाए। अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं जिला पलवल के नोडल अधिकारी सुधीर राजपाल ने

पलवल की अनाजमंडी का दौरा करते हुए फसल की आवक का निरीक्षण किया। उन्होंने जिला प्रशासन व खरीद एजेंसियों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि मंडी में पीने के पानी, स्वच्छता, तिरपाल, बारदाना आदि का उचित इंतजाम होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि मंडी से गेहूं की आवक का उठान एक सप्ताह में पूरा कर लिया जाए। इसके अलावा मंडी में आई गेहूं की आवक को बारिश से बचाने के लिए तिरपाल आदि की उचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने किसानों से भी अपील की कि मंडी में लाने वाली आवक को अच्छी तरह से सुखाकर लाएं द्य इस दौरान उन्होंने आढ़ती एसोसिएशन के प्रतिनिधियों व किसानों से भी बातचीत की। इस अवसर पर एसडीएम नरेंद्र कुमार, जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक (डीएफएससी) सीमा शर्मा, किसान एवं कल्याण विभाग के उपनिदेशक डॉ. बाबूलाल, किसान एवं कल्याण विभाग के उपमंडल अधिकारी कुलदीप तेवतिया और सिविल सर्जन डॉक्टर नरेश गर्ग समेत खरीद एजेंसी और मार्केट कमेटी के अधिकारी मौजूद रहे।

क्यों बिहार पर टिकी है सबकी निगाहें?

संजय गोस्वामी

क्यों बिहार पर है सबकी निगाहें क्योंकि बिहार एक ऐसा राज्य है जिसकी सीमाएं बड़े राज्यों से लगी है और उसी सेंटर से लोकसभा में हार जीत का फैसला होता है बिहार के मुख्य मंत्री श्री नीतीश कुमार बीआईटी से सिविल इंजीनियरिंग में ग्रेजुएट है। नीतीश का उपनाम मुन्ना है। सोशल इंजीनियरिंग के जादूगर नीतीश कुमार ने सुशासन के मुद्दे पर पिछला चुनाव लड़कर बिहार के मुख्यमंत्री की कुर्सी हासिल की थी। नीतीश कुमार अब तक तीन बार बिहार के मुख्यमंत्री होने का गौरव प्राप्त कर चुके हैं। विचारों से समाजवादी बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार काफी सुलझे हुए नेता माने जाते हैं। मोदी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किए जाने के बाद नीतीश कुमार की पार्टी जदयू ने एनडीए से काफी पुराना नाता तोड़ लिया था। नीतीश कुमार इस बार के लोकसभा चुनाव में अपने लिए उपयुक्त संभावनाएं तलाशने की कोशिश कर रहे हैं। बिहार के पटना इंजीनियरिंग कॉलेज से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की डिग्री लेने वाले नीतीश कुमार का जन्म साल 1951 में बिहार के एक दलित परिवार में हुआ था। नीतीश का उपनाम मुन्ना है। नीतिश के पिता एक स्वतंत्रता सेनानी थे। नीतीश ने राजनीति के गुण जयप्रकाश नारायण, राम मनोहर लोहिया, कर्पूरी ठाकुर और जॉर्ज फर्नाडीज से सीखे थे। नीतीश ने 22 फरवरी 1973 को पेशे से इंजीनियर मंजू कुमारी सिन्हा से शादी की थी।

नीतीश कुमार का एक पुत्र है जो बीआईटी, मेश्रा से इंजीनियरिंग ग्रेजुएट है नीतीश के राजनीतिक करियर की शुरूआत साल 1977 में हुई थी। इस साल नीतीश ने जनता पार्टी के टिकट पर पहला विधानसभा चुनाव लड़ा। साल 1985 को नीतीश बिहार विधानसभा के सदस्य चुने गए। नीतीश का राजनीतिक कद धीरे धीरे बढ़ता जा रहा था। इसी बीच साल 1987 को नीतीश कुमार बिहार के युवा लोकदल के अध्यक्ष बन गए। नीतीश राजनीति में पारंगत हो ही रहे थे कि साल 1989 को नीतीश कुमार को जनता दल (बिहार) का महासचिव बना दिया गया। अब तक नीतीश ने अच्छी खासी राजनीतिक पहचान बना ली थी। साल 1989 नीतीश के राजनीतिक करियर के लिए काफी अहम था। इस साल नीतीश 9वीं लोकसभा के लिए चुने गए। लोकसभा के लिए ये नीतीश का पहला कार्यकाल था। इसके बाद साल 1990 में नीतीश अप्रैल से नवंबर तक कृषि एवं सहकारी विभाग के केंद्रीय राज्य मंत्री रहे। नीतीश का राजनीतिक कद लगातार बढ़ता जा रहा था। साल 1991 में दसवीं लोकसभा का चुनाव हुए नीतीश एक बार फिर से संसद में पहुंचे। इसी साल नीतिश कुमार जनता दल के महासचिव बने और संसद में जनता दल के उपनेता भी बने। करीब दो साल बाद 1993 को नीतीश को कृषि समित का चेयरमैन बनाया गया। एक बार फिर से आम चुनाव ने दस्तक दी। साल 1996 में नीतीश कुमार 11वीं लोकसभा के लिए चुने गए। नीतीश साल 1996ङ्क98 तक रक्षा समिति के सदस्य भी रहे। साल 1998 ने नीतीश फिर से 12वीं लोकसभा के लिए चुने गए। 1998-99 तक नीतीश कुमार केंद्रीय रेलवे मंत्री भी रहे। एक बार फिर चुनाव हुए साल 1999 में नीतीश कुमार 13वीं लोकसभा के लिए चुने गए। इस साल नीतीश कुमार केंद्रीय कृषि मंत्री भी रहे। साल 2000 नीतीश के राजनीतिक करियर का सबसे अहम मोड़ था। इस साल नीतीश कुमार पहली बार बिहार के मुख्यमंत्री बने। उनका कार्यकाल 3 मार्च 2000 से 10 मार्च 2000 तक चला। चूंकि बहुमत साबित नहीं कर सकें लेकिन सबसे बड़ी पार्टी एन डी ए थी अत: उस समय केंद्र में बीजेपी की सरकार थी अत: जद यू के कोटे से साल 2000 में नीतीश एक बार फिर से केंद्रीय कृषि मंत्री रहे। साल 2001 में नीतीश को रेलवे का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया। साल 2001 से 2004 तक नीतीश केंद्रीय रेलमंत्री रहे। साल 2002 के गुजरात दंगे भी नीतीश कुमार के कार्यकाल के दौरान हुए थे। लेकिन गठबंधन बना था उस समय स्व शरद यादव अध्यक्ष थे लेकिन सही मायने में कमान श्री नीतीश कुमार के पास थी साल 2004 में नीतीश 14वीं लोकसभा के लिए चुने गए। लेकिन उस समय यू पी ए की सरकार बनी, साल लेकिन 2005 में नीतीश कुमार एक बार फिर से मुख्यमंत्री बने। बतौर 31वें मुख्यमंत्री नीतीश का ये कार्यकाल 24 नवंबर 2005 से 24 नवंबर 2010 तक चला। 26 नवंबर 2010 को नीतीश कुमार एक बार फिर से मुख्यमंत्री बने व एंनडीए की सरकार बनी 2014 में जब गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का नाम बीजेपी ने पारित किया तो झिलमिला गएँ चूंकि 2014 में और अपनी पार्टी, जनता दल (यू) को उन्होंने एनडीए से अलग कर लिया बीजेपी की मज़बूरी यह थी कि लगातार श्री आडवाणी जी के नेतृत्व में सरकार बनाने के लिए बहुमत मिल ही नहीं रहा था अत: मोदीजी के गुजरात के शासन से लोगों में एक विश्वास जगा और पहली बार बीजेपी को सरकार बनाने हेतु स्पष्ट बहुमत मिला और उधर बिहार की राजनीति में चाणक्य व पाला बदलने में मशहूर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक मंझे हुए राजनेता के मशहूर नाम के नाम से उभरे उन्हें जब 2सीट मिली तो हार की जिम्मेदारी लेते हुए उन्होंने मांझी को सी एम बना दिया फिर कुछ साल बाद 2015 में उन्हें लगने लगा कि कुर्सी नहीं होने के कारण कोई पूछ ही नहीं रहा है तो उन्होंने मांझी से बगावत कर आरजेडी से मिलकर सरकार बना ली और 2016 में आर जे डी व कांग्रेस से मिलकर महागठबंधन बना ली और पुन: मुख्य मंत्री बने और फिर लालू के बेटे तेजस्वी को उपमुख्यमंत्री बनाया और आरजेडी के साथ मिलकर कुछ सालों बाद2017में बी जे पी के साथ मिलकर सरकार बना ली और ऐ गठबंधन 2020तक चली और पुन: बीजेपी, हम, निषाद पार्टी के साथ मिलकर वो मुख्यमंत्री बने और सुशील मोदी उप मुख्य बने। कुछ सालों में दोनों दलों में खटपट होने लगी मुझे याद है अकेले प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने ताबड़तोड़ खूब सभाएं की क्योंकि सारे एग्जिट पोल महा गठबंधन को जीतते दिखा रही थी मोदीजी ने चुनाव में जंगल राज की बात करते हुए दो राजकुमार को खूब खड़ी खोटी सुनाई उस समय की याद यानि जंगल राज में गावों में लकड़सुंघवा घूमता था जो ठग, नशीली वस्तु का प्रयोग कर ठगने या लूटने वाला शिकारी है और बच्चा चोर शायद उस समय बच्चा के गायब होनी की खूब घटना घटी और एक ऐसा गैंग सक्रिय हो गया जो लूट पाट मारपीट, हत्या, वसूली, और बच्चों की तस्करी कर उनकी खोपड़ी को विदेशों में बेचते थे मोदीजी में ऐ सबसे बड़ी ताकत यह है कि सच्ची बात बताने और काम करने वालों की प्रशंसा करते हैं आज कोई जेल में है तो एक घोटाला हुआ और पकड़े गए इसमें गलती उनकी है, आखिर लोगों ने हकीकत समझ कर एनडीए जीत गई लेकिन बीजेपी तो अपनी सीट को जीत में तब्दीक कर दि और दूसरे नम्बर की पार्टी बनी और फिर नीतीश कुमार मुख्य मंत्री बने और दो डिप्टी सीएम भाजपा के कोटे से बने साल भर ठीक था लेकिन अचानक उन्हें 24 में पीएम बनने का मन किया देखिये सोचना आसान है करना उससे मुश्किल होता है मोदीजी को विपक्ष ने क्या क्या नहीं कहा लेकिन शांतिपूर्ण तरीक़े से जबाब भी दिया और काम पर ज्यादा फोकस किया हाथ जोड़ने की कला और काम करने की लगन से ही जनता उन्हें प्रधानमंत्री बना दी नीतीश की आगे की राजनीती इतना काम करते हुए भी नहीं ऊपर उठ सकी क्योंकि कुर्सी के लिए उन्होंने एक ऐसी पार्टी से हाथ मिला ली जिसके खिलाफ ही राजनीती में अपना परचम लहराये और जब लगने लगा कुर्सी पर खतरा मंडरा रहा है तो जून 2022 में पुन: आरजेडी के साथ हो लिए और जब लगा इंडि गठबंधन में अध्यक्ष चुन लिए जायेंगे तो उसमें कांग्रेस ने अपना दावा ठोक दिया और जब एक छोटी सी टी आर एस की पार्टी तेलंगाना के उस समय के मुख्यमंत्री श्री चंद्रशेखर राव को उन्होंने पटना बुलाया तो नीतीश कुमार के मनसूबे पर पानी फेर दिया और बैठे रहने की सलाह दी इससे गलत मैसेज गया और पार्टी के कार्यकर्तृता में नाराजगी देखी गई अंतत: एक समय जब ऐसा लगने लगा की मेरी कुर्सी जो है वो तेजस्वी के पास विधायक तोड़कर बहुमत सिद्ध हो जायेगा तो खुद पार्टी की कमान संभाल ली और ऐसा लगने लगा कि शायद पलटी मारेंगे विश्वासनीय सूत्रों से पता चला कि वो प्रधानमंत्री से मिलकर गीले शिकवे भुलाकर फिर बीजेपी का समर्थन माँगा शायद प्रधानमंत्री ने बिहार के हित व पार्टी के हित में दरवाजा खोल दिया और पुन: जनवरी 24 मेंपुन: इस्तीफा देकर फिर से बीजेपी के सहयोग से मुख्यमंत्री बने लेकिन अभी बहुमत सिद्ध नहीं हुआ था और तेजस्वी के उस बयान ने खलबली मच गई कि खेला अभी शुरू हुआ है लेकिन इसबार बीजेपी के सम्राट चौधरी को बिहार प्रदेश का अध्यक्ष बना कर एक शेर से दूसरे शेर से भीड़ा दी और फिर एनडीए सवा शेर हुई और जोड़ तोड़ कर स्पीकर को अविशवाश प्रस्ताव पेश की और बहुमत सिद्ध हुआ और जो कल रोड पर प्रदर्शन करते थे मंत्री बने और नए स्पीकर के रूप में श्री नन्दकिशोर यादव ने पदभार ग्रहण किया और बीजेपी के सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा उप मुख्य मंत्री बने लेकिन ऐ घटनाक्रम भी किसी अजूबे से कम नहीं अभी भी श्री नीतीश कुमार का अच्छा जनाधार है क्योंकि सभी को मालूम है कि उस जंगल राज से बिहार को उन्होंने बाहर निकाला जहाँ दिन दहारे लूट, गर्दन काट देना गोली मारना अपहरण और वसूली एक व्यवसाय के रूप में पनपा था जिसमें लकड़बग्घा रात में नहीं दिन में बेखौफ घूमते थे इसका खामियाजा उस समय सबसे ज्यादा महिलाओ तथा युवा वर्ग को था महिलाओ का घर से निकलना मुश्किल था लेकिन कोई युवा जब इंटरव्यू देने जाते थे तो कमिटी बिहार का नाम सुनकर कुछ ही समय में फेल हो जाते थे कहीं कहीं तो इंटरव्यू में लालूजी के बारे में और आलू के बारे में चले जाते थे अत: बिहार की राजनीती ऐसी हो गई है कि कोई भी पार्टी अकेले दम पर सरकार नहीं बना सकती है क्योंकि जाति व धर्म का इस तरह का समीकरण है कि लोग काम नहीं नाम देखते हैं लेकिन किसी भी पार्टी के लिए ऐ जीत का केंद्र बिंदु है जिससे यूपी, दिल्ली, झारखण्ड, बंगाल होते हुए एमपी, राजस्थान, ओड़ीसा उत्तराखंड, हिमाचल और असम तक जाता है जहाँ लोकसभा की करीब 250 से भी अधिक सीट है जो सरकार बनाने में निर्णायक साबित होती है।

अब भारत से खिलौनों के तेजी से बढ़ते हुए निर्यात और घटते हुए आयात का नया लाभप्रद अध्याय भी रेखांकित हो रहा है। उल्लेखनीय है कि इस समय देश और दुनिया में भारतीय खिलौना उद्योग की बहुत कम समय में हासिल ऐसी सफलता रेखांकित हो रही है, जिसकी कभी किसी ने कल्पना तक नहीं की थी। इस समय चारों ओर भारत के सस्ते और गुणवत्तापूर्ण खिलौना उद्योग का सुकूनदेह परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है। साथ ही भारत का खिलौना निर्यात पांच-छह वर्षों में तेजी से बढ़कर 2600 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया है। भारत से अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोपीय यूनियन, आस्ट्रेलिया, यूएई, दक्षिण अफ्रीका सहित कई देशों को खिलौने निर्यात किए जा रहे हैं। इस समय भारतीय खिलौना उद्योग का कारोबार करीब 1.5 अरब डॉलर का है जो वैश्विक बाजार हिस्सेदारी का 0.5 फीसदी मात्र है। लेकिन जिस तरह भारत में खिलौना उद्योग को प्रोत्साहन दिया जा रहा है, उससे खिलौना उद्योग छलांगें लगाकर बढ़ते हुए इसी वर्ष 2024 में 3 अरब डॉलर तक की ऊंचाई पर पहुंचने की संभावनाएं रखता है। यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि देश और दुनिया में भारतीय खिलौना बाजार को ऊंचाई मिलने के कई कारण हैं। इसमें कोई मत नहीं है कि 'मन की बात' के अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बार-बार देश के लोगों को स्वदेशी भारतीय खिलौनों को खरीदने, घरेलू डिजाइनिंग को सुदृढ़ बनाने, भारत को खिलौनों के लिए एक वैश्विक विनिर्माण हब बनाने की अपील की।

खिलौनों के वैश्विक बाज़ार में भारतीय दस्तक

जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में केंद्रीय व्यापार एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक भारत के खिलौना उद्योग ने वित्त वर्ष 2014-15 से वित्त वर्ष 2022-23 के बीच तेजी से प्रगति की है और निर्यात में 239 प्रतिशत की भारी वृद्धि हुई है। वहीं दूसरी ओर आयात में 52 प्रतिशत तक की गिरावट आई है। निस्संदेह इस समय पूरी दुनिया में यह रेखांकित हो रहा है कि 'मेक इन इंडिया' अभियान से भारत का खिलौना उद्योग नई ऊंचाई पर है। स्थिति यह है कि 'मेक इन इंडिया' अभियान ने खिलौना विनिर्माण क्षेत्र में चीन को झटका देते हुए खिलौना निर्माण को भारत के लिए फायदे का सौदा साबित कर दिया है। गौरतलब है कि चीन से खिलौनों की खरीदारी करने वाले कई खरीदार अब तेजी से भारत की ओर रुख कर रहे हैं। यह कोई छोटी बात नहीं है कि दुनिया में कोई एक दशक पहले खिलौनों की भारत से मुश्किल से ही किसी तरह की खरीदारी होती थी। लेकिन मेक इन इंडिया के कारण कई बड़ी-बड़ी खिलौना कंपनियों ने भारत में खासतौर से दिल्ली में अपना आधार तैयार किया है, जो आज अंतर्राष्ट्रीय खिलौना कंपनियों को भी आपूर्ति करती है। इस समय हैस्ब्रो, मैटल, स्पिन मास्टर और अर्ली लर्निंग सेंटर जैसे खिलौनों के वैश्विक ब्रांड आपूर्ति के लिए भारत पर अधिक निर्भर हैं। साथ ही खिलौनों के लिए विश्व प्रसिद्ध इटली की दिग्गज कंपनी ड्रीम प्लास्ट, माइक्रोप्लास्ट और इंकास आदि खिलौनों के लिए अपना ध्यान धीरे-धीरे चीन से भारत पर केंद्रित कर रही हैं।

अब वह समय बीत गया है कि जब पांच-छह वर्ष पहले तक भारत खिलौनों के लिए बहुत कुछ दूसरे देशों पर निर्भर था और भारत में 80 फीसदी से अधिक खिलौने चीन से आयात किए जाते थे। साथ ही लगातार विभिन्न सर्वेक्षणों में कहा जा रहा था कि चीन से आयातित दो-तिहाई खिलौने असुरक्षित थे। चीनी खिलौने में सीसा, कैडमियम और बेरियम के असुरक्षित तत्व पाए गए थे। अब भारत से खिलौनों के तेजी से बढ़ते हुए निर्यात और घटते हुए आयात का नया लाभप्रद अध्याय भी रेखांकित हो रहा है। उल्लेखनीय है कि इस समय देश और दुनिया में भारतीय खिलौना उद्योग की बहुत कम समय में हासिल ऐसी सफलता रेखांकित हो रही है, जिसकी कभी किसी ने कल्पना तक नहीं की थी। इस समय चारों ओर भारत के सस्ते और गुणवत्तापूर्ण खिलौना उद्योग का सुकूनदेह परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है। साथ ही भारत का खिलौना निर्यात पांच-छह वर्षों में तेजी से बढ़कर 2600 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया है। भारत से अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोपीय यूनियन, आस्ट्रेलिया, यूएई, दक्षिण अफ्रीका सहित कई देशों को खिलौने निर्यात किए जा रहे हैं। इस समय भारतीय खिलौना उद्योग का कारोबार करीब 1.5 अरब डॉलर का है जो वैश्विक बाजार हिस्सेदारी का 0.5 फीसदी मात्र है। लेकिन जिस तरह भारत में खिलौना उद्योग को प्रोत्साहन दिया जा रहा है, उससे खिलौना उद्योग छलांगें लगाकर बढ़ते हुए इसी वर्ष 2024 में 3 अरब डॉलर तक की ऊंचाई पर पहुंचने की संभावनाएं रखता है। यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि देश और दुनिया में भारतीय खिलौना बाजार को ऊंचाई मिलने के कई कारण हैं। इसमें कोई मत नहीं है कि 'मन की बात' के अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बार-बार देश के लोगों को स्वदेशी भारतीय खिलौनों को खरीदने, घरेलू डिजाइनिंग को सुदृढ़ बनाने, भारत को खिलौनों के लिए एक वैश्विक विनिर्माण हब बनाने की अपील की। खिलौनों की बिक्री के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) की मंजूरी जरूरी होना, संरक्षणवाद, चीन-प्लस-वन रणनीति और मूल सीमा शुल्क बढ़ाकर 70 प्रतिशत किए जाने से भारत के खिलौना उद्योग में तेजी आई है। बीआईएस मानक चिन्ह वाले खिलौनों के निर्माण के लिए बीआईएस ने घरेलू निर्माताओं को 1200 से अधिक लाइसेंस और विदेशी निर्माताओं को 30 से अधिक लाइसेंस प्रदान किए हैं। सरकार के प्रयासों से भारतीय खिलौना उद्योग के लिए अधिक अनुकूल विनिर्माण परितंत्र बनाने में मदद मिली है। 2014 से 2020 तक 6 वर्षों की अवधि में सरकार के समर्पित प्रयासों से विनिर्माण इकाइयों की संख्या दोगुनी हो गई है, आयातित वस्तुओं पर निर्भरता 33 प्रतिशत से घटकर 12 प्रतिशत हो गई है। वर्तमान में एमएसएमई मंत्रालय 19 खिलौना उत्पादन केंद्रों की मदद कर रहा है, और वस्त्र मंत्रालय 13 खिलौना उत्पादन केंद्रों को खिलौनों का डिजाइनिंग तैयार करने और जरूरी साधन मुहैया कराने में मदद कर रहा है। स्वदेशी खिलौनों को बढ़ावा देने और नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए कई प्रचार पहल भी की गई हैं, जिनमें द इंडियन टॉय फेयर 2021, टॉयकैथॉन आदि शामिल हैं। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने घटिया स्तर के खिलौनों के आयात पर अंकुश लगाने के लिए प्रत्येक आयात खेप का नमूना परीक्षण अनिवार्य कर दिया है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2014-15 के बाद से लगातार वर्ष 2024-25 के अंतरिम बजट तक में सरकार ने खिलौना उद्योग के विकास के लिए प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से प्रोत्साहन और समर्थन देने की रणनीतिक पहल की है। सरकार ने खिलौना उद्योग को देश के 24 प्रमुख सेक्टर में स्थान दिया है। भारतीय खिलौनों को वैश्विक खिलौना बाजार में बड़ी भूमिका निभाने हेतु खिलौना उद्यमियों को प्रेरित किया गया है। निश्चित रूप से मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत सरकार की नीतिगत पहलों के साथ-साथ घरेलू निर्माताओं के प्रयासों से भारतीय खिलौना उद्योग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यद्यपि देश का खिलौना उद्योग तेजी से आगे बढ़ रहा है लेकिन अभी भी देश के खिलौना सेक्टर को चमकीली ऊंचाई देने के लिए खिलौना क्षेत्र के तहत एक लम्बे समय से चल आ रही कई बाधाओं को हटाया जाना जरूरी है। भारतीय खिलौना उद्योग में विकास को बढ़ावा देने के लिए एक रणनीतिक कार्ययोजना की जरूरत है। खिलौना उद्योग के विकास से संबंधित विभिन्न एजेंसियों के बीच उपयुक्त तालमेल बनाया जाना जरूरी है। देश में चीन की तरह खिलौने के विशेष आर्थिक क्षेत्र (सेज) को आकार देने की जरूरत है। अभी खिलौनों पर जीएसटी की दर में कटौती की जानी चाहिए। जिससे खिलौनों की कीमत में और कमी आएगी। अधिकांश भारतीय खिलौने ई-कॉमर्स वेबसाइटों पर उपलब्ध कराए जाने चाहिए, ताकि घरेलू खिलौनों की बिक्री को और बढ़ाया सके। यह भी जरूरी है कि सरकार द्वारा प्रस्तावित की गई पारंपरिक और यांत्रिक खिलौनों के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना शीघ्र शुरू की जाए। देश में सुगठित खिलौना प्रशिक्षण और डिजाइन संस्थान की स्थापना को मूर्तरूप देना होगा। इसके अलावा खिलौना उद्योग के लिए बैंकों से ऋण तथा वित्तीय सहायता संबंधी बाधाओं को दूर करना होगा। खिलौनों के अधिक निर्यात से अधिक विदेशी मुद्रा की कमाई की जा सकेगी। साथ ही खिलौना उद्योग में रोजगार के मौके देश के कोने-कोने में और तेजी से बढ़ेंगे।

विचार

वंचितों के अधिकारों हेतु संघर्ष रहा मकसद

डॉ. केएल जौहर

अक्सर डॉक्टर अंबेडकर और उनके निर्देशन में निर्मित संविधान चर्चा का विषय बने रहते हैं। वर्तमान हालात में भी विपक्ष सोचता है कि यदि मौजूदा सरकार फिर सत्ता में आई तो वह इस संविधान को बदल डालेगी परन्तु सरकार इस बात से इंकार करती रही है। भारतीय लोकतांत्रिक प्रणाली में ऐसे मुद्दों पर आशंकाएं व चर्चा होना स्वाभाविक भी है। फिलहाल, इस स्थिति को यहीं छोड़ते हुए बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के व्यक्तित्व पर ध्यान देना समीचीन होगा। भीमराव अंबेडकर एक महान व्यक्तित्व के धनी थे। एक निर्धन परिवार से थे परन्तु अपनी तीक्ष्ण बुद्धि, गहन ज्ञान और छात्रवृत्ति के बलबूते उनकी सारी उच्च शिक्षा अमेरिका स्थित कोलंबिया यूनिवर्सिटी और फिर ब्रिटेन में हुई। उन्होंने अर्थशास्त्र में पीएचडी की उपाधि के साथ कानून की शिक्षा भी प्राप्त की। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि वे बीसवीं शताब्दी में सबसे अधिक पढ़े-लिखे विद्वान थे। डॉ. भीमराव अंबेडकर ने अमेरिका और लंदन में सब जातियों में बराबरी और भाईचारे का अनुभव किया परन्तु जब वे 1917 में भारत लौटे तो एक विचित्र नक्शा उनकी आंखों के सामने आया। जाति, धर्म, भाषा के भेदभाव ने उनकी आत्मा को झकझोर कर रख दिया। हालांकि वे काफी हद तक तो इस समस्या को अपनी बाल्यावस्था में ही देख चुके थे।

संविधान के 'जनक' कहे जाने वाले डॉ. भीमराव अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल, 1891 को मध्य प्रदेश में हुआ। उनके साथ स्कूल में बहुत भेदभाव किया जाता था। यहां तक कि उनको कक्षा से दूर बैठाया जाता। वे उस नल से पानी भी नहीं पी सकते थे जिससे आम विद्यार्थी पीते थे। जल्दी ही वे मध्य प्रदेश से महाराष्ट्र चले गए जो फिर जीवनभर उनकी कार्यस्थली रही। इसके बाद तो उन्होंने समाज सुधार का बीड़ा भी उठा लिया। अनुसूचित जातियों का उत्थान उनका एकमात्र लक्ष्य बन गया था। इस आशय को लेकर उनके कई लेख समाचारपत्रों में प्रकाशित हुए। डॉ. अंबेडकर ने कई पत्रिकाओं का भी प्रकाशन किया जिनमें मूकनायक, बहिष्कृत भारत और जनता प्रमुख हैं। उन्होंने 'बहिष्कृत हितकारिणी सभा' का गठन किया और अनुसूचित जातियों की दशा पर विस्तृत प्रकाश डाला। वे मानते थे कि हिन्दू धर्म ग्रन्थ मनुस्मृति ही इस भेदभाव का मूल सूत्रधार है। देशभर में घूमकर उन्होंने अनुसूचित जातियों के साथ भेदभाव का मुद्दा उठाया। डॉक्टर अंबेडकर महात्मा गांधी से इस बात को लेकर रुष्ट थे कि उन्होंने अनुसूचित जातियों के कल्याण के लिए कुछ खास व पर्याप्त नहीं किया। उन दिनों जब गांधी जी के नेतृत्व से कोई बड़े से बड़ा नेता भी उलझ नहीं पाता था, अंबेडकर ने अपनी आवाज़ उठाई। अब तक अंबेडकर अनुसूचित जातियों के नेता के रूप में अपनी पहचान बना चुके थे। उन्हें 1930, 1931 और 1932 की गोलमेज़ कान्फ्रेंस में आमंत्रित किया गया। गांधीजी ने विरोध किया परन्तु सब बेअसर। गोलमेज़ कान्फ्रेंस के उपरांत 'कम्युनल अवार्ड' की घोषणा हुई। गांधी जी देशद्रोह के आरोप में जेल में बंद थे। उन्होंने आमरण अनशन आरंभ कर दिया। अब तो सारा देश अंबेडकर पर दबाव डालने लगा कि वह गांधी जी से मुलाकात करें। अंतत: यह मुलाकात 22 सितम्बर, 1932 को हुई और पूना पैक्ट के रूप में एक समझौता सामने आया। गांधी जी की जान बच गई जबकि अंबेडकर अनुसूचित जातियों के लिए सुरक्षित क्षेत्र लेने में सफल हुए। फिर भी गांधी और अंबेडकर में मनमुटाव तो जारी ही रहा। बहरहाल, यह गौर करने लायक बात है कि अंबेडकर ने एक दिन भी स्वतंत्रता संग्राम में जेल नहीं काटी। देश-समाज की सेवा व उन्नयन का मकसद साधने का उनका तरीका अलग ही था। दरअसल, उनके बड़े हथियार थे- अनुसूचित जातियों का नेतृत्व, तीक्ष्ण बुद्धि और कानून पर पकड़। इसी बलबूते बाद में उन्हें संविधान के प्रारूप कमेटी के अध्यक्ष के रूप में एक तरह से संविधान निर्माण हेतु आमंत्रित किया गया। जो संविधान हम आज देखते हैं वो बाबा साहेब अंबेडकर की देन है। उनकी कानून पर पकड़ और सूझ-बूझ को देखते हुए पंडित नेहरू ने उनको अपनी सरकार में सम्मिलित किया। वे 1951 तक कानून मंत्री रहे परन्तु फिर पंडित नेहरू से गंभीर मतभेद होने पर अपने पद से त्यागपत्र दे दिया। वर्ष 1952 में लोकसभा के लिए चुनाव में सफलता नहीं मिली। राज्यसभा के लिए मनोनीत किये गए परन्तु चुनाव की राजनीति से दिल उकता गये। वे अस्वस्थ रहने लगे। वहीं उनकी इच्छा के अनुसार अनुसूचित जातियों का उत्थान भी नहीं हो रहा था। उन्होंने लाखों अनुयायियों के साथ 14 अक्तूबर, 1956 में नागपुर में बौद्ध धर्म अपनाया। फिर 6 दिसंबर को उनका देहांत हो गया। साल 1990 में उन्हें भारत के सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार 'भारत रत्न' से नवाज़ा गया। हजारों कॉलेज, स्कूल और विश्वविद्यालय डॉ. अंबेडकर के नाम पर स्थापित किये गए। देश-विदेश में इनकी पहचान बनी। ऐसे व्यक्तित्व के धनी डॉ. भीमराव अंबेडकर भारतवर्ष के इतिहास में सदैव अमर रहेंगे।

एक नजर

पूर्वी कोसी तटबंध के खोचरदेवा चेक पोस्ट पर दो किलो गांजा के साथ एक गिरफ्तार

सहरसा। लोक सभा चुनाव के मद्देनजर पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार जिले के सलखुआ थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर चेक पोस्ट बना कर आने-जाने वाले लोगों व वाहन पर पुलिस पैनी नजर रखी जा रही है। इसी कड़ी में सलखुआ थाना क्षेत्र के चानन पंचायत के खोचरदेवा कोसी बांध पर बने एसएसटी चेक पोस्ट पर तैनात पुलिस पदाधिकारी ने शक के आधार पर एक बाइक सवार युवक की जांच के लिए रोका गया। जांच के दौरान बाइक के डिक्की से 2.02 किलो अवैध गांजा बरामद कर बाइक जप्त करते हुए आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया गया। एसएसटी चेक पोस्ट खोचरदेवा में तैनात पुलिस पदाधिकारी पुअनि प्रमोद सिंह व अन्य सशस्त्र बलों के सहयोग से अवैध मादक गांजे की तस्करी में लिप्त एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिसके कब्जे से 2.02 किलो गांजा सहित मोटरसाइकिल को जब्त करने की कार्रवाई की गई है। दरअसल आरोपी अवैध गांजे की सप्लाई की फिराक में था। जिसे चेकिंग के दौरान दबोच लिया गया। पुअनि प्रमोद सिंह ने बताया कि एसएसटी चेक पोस्ट के पास वाहन चेकिंग चल रही थी। इसी दौरान एक बाइक सवार की चेकिंग करने पर अवैध गांजा बरामद किया गया। गिरफ्तार युवक की पहचान बख्तियारपुर थाना के कनरिया ओपी के सुखासन निवासी क्षत्री यादव के पुत्र कृष्णा राज के रूप में पहचान की गई है। चेक पोस्ट पथ तैनात पुलिस पदाधिकारी प्रमोद सिंह के व्यान पर सलखुआ थाना में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

भाजपा एनआरआई सेल के अररिया लोकसभा चुनाव प्रभारी बने अमृत सिन्हा

सहरसा,एजेंसी। शहर के कायस्थ टोला निवासी अमृत सिन्हा को लोकसभा चुनाव मे पार्टी ने अहम दायित्व सौंपा है। सिन्हा को भाजपा एनआरआई सेल का अररिया लोकसभा चुनाव का प्रभारी नियुक्त किया गया हैं।यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगा।इस बात की जानकारी प्रदेश सहसंयोजक एनआरआई सेल बीजेपी अमृत सिन्हा ने दी। उन्होंनें कहा कि पार्टी ने जो मुझे दायित्व सौंपा है।उसका निर्वहन ईमानदारी पूर्वक करता रहूंगा।उन्होंने बताया कि भारतीय जनता पार्टी एवं प्रधानमंत्री मोदी के हाथ में देश सुरक्षित है।देश की सीमाए सुरक्षित है।वही इन दस वर्ष में उन्होंने जो ऐतिहासिक एवं अलौकिक व अद्वितीय कार्य किये है।जिसके कारण देशवासियों का आशीर्वाद और बढा है। उन्होंने कहा इस बार संकल्प पत्र में गांव युवा अन्नदाता किसान एवं महिलाओ पर ध्यान केन्द्रित किया गया है।वही गरीब कल्याण योजना को अगले पांच वर्ष तक बढाया गया है।जो आमलोगों को राहत पहुंचायेगा।वही इस बार चालिस के चालीस के साथ चार सौ के पार मिशन को सफल बनाने के विविध आनुषंगिक संगठन एवं कार्यकर्ता लगे हुए हैं।

स्वीप आइकॉन ने वोट के महत्व पर चलाया जागरुकता अभियान

किशनगंज। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिलाधिकारी, तुषार सिंगला के निर्देश पर लोकसभा आम निर्वाचन में मतदान प्रतिशत में बढ़ोतरी के उद्देश्य से मतदाताओं के बीच लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस मौके पर किशनगंज स्वीप आइकॉन, रोशनी परवीन ने सिंघिया कुलामनी के एबीसी कोचिंग सेंटर में 18 वर्ष की लड़की एवं लड़कों को मतदान का अधिकार एवं मेरा वोट मेरा अधिकार को लेकर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई और जिले में वोट प्रतिशत बढ़ाने अपना मत का अधिकार अपने भविष्य के बेहतर लीडर चुनने में ज्यादा से ज्यादा योगदान देने की अपील की गई।साथ ही स्वीप आइकॉन रोशनी परवीन ने बच्चों के साथ मिलकर रंगोली बनाकर उनको जागरूक किया। गौर करे की वोट देना नागरिकों का कर्तव्य है, जो लोकतंत्र की मूल भावना को बनाए रखने में मदद करता है, वोट देकर हम अपने देश के भविष्य का निर्माण करने में सक्रिय भागीदार बनते हैं, साथ ही वोट देने से नागरिकों को अपने अधिकारों की जागरूकता होती है और वे राजनीतिक प्रक्रिया में सक्रिय भाग लेते हैं, इसलिए, हमें सभी को मिलकर वोट करने के महत्व को समझना चाहिए और अपने मत को समझदारी से चुनना चाहिए,ताकि हमारे देश का विकास सुनिश्चित हो सके। जागरूकता कार्यक्रम में मौजूद समाज सेविका किशनगंज की स्वीप आईकॉन रोशनी परवीन, सोशल एक्टिविस्ट सुप्रिया दास, के साथ-साथ कई अन्य लोग मौजूद रहे।

बंजरिया प्रखंड के 11 मतदान केन्द्र अति संवेदनशील 21 संवेदनशील घोषित

पूर्वी चंपारण,एजेंसी। जिले पश्चिम चंपार लोकसभा में पड़ने वाले नरकटिया विधानसभा के बंजरिया प्रखंड में आगामी 25 मई को 1 लाख 23 हजार मतदाता मतदान करेगे। इसको लेकर जिला व प्रखंड से लेकर पंचायत स्तर पर सभी तैयारी पूरी की जा रही है। इसको लेकर लगातार अधिकारियों द्धारा मतदान केंद्रों का सत्यापन व निरीक्षण किया जा रहा है। विशेषकर त्रिवाह क्षेत्र के सिकरहना सहित नेपाली नदियों के किनारे बसे उन गांवों का निरीक्षण कर मतदान केंद्र तक पहुंचने में आने वाली दिक्कतों की जानकारी जुटायी जा रही है। साथ ही मार्गों में आनेवाली बाधाओं को दूर करने को लेकर पथ निर्माण विभाग को भी निर्देश जारी किया गया है। शांतिपूर्ण मतदान के लिए अर्द्ध सैनिक बल के ठहराव की व्यवस्था की जा रही है। वही चुनाव को लेकर बंजरिया प्रखंड इस बार लोकसभा चुनाव में 1 लाख 23 हजार मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। जिसमे 63960 पुरुष मतदाता व 59040 महिला मतदाता है।इसके साथ ही करीब 35 सौ युवा मतदाता भी इस चुनाव में पहली बार मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इसको लेकर प्रखंड में कुल 102 मतदान केंद्र बनाए गए है। जिसमे 11 अति संवेदनशील व 21 संवेदनशील मतदान केंद्र घोषित किये गये है।बीडीओ सुनील गौड ने बताया कि शांतिपूर्ण मतदान के लिए पर्याप्त संख्या में अर्धसैनिक बल की तैनाती की जायेगी।

नीतीश कुमार ने पार्टी नेताओं के साथ वर्चुअल मीटिंग कर लोस चुनाव में सफलता के दिये मंत्र

पटना,एजेंसी। लोकसभा चुनाव को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को जदयू के प्रदेश कार्यालय में पार्टी के नेताओं के साथ वर्चुअल मीटिंग की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने लोकसभा चुनाव के मद्देनजर कार्यकर्ताओं से बातचीत कर उन्हें कई जरूरी दिशा निर्देश दिए। नीतीश कुमार ने रविवार को वर्चुअल माध्यम से विभिन्न लोकसभा क्षेत्र के पंचायत अध्यक्षों से सीधा संवाद किया। इस दौरान उन्होंने चुनाव सम्बंधित तैयारियों का जायज लिया साथ ही एनडीए प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित कराने हेतु पार्टी के तमाम पदाधिकारियों को कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए। बैठक में किशनगंज, कटिहार, पूर्णिया, भागलपुर एवं बांका लोकसभा जिसमें 9 सांगठनिक जिलों के 90 प्रखण्ड इकाई एवं 1174 पंचायत इकाई के अलावे इन पांचों लोकसभा के प्रमुख साथियों सहित तकरीबन 5 हजार लोग इस वर्चुअल बैठक में शामिल हुए। साथ ही प्राथमिक इकाई के 14 लोगों ने मुख्यमंत्री के समक्ष अपना विचार रखा। बैठक में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार की सभी 40 लोकसभा सीटों पर एनडीए को जीत दिलाने के लिए सभी लोगों को मजबूती से काम करना है। बिहार के विकास में केंद्र सरकार का पूरा सहयोग मिल रहा है इसलिए हमें पुन: नरेंद्र मोदी को तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनाना है। वर्चुअल माध्यम से बड़ी संख्या में जुटे पार्टी के पदाधिकारियों को देखकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने खुशी जताई। साथ ही उन्होंने कहा कि हम सारी जगहों पर भी जाएंगे और आम लोगों से मुलाकात करेंगे।

मुख्यमंत्री ने राजद को भी निशाने पर लिया और कहा कि 15 सालों में उनलोगों ने कुछ नहीं किया। सिर्फ अपने परिवार के सदस्यों को आगे बढ़ाने का काम किया। हमें मौका मिला तो हमने बिहार की महिलाओं को पंचायती राज एवं नगर निकायों में 50 फीसदी आरक्षण देने का काम किया। 2005 में बिहार का बजट 24 हजार करोड़ रुपये थे लेकिन आज वही बजट 2 लाख 78 हजार करोड़ रुपये से अधिक का हो गया है। 2005 के बाद हिन्दू-मुस्लिम के बीच होने वाले झगड़े बिल्कुल बंद हो गए। नीतीश कुमार ने अपील करते हुए कहा कि पिछली बार से बड़े अंतर से जीत हासिल करने का संकल्प लें। वर्चुअल बैठक का संचालन पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने की। बिहार सरकार के जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी एवं राज्यसभा सांसद सह पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव संजय कुमार झा ने भी अपने विचार रखें।

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर मतदान कार्य में प्रतिनियुक्त सेक्टर व पुलिस पदधिकारी का प्रशिक्षण

सहरसा। लोकसभा आम निर्वाचन-2024 के मद्देनजर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी वैभव चौधरी की अध्यक्षता में प्रेक्षागृह में मतदान कार्य में प्रतिनियुक्त सेक्टर पदाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारियों हेतु प्रशिक्षण सह उन्मुखीकरण कार्यशाला आयोजित की गई। उक्त अवसर पर सभी प्रतिनियुक्त सेक्टर पदाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारियों को उनके कार्यो एवं दायित्वों के संबंध में अवगत कराया गया।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी, ने उक्त अवसर पर सबोधित कर कहा कि उत्कृष्ट चुनावी प्रबंधन में सेक्टर पदाधिकारी की भूमिका अत्याधिक महत्वपूर्ण होती है। वे पीठासीन पदाधिकारी,मतदान पदाधिकारी तथा जिला निर्वाचन पदाधिकारी के बीच सेतु के रूप में कार्य करते हैं। सेक्टर पदाधिकारी का दायित्व निर्वाचन की घोषणा के दिन से निर्वाचन प्रक्रिया के समाप्ति तक होता है। मतदान प्रारभं होने के न्यूनतम सात दिन पूर्व सेक्टर पदाधिकारी को विशेष कार्यपालक दण्डाधिकारी की शक्ति प्रदान की जाती है। तदनुसार उन्हें अपने-अपने आवंटित भौगोलिक क्षेत्रों के प्रत्येक स्थल से परिचित होना चाहिए ताकि मतदाता बिना किसी रोक-टोक के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके। प्रशिक्षण के क्रम में निर्देश दिया गया कि सभी प्रतिनियुक्त सेक्टर पदाधिकारी भौतिक रूप से मतदान केन्द्रो का सतत् निरीक्षण कर मतदान केन्द्रों में उपलब्ध संसाधनों का अवलोकन करेगें एवं आवश्यक न्यूनतम सुविधा के संदर्भ में जानकारी प्राप्त कर किसी प्रकार की कमी की स्थिति में अविलंब सूचित करेंगे ताकि ससमय मतदान के पूर्व सभी आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकें। क्षेत्र भ्रमण के क्रम में सेक्टर पदाधिकारी को यदि किसी भी प्रकार की समस्याआती है तो इस संबध में अविलंब संबंधित पदाधिकारियों को अवगत कराना सुनिश्चित करेंगे।

प्रशिक्षण के दौरान उपस्थित पुलिस पदाधिकारियों को निर्वाचन प्रक्रिया के सुचारू संचालन हेतु विधि व्यवस्था के संदर्भ में यथोचित दिशा-निर्देश दिये गये है। निर्वाचन प्रक्रिया में व्यवधान उत्पन्न करने वाले व्यक्तियों की सूची तैयार करने एवं उनके विरूद्ध निरोधात्मक कार्रवाई में तेजी लाने का निर्देश दिया गया। जिले के चुनाव कार्य से संबंधित चारों विधान सभा सहरसा, महिषी, सिमरी बख्तियारपुर,सोनवर्षा के सेक्टर पदाधिकारियों को कहा गया कि अपने निर्वाचन दायित्वों का निष्पादन करते हुए यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी प्रत्याशी के पक्ष में प्रचार-प्रसार जन-सम्पर्क कार्यक्रम में शामिल नहीं होना है एवं रूट चार्ट के अनुसार मतपेटिका, मतदान दल को लेकर जाएंगे तथा मतदान समाप्ति के पश्चात सभी सेक्टर दण्डाधिकारी अपने क्षेत्र से संबंधित मतदान दल को अपने साथ सुरक्षा घेरे मे रिसीविंग सेन्टर तक लाना सुनिश्चित करेंगे। उक्त अवसर पर पुलिस अधीक्षक,अपर समाहर्ता,अनुमंडल पदाधिकारी, सदर,सहरसा सहित अन्य उपस्थित थे।

कांचहि बांस के बहंगिया छठ गीत से गुंजायमान हुआ शहर, चैती छठ पर अस्ताचल गामी सूर्य को दिया अर्घ

सहरसा। लोक आस्था का महापर्व छठ का त्योहार वर्ष में दो बार मनाया जाता है। एक पर्व चैत्र माह में और दूसरा कार्तिक माह में दीपावली के पश्चात मनाया जाता है। वही चैती छठ को लेकर शहर के शंकर चौक स्थित ठाकुरबाड़ी मंदिर परिसर स्थित पोखर में छठव्रतियों ने रविवार को सायंकालीन अर्घ दिया। वही सोमवार को उदयमान सूर्य को अर्घ्य के साथ इस पर्व का समापन होगा। इस अवसर पर कांचहि बांस के बहंगिया सहित छठी मैया के गीत सें सभी छठ घाट गुंजायमान रहा।जहां व्रतियों नें श्रद्धा व आस्था के साथ जल मे खड़ा होकर सूर्य की आराधन कर अर्घ्य अर्पण किया। छठ पर्व महिलाएं अपनी संतान की अच्छे स्वास्थ्य और उन्नति के लिए लगातार 36 घंटे तक निर्जला व्रत रखती हैं। चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को चैती छठ का पर्व मनाया जाता है। यह महापर्व 4 दिन तक मनाया जाता है।

छठ पूजा के नियम छठ पूजा के समय पूर्णत: पवित्रता का ख्याल रखा जाता है। वही जूठे बर्तनों को छूने की मनाही है। छठ पूजा में जो प्रसाद अर्पित किया जाता है। वह खंडित नहीं हो इसका विशेष ध्यान रखना पड़ता है। कठिन साधना वाले इस व्रत में प्रसाद बनाने से पूर्व स्नान कर हाथों की स्वच्छता का ध्यान रखना आवश्यक है। इस दिन व्रती के साथ परिवार के अन्य सदस्यों को भी सात्विक भोजन का सेवन करना पड़ता है। छठ घाट के व्यवस्थापक रंजीत दास ने बताया कि चैती छठ व्रत कठिन होने के बावजूद लोगों की भारी भीड़ हूई। वही प्रतिवर्ष इसके संख्या में बढ़ोतरी भी देखी जा रही है। इस वर्ष सैकड़ो महिला पुरुष व्रतियो ने पानी मे खड़ा होकर सूर्य की आराधना की। इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने छठ घाट की बेहतर साफ-सफाई कर व्यवस्था में सराहनीय योगदान दिया।

रामनवमी रथयात्रा को लेकर डीएम एसपी ने अधिकारियों के साथ लिया जायजा

अररिया। फारबिसगंज में 16 अप्रैल को निकलने वाले रामनवमी रथयात्रा जुलूस की तैयारी और रूट का डीएम इनायत खान और एसपी अमित रंजन ने अधिकारियों के साथ जायजा लिया। फारबिसगंज के राजेंद्र चौक स्थित खाली पड़ी परती जमीन से हरेक साल रामनवमी पर रथयात्रा निकाली जाती है।जिसमे हजारों की संख्या में सनातन धर्मप्रेमी राम ध्वज के साथ भाग लेते हैं। डीएम इनायत खान और एसपी अमित रंजन के साथ अररिया से आए अजय कुमार ठाकुर,फारबिसगंज एसडीएम शैलजा पांडे, एसडीपीओ मुकेश कुमार साहा, डीसीएलआर अंकिता कुमारी, थानाध्यक्ष राघवेंद्र कुमार सिंह आदि मौजूद थे।

डीएम एसपी के साथ अधिकारियों का काफिला पहले फारबिसगंज हवाई अड्डा गया।जहां गाड़ी से ही अधिकारियों ने मैदान का जायजा लिया। दरअसल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आगामी 26 अप्रेल को हवाई अड्डा के मैदान में चुनावी सभा प्रस्तावित है और इसी के मद्देनजर अधिकारियों में मैदान का जायजा लिया।उसके बाद अधिकारियों के गाड़ियों का काफिला राजेंद्र चौक पहुंचा।जहां रामनवमी रथयात्रा के अयोजन समिति के सदस्यों के साथ डीएम एसपी समेत अधिकारियों ने बात की। मौके पर डीएम इनायत खान ने आयोजन समिति के सदस्यों को बताया कि चुनाव का समय है और आचार संहिता लागू है। ऐसे में आचार संहिता का उल्लंघन न हो इस मर्यादा का पालन करना है। साथ ही उन्होंने शांतिपूर्ण ढंग में रामनवमी रथयात्रा जुलूस निकाले जाने के लिए सदस्यों को कहा। डीएम ने समिति के सदस्यों से अच्छे तरीके से जुलूस निकालने को बात करते हुए कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की रथयात्रा है।इसलिए मर्यादा बनी रहनी चाहिए। मौके पर डीएम एसपी ने अधिकारियों को भी कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए। समिति के सदस्य के रूप में अमित चौधरी,श्वेताभ मिश्रा,किशू ठाकुर,भवेश कश्यप आदि मौजूद थे। जिसके बाद अधिकारियों ने रामनवमी रथयात्रा वाले रूट का भी गाड़ी से जायजा लिया।

बाबा साहब के विचारों को गांव गांव तक पहुंचाने की है जरूरत: चक्रपाणि

भागलपुर। भारतीय संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर की 134वीं जयंती को लेकर रविवार को भागलपुर के अकबरनगर स्थित हरिनगर गांव में समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान बाबा साहब के प्रतिमा पर फूल माला और पुष्प अर्पित कर मिठाई बांटा गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनुपलाल दास ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बिहार बाल श्रमिक आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ चक्रपाणी हिमांशु ने बाबा साहब के प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए कहा कि बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर की विचारधारा मानववादी रही है। उनका उद्देश्य शोषित, पीड़ित, दलित एवं वंचित समाज का विकास करना एवं उन्हें उनके मानव अधिकारों से सजग कराना एवं मानवीय अधिकार दिलाना था। बाबा साहब ने जिस संविधान का निर्माण किया वह संपूर्ण देश से अलौकिक संविधान है। बाबा साहब ने अपने विचार प्रकट करते हुए कहा था कि मैं राजनीतिक सुख भोगने नही बल्कि नीचे दबे हुए अपने भाईयो को अधिकार दिलाने आया हूं। आज जरूरत है युवाओ,श और छात्रों को आगे आने कि और बाबा साहब के मानववादी विचाराधारा को गांव गांव पहुंचाने की। डॉ हिमांशु ने कहा कि बाबा साहब का एक नारा है शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो। आज छात्र नौजवानों को बाबा साहब के विचारों को पढ़ने की जरूरत है। उनके विचारों को स्मरण करने की जरूरत है। उनके विचारों को गांव गांव तक पहुंचाने की जरूरत है। मौके पर प्रीतम यादव, नवलकिशोर दास, लाल बिहारी दास, योगेन्द्र दास, जनार्दन दास, रंजीत दास, अरूण दास, अनिल दास, रामप्रसाद दास, सुबोध दास, हर्षवर्धन, ब्रजेश कुमार आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे।

रामनवमी में विधि व्यवस्था को लेकर डीआईजी ने पुलिस अधिकारियों के साथ की मीटिंग

अररिया। पूर्णिया रेंज के डीआईजी विकास कुमार ने फारबिसगंज में 16 अप्रैल को निकलने वाले रामनवमी रथयात्रा जुलूस में विधि व्यवस्था संधारण को लेकर पुलिस अधिकारियों के साथ मीटिंग की। मौके पर एसपी अमित रंजन और एसडीपीओ मुकेश कुमार साहा के साथ थानाध्यक्ष राघवेंद्र कुमार सिंह और अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद थे। डीआईजी विकास कुमार ने पुलिस अधिकारियों से रामनवमी रथयात्रा को लेकर की गई तैयारी का फीडबैक लेते हुए समीक्षा भी की और मौके पर अधिकारियों को कई आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए।

मौके पर जानकर देते हुए पूर्णिया रेंज के डीआईजी विकास कुमार ने बताया कि रामनवमी को लेकर विधि व्यवस्था संधारण हेतु बैठक कर समीक्षा की गई है। जिला प्रशासन और अनुमंडल प्रशासन की ओर से की गई तैयारी का जायजा लिया गया।जिला और अनुमंडल प्रशासन की ओर से विधि व्यवस्था संधारण को लेकर सकारात्मक प्रयास किया जा रहा है।उन्होंने लोगों से भी अपील की कि भाई-चारा और सद्भावना के साथ जुलूस निकाले। जुलूस के कारण विधि व्यवस्था की समस्या उत्पन्न न हो। उन्होंने रामनवमी रथयात्रा को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम होने का दावा किया। एक सवाल के जवाब में डीआईजी ने बताया कि चुनाव का समय है और वीआईपी का चुनावी दौरा हो सकता है। जिसकी संभावना को लेकर सभा स्थल का जिला प्रशासन के द्वारा जायजा लिया जा रहा है। सभा स्थल को लेकर विभिन्न मैदानों का अवलोकन किया जा रहा है।

एक नजर

ईरान के संभावित हमले का जवाब देने को अमेरिका के साथ इजराइल तैयार : सेना प्रमुख

जेरूसलम,एजेंसी। इजराइल के सैन्य प्रमुख हरजी हलेवी ने कहा है कि ईरान के संभावित हमले का जवाब देने के लिए उनकी सेना यूएस सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) के साथ तैयार है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, दमिश्क में ईरान के दूतावास पर इजराइली हवाई हमले के बाद ईरान के संभावित हमले को देखते हुए इजराइल हाई अलर्ट पर है। इजराइल के हमले में सात वरिष्ठ ईरानी अधिकारी मारे गए थे। सेना द्वारा जारी तस्वीरों में सेंटकॉम कमांडर जनरल माइकल एरिक कुरिला को शुक्रवार को हलेवी और इज़राइली रक्षा बलों (आईडीएफ) के वरिष्ठ कमांडरों के साथ तेल अवीव में एक बैठक में भाग लेते हुए दिखाया गया है। हलेवी ने शुक्रवार को कहा, आईडीएफ किसी भी हमले के खिलाफ मजबूती से तैयार है। उन्होंने कहा कि सेना अमेरिकी सशस्त्र बलों के साथ मिलकर संभावित हमले से निपटने के लिए लगातार तैयारी कर रही है। एक प्रेस वार्ता में, आईडीएफ के प्रवक्ता डैनियल हगारी ने कहा कि दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने के लिए बैठक आयोजित की गई थी। हगारी ने कहा कि उनकी सेना हाई अलर्ट पर है।

मिस्र व अमेरिका ने गाजा के राफा में इजराइली जमीनी कार्रवाई को किया खारिज

काहिरा,एजेंसी। मिस्र के विदेश मंत्री समेह शौकरी और अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने दक्षिणी गाजा के राफा शहर में किसी भी इजराइली जमीनी सैन्य अभियान को खारिज कर दिया है। मिस्र के विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, फोन पर बातचीत के दौरान दोनों राजनयिकों ने युद्धविराम पर पहुंचने और गाजा में मानवीय सहायता को बढ़ाने के प्रयासों पर चर्चा की। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, शौकरी ने इजराइल पर अपनी जिम्मेदारियों का पालन करने, निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाना बंद करने और मानवीय सहायता को बढ़ाने के लिए इजराइल और गाजा पट्टी के बीच भूमि सीमा क्रॉसिंग को खोलने के लिए दबाव जारी रखने पर जोर दिया। उन्होंने उत्तरी गाजा में विस्थापित फिलिस्तीनियों को उनके घरों में लौटने की अनुमति देने का भी आग्रह किया। मिस्र के मंत्री ने फिलिस्तीनियों को उनकी भूमि से जबरन विस्थापित करने के प्रयासों को अपने देश द्वारा अस्वीकार करने की भी बात कही। शौकरी और ब्लिंकन ने क्षेत्र में बढ़ते तनाव पर भी चर्चा की और इसे रोकने के प्रयासों के महत्व पर प्रकाश डाला।

सिडनी के एक शॉपिंग सेंटर में पांच लोगों की चाकू मारकर हत्या

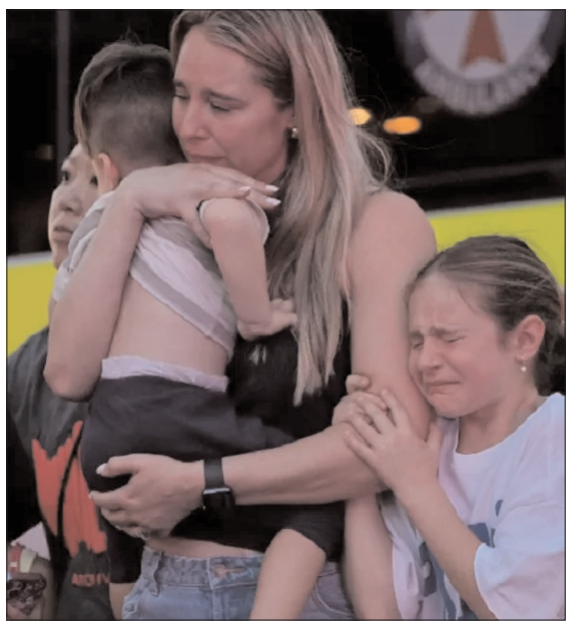

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में शनिवार को एक शॉपिंग सेंटर में पांच लोगों की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। इसके बाद हमलावर को पुलिस ने गोली मार दी। स्थानीय मीडिया में ये बात कही गई है। ऑस्ट्रेलिया की मीडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि एक व्यक्ति लोगों का पीछा कर रहा था और उन्हें चाकू मार रहा था, इसके बाद वेस्टफील्ड बॉन्डी जंक्शन को खाली करा लिया गया। द सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड की रिपोर्ट के अनुसार, कैनबरा में ऑस्ट्रेलियाई संघीय पुलिस ने ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज़ को इस घटना की जानकारी दी। पुलिस इस घटना में आतंकी संबंधों की जांच कर रही है। एक्स पर एक पोस्ट में, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज़ ने कहा, हमारी संवेदनाएं उन लोगों के परिवारों के प्रति हैं जिनकी इस हमले में जान चली गई है। हम पुलिस की बहादुरी को भी सलाम करते हैं।

रूस यूक्रेन के साथ बातचीत के लिए तैयार: क्रेमलिन

मॉस्को,एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन के साथ बातचीत के लिए तैयार हैं। बातचीत का आधार 2022 का निरस्त शांति समझौता हो सकता है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने ये बात कही है। बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको के साथ बैठक में पुतिन ने कहा कि मॉस्को बातचीत फिर से शुरू करने के पक्ष में है, लेकिन बातचीत का मकसद किसी भी ऐसी योजना को थोपना नहीं होना चाहिए जिसका वास्तविकता से कोई लेना-देना नहीं है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, पेसकोव ने शुक्रवार को कहा कि रूस और यूक्रेन के बीच मार्च 2022 में हुए शांति समझौते का मसौदा काम कर सकता है, हालांकि उसके बाद से कई बदलाव हुए हैं। उन्होंने कहा कि क्रेमलिन को नहीं लगता कि यूक्रेन रूस के साथ बातचीत के लिए तैयार है।

क्वात्रा ने अमेरिकी रक्षा उपमंत्री से की मुलाकात, वैश्विक रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा की

वाशिंगटन,एजेंसी। भारत के विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने भारत और अमेरिका के बीच व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में हुई प्रगति पर विस्तृत समीक्षा करने के लिए अमेरिकी रक्षा उप मंत्री कैथलीन हिक्स और कई अमेरिकी अधिकारियों से मुलाकात की। इस दौरान क्वात्रा और हिक्स ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता और सुरक्षा को बढ़ावा देने के अपने साझा प्रयासों पर चर्चा की।

क्वात्रा इस सप्ताह अमेरिका में हैं, जहां वह अमेरिकी सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठकें करेंगे और रक्षा एवं प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने के लिए उद्योग जगत के प्रमुखों के साथ बातचीत करेंगे। पेंटागन प्रवक्ता एरिक पैहोन ने कहा कि हिक्स और क्वात्रा ने अमेरिका-भारत रक्षा साझेदारी को मजबूत करने की प्राथमिकताओं पर चर्चा की, साथ ही दोनों ने अमेरिका-भारत रक्षा औद्योगिक सहयोग के अमल के तरीकों पर भी चर्चा की। एक आधिकारिक बयान के अनुसार दोनों अधिकारियों ने स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के समर्थन में प्रमुख रक्षा साझेदारी में ऐतिहासिक तेजी को भी रेखांकित किया। इसमें कहा गया है कि उन्होंने लड़ाकू जेट इंजन और बख्तरबंद वाहनों के सह-उत्पादन को आगे बढ़ाने के लिए दोनों देशों के प्रयासों की सराहना की। साथ ही अमेरिकी और भारतीय शोधकर्ताओं, उद्यमियों और निवेशकों के बीच नवाचार और साझेदारी को बढ़ावा देने में भारत-अमेरिका रक्षा त्वरण पारिस्थितिकी तंत्र (इंडस-एक्स) की निरंतर सफलता की सराहना की। पैहोन ने कहा कि क्वात्रा और हिक्स ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता और सुरक्षा को बढ़ावा देने के साझा प्रयासों पर प्रकाश डाला साथ ही सभी क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के लिए अमेरिका-भारत सैन्य भागीदारी के दायरे के विस्तार के महत्व पर भी चर्चा की। बयान में कहा गया है कि उन्होंने क्षेत्रीय सुरक्षा से जुड़े कई मुद्दों पर भी चर्चा की और क्षेत्र में चीन के आक्रामक बर्ताव के बीच स्वतंत्र एवं खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए निकटता से काम करने की प्रतिबद्धता जताई। भारतीय दूतावास द्वारा जारी बयान में कहा गया, यह यात्रा दोनों देशों के बीच नियमित रूप से होने वाली उच्च स्तरीय बातचीत के क्रम में है और हमारी बढ़ती और भविष्योन्मुखी साझेदारी को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करती है। बयान के अनुसार 10 से 12 अप्रैल की अपनी यात्रा के दौरान क्वात्रा ने भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में हुई प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। क्वात्रा ने प्रबंधन एवं संसाधन के लिए उप विदेश मंत्री रिचर्ड वर्मा, उप विदेश मंत्री कर्ट कैंपबेल तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठकें कीं। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद, रक्षा विभाग और ऊर्जा मंत्रालय के प्रमुख अधिकारियों के साथ भी चर्चा की। दूतावास ने कहा, इन चर्चाओं में भारत-अमेरिका संबंधों, बढ़ते रक्षा और वाणिज्यिक संबंधों, लचीली आपूर्ति श्रृंखला और समकालीन क्षेत्रीय विकास के संपूर्ण पहलुओं पर चर्चा हुई।

खुलासा: रमजान के दौरान कराची में डकैती का विरोध करने पर 19 लोगों की हत्या, 55 घायल

कराची,एजेंसी। पाकिस्तान में रमज़ान के दौरान अपराध में बढ़ोतरी देखा गया। इसी क्रम में कराची में रमजान में डकैतियों के विरोध के परिणामस्वरूप 19 मौतें हुई और 55 लोग घायल हुए। एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने खुलासा किया कि डकैती की कोशिश के दौरान कराची में 19 नागरिकों की मौत हो गई। वारदात में शामिल लुटेरे हथियार से लैस थे। इस साल शहर में डकैती से संबंधित मौतों में उल्लेखनीय बढ़त देखी गई है, जो कुल मिलाकर 56 हो गई है, जबकि 200 से अधिक लोग घायल हुए हैं। इसकी तुलना में पिछले साल इसी अवधि में डकैतियों के खिलाफ प्रतिरोध के कारण 25 मौतें हुईं थी और 110 घायल हुए थे। 2023 में आंकड़े चिंताजनक रूप से अधिक थे समान परिस्थितियों के कारण 108 मौतें और 469 घायल हुए थे। कराची पुलिस ने इस वर्ष लुटेरों के साथ 425 मुठभेड़ की, जिसमें 55 डकैत मारे गए और 439 घायल हो गए। नागरिक-पुलिस संपर्क समिति (सीपीएलसी) की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2024 के पहले तीन महीनों में 22,627 अपराध दर्ज किए गए, जिनमें 59 मौतें और डकैती प्रतिरोध से उत्पन्न 700 से अधिक का घायल होना शामिल हैं। इसके अलावा इस अवधि में 373 कारें, 15,968 मोटरसाइकिलें और 6,102 मोबाइल फोन चोरी या छीने जाने की सूचना मिली। रिपोर्ट के अनुसार, सीपीएलसी रिपोर्ट में कराची में 25 जबरन वसूली की घटनाओं और फिरौती के लिए अपहरण के पांच मामलों का भी दस्तावेजीकरण किया गया है। कराची के पुलिस प्रमुख अतिरिक्त महानिरीक्षक इमरान याकूब ने शहर के अपराध के एक महत्वपूर्ण हिस्से के लिए बाहरी लोगों को जिम्मेदार ठहराया, जिनमें आंतरिक सिंध और बलूचिस्तान के लोग भी शामिल थे। याकूब ने कहा कि शहर में प्रति दिन 166 मामलों की दैनिक अपराध दर, पाकिस्तान के अन्य प्रमुख शहरों की तुलना में तुलनात्मक रूप से कम है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि लगभग 4,00,000 पेशेवर भिखारी और आपराधिक तत्व रमज़ान और ईद-उल-फितर के दौरान कराची में आते हैं।

ईरान आज नहीं तो कल इजराइल पर हमला करेगा: जो बाइडेन

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने व्हाइट हाउस में संवाददाताओं से कहा है कि उन्हें लगता है कि ईरान एक दिन इजरायल पर हमला करेगा। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, जब बाइडेन से शुक्रवार को पत्रकारों ने पूछा कि इजरायल पर ईरान कब हमला कर सकता है, तो उन्होंने कहा, कोई पक्की जानकारी नहीं है, लेकिन जल्द होने की संभावना है।

पत्रकारों के एक दूसरे सवाल के जवाब में बाइडेन ने कहा कि अमेरिका इजरायल की रक्षा के लिए समर्पित है। हम इजरायल का समर्थन करेंगे, हम इजरायल की रक्षा में मदद करेंगे और ईरान सफल नहीं होगा। इज़राइल पर ईरानी जवाबी हमले के लिए अमेरिका हाई अलर्ट पर है, क्षेत्र में युद्ध की आशंका बढ़ गई है। पिछले हफ्ते सीरिया में ईरानी राजनयिक परिसर पर इजरायल के हमले के बाद व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को कहा कि ईरान से वास्तविक खतरा बना हुआ है। इजरायली हमले में तीन ईरानी जनरलों की मौत हो गई थी। अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस सहित कई अन्य देशों ने इजराइल में अपने सरकारी कर्मचारियों के लिए नए यात्रा दिशा निर्देश जारी किए हैं। संभावित खतरे को देखते हुए इराक और सीरिया में तैनात अमेरिकी सैनिकों के लिए पेंटागन सुरक्षा मजबूत करने के लिए काम कर रहा है। इसी साल जनवरी में, जॉर्डन में अमेरिकी हवाई सुरक्षा पर एक ड्रोन घुसने से तीन अमेरिकी सदस्यों की मौत हो गई थी। अमेरिका यह अनुमान नहीं लगा रहा है कि ईरान अमेरिकी सेना पर कहां हमला करेगा।

नुश्की में आतंकवादियों के हमले में 11 लोगों की मौत

क्वेटा,एजेंसी। पाकिस्तान में बलूचिस्तान के नुश्की जिले में अज्ञात आतंकवादियों ने पंजाब प्रांत के नौ यात्रियों सहित 11 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी। नुश्की के उपायुक्त हबीबुल्लाह मुसाखेल ने कहा कि शुक्रवार की रात बारह से अधिक आतंकवादियों ने नुश्की से लगभग एक किलोमीटर दूर सुल्तान चढाई के पहाड़ी बिंदु पर क्वेटा-नुश्की-ताफ्तान एन -40 राष्ट्रीय राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया। एक वाहन के नहीं रुकने पर गोलीबारी की। गोलीबारी के कारण वाहन का टायर फट गया और पलट गया, जिससे वाहन चालक की मौत हो गयी।

नुश्की पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आतंकवादियों ने क्वेटा से ताफ्तान जा रही एक यात्री बस को भी रोक दिया और यात्रियों के सीएनआईसी की जाँच की और नौ लोगों का अपहरण कर लिया। ये लोग पास पंजाब प्रांत के निवासी थे। नुश्की के थाना प्रभारी असद मेंगल ने कहा कि आतंकवादी अपहृत व्यक्तियों के साथ पास की पहाड़ियों की ओर भाग गये और बाद में सभी नौ लोगों के शव आसपास के एक पुल के नीचे पाए

गए। इन सभी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। नुश्की के पुलिस अधीक्षक अल्लाह बख्श ने कहा कि मारे गए लोग मंडी बहाउद्दीन, वज़ीराबाद और गुजरांवाला के थे। उन्होंने कहा कि ये मजदूर थे और क्वेटा से ताफ्तान के लिए बस में चढ़े थे। आतंकवादियों ने नुश्की फ्रंटियर कोर (एफसी) मिलिशिया के एक आयुध डिपो पर भी रॉकेट दागे, हालांकि इससे कोई जनहानि नहीं हुई। पुलिस ने कहा कि हमले के पीछे सशस्त्र बलूच अलगाववादी संगठन का हाथ हो सकता है। हमलावरों को पकड़ने के लिए एफसी और अन्य सुरक्षा बलों के साथ क्षेत्र में तलाशी अभियान शुरू किया गया है। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री मीर सरफराज बुगती ने नुश्की में निर्दोष यात्रियों की हत्या की निंदा की है और कहा है कि अपराध में शामिल आतंकवादियों को माफ नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यात्रियों की हत्या अमानवीय और अक्षम्य अपराध है। उन्होंने कहा कि सरकार निहत्थे और निर्दोष नागरिकों की हत्या के लिए जिम्मेदार आतंकवादियों का पता लगाएगी और आतंकवाद के खतरे को खत्म करेगी। उन्होंने पीड़ितों के परिवार के सदस्यों के प्रति संवेदना भी व्यक्त की।

गाजा पट्टी में इजराइली गोलाबारी में तीन पत्रकार घायल

गाजा,एजेंसी। फिलिस्तीनी सूत्रों ने कहा कि मध्य गाजा में नुसेइरात शरणार्थी शिविर पर इजराइली गोलाबारी में तीन फिलिस्तीनी पत्रकार घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने शुक्रवार को समाचार एजेंसी शिन्हुआ को बताया कि इजराइली तोपखाने ने पत्रकारों के एक समूह पर उस समय गोलाबारी की, जब वे नुसेरात शिविर में घटनाओं को कवर कर रहे थे। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, गुरुवार को इजराइली सेना ने नुसीरात शिविर के बाहरी इलाके में एक सैन्य अभियान शुरू करने की घोषणा की। चिकित्सा सूत्रों ने समाचार एजेंसी को बताया कि तीन घायल पत्रकार दीर अल-बाला के शुहदा अल-अक्सा अस्पताल पहुंचे। उनमें से एक का दाहिना पैर कट गया और उसके शरीर पर छर्रे के घाव हो गए, जबकि अन्य दो को मामूली चोटें आईं।

इस घटना पर इज़राइली सेना की ओर से कोई टिप्पणी नहीं आई है। इस बीच, हमास द्वारा संचालित सरकारी मीडिया कार्यालय ने एक बयान में कहा कि इजराइली सेना ने तीन पत्रकारों को उस समय निशाना बनाया, जब

उन्होंने स्पष्ट प्रेस चिह्न वाली जैकेट पहन रखी थी। बयान में इसे मीडिया कर्मियों को निशाना बनाने का अपराध माना गया। गाजा सरकार के मीडिया कार्यालय के आंकड़ों के अनुसार, छह महीनों में गाजा पट्टी पर इजराइली हमलों में लगभग 140 पत्रकार मारे गए हैं।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में आतंकवादियों ने 11 लोगों की हत्या की

कराची (पाकिस्तान)। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में अज्ञात आतंकवादियों ने कम से कम 11 लोगों की हत्या कर दी जिसमें नौ बस यात्री शामिल हैं। पुलिस ने शनिवार को बताया कि पहली घटना में सशस्त्र हमलावरों ने शुक्रवार को नोश्की जिले में एक राजमार्ग पर एक बस रुकवायी और बंदूक का डर दिखाकर नौ पुरुषों का अपहरण कर लिया। एक अधिकारी ने बताया, बाद में इन नौ पुरुषों के शव नजदीकी पर्वतीय इलाके में एक पुल के समीप मिले और उनके शरीर पर गोलियों के निशान पाए गए। उन्होंने बताया, यह बस क्वेटा से ताफ्तान जा रही थी तभी सशस्त्र हमलावरों ने बस रुकवाई और यात्रियों की पहचान करने के बाद नौ पुरुषों को अगवा करके पर्वतीय इलाकों में ले गए।

एक अन्य घटना में इसी राजमार्ग पर एक कार पर गोलीबारी की गयी जिसमें दो यात्रियों की मौत हो गयी तथा दो अन्य घायल हो गए। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री मीर सरफराज बुगती ने कहा कि नोश्की राजमार्ग पर 11 लोगों की हत्या में शामिल आतंकवादियों को बख्शा नहीं किया जाएगा और उन्हें जल्द ही पकड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि इन आतंकवादियों का उद्देश्य बलूचिस्तान की शांति भंग करना है। गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने भी घटना की निंदा करते हुए कहा कि सरकार इस मुश्किल वक्त में मृतक के परिवारों के साथ है। अभी तक किसी भी प्रतिबंधित संगठन ने इन हत्याओं की जिम्मेदारी नहीं ली है लेकिन इस साल हाल के हफ्तों में प्रतिबंधित संगठनों और आतंकवादियों द्वारा आतंकी हमलों की घटनाओं में वृद्धि हुई है।

अंतरिक्ष की सैर करने वाले पहले भारतीय पर्यटक बनेंगे गोपी थोटाकुरा

वाशिंगटन। उद्यमी एवं पायलट गोपी थोटाकुरा अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले पहले भारतीय होंगे। वह अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस के ब्लू ओरिजिन एनएस-25 मिशन पर एक पर्यटक के रूप में अंतरिक्ष की सैर करने जाएंगे। वह इस मिशन पर जाने वाले छह अंतरिक्ष यात्रियों में से एक होंगे। इसके साथ ही वह पहले भारतीय अंतरिक्ष पर्यटक और 1984 में भारतीय सेना के विंग कमांडर राकेश शर्मा के बाद अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय होंगे।

एयरोस्पेस कंपनी ने बताया कि अभी अंतरिक्ष में जाने की तारीख की घोषणा नहीं की गयी है। यह न्यू शेपर्ड कार्यक्रम के लिए मनुष्य को अंतरिक्ष में ले जाने वाली सातवीं उड़ान और उसके इतिहास में 25वीं उड़ान होगी। अभी तक इस कार्यक्रम के तहत 31 मनुष्यों को कार्मन रेखा से ऊपर ले जाया गया है जो पृथ्वी के वायुमंडल और अंतरिक्ष के बीच प्रस्तावित पारंपरिक रेखा है। न्यू शेपर्ड ब्लू ओरिजिन द्वारा अंतरिक्ष पर्यटन के लिए विकसित पूरी तरह से पुनः इस्तेमाल होने वाला उप-कक्षीय प्रक्षेपण यान है। ब्लू ओरिजिन के

अनुसार, गोपी एक पायलट और विमान चालक हैं जिन्होंने वाहन चलाने से पहले उड़ान भरना सीख लिया था। वह हार्ट्सफील्ड-जैक्सन अटलांटा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के समीप स्थित समग्र कल्याण और व्यावहारिक स्वास्थ्य के लिए एक वैश्विक केंद्र प्रीजर्व लाइफ कोर्प के सह-संस्थापक हैं। वह वाणिज्यिक रूप से विमान उड़ाने के अलावा एयरोबेटिक विमान और सीप्लेन के साथ ही गर्म हवा के गुब्बारे भी उड़ा चुके हैं। वह अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा विमान पायलट के तौर पर भी काम कर चुके हैं। रोमांचक यात्राओं के शौकीन थोटाकुरा ने हाल में तंजानिया के माउंट किलिमंजारो ज्वालामुखी की भी चढ़ाई की थी। आंध्र प्रदेश में जन्मे थोटाकुरा ने एम्ब्री-रिडल एयरोनॉटिकल यूनिवर्सिटी से स्नातक किया है। उनके साथ मैसन एंजेल, स्लिवेन चिरोन, केनेथ एल. हेस, कैरोल शालेर और वायुसेना के पूर्व कैप्टन एड ड्वाइट अंतरिक्ष में जाने वाले अन्य पर्यटकों में शामिल हैं।

गाजा में इजरायली हमलों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 33,634 हुई

गाजा। इजरायल-हमास संघर्ष शुरू होने के बादगाजा पट्टी में जारी इजरायली हमलों के कारण मरने वाले फिलिस्तीनियों की संख्या बढ़कर 33,634 और घायलों की तादाद 76,214 हो गई है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान इजरायली सेना की कार्रवाई में 89 फिलिस्तीनियों मारे गए और 120 अन्य को घायल हो गए। कुछ पीड़ितों के शव मलबे के नीचे दबे रहे और सड़कों पर बिखरे रहे क्योंकि इजरायली सेना ने एम्बुलेंस और नागरिक सुरक्षा दल को उन तक पहुंचने से रोक दिया। इस बीच, फिलिस्तीनी चिकित्सा सूत्रों ने कहा कि वेस्ट बैंक में इजरायली बलों और नागरिकों के साथ टकराव में शुक्रवार को कम से कम तीन फिलिस्तीनी मारे गए। हमास ने पुष्टि की कि मारे गए लोगों में से एक आंदोलन का स्थानीय कमांडर था। उल्लेखनीय है कि सात अक्टूबर, 2023 को दक्षिणी इज़रायल में हमास द्वारा किए गए हमले का जवाब देने के लिए इज़रायल गाजा में हमास के खिलाफ बड़े पैमाने पर हमला कर रहा है।

इजराइल पर हिजबुल्लाह ने एक साथ दागे 40 से ज्यादा रॉकेट, इजराइली सेना का वॉर रूम में अलर्ट, अमेरिका की सेना भेजने की तैयारी

तेल अवीव,एजेंसी। इजराइल पर हमास के हमले के बाद से शुरू हुए युद्ध के बीच शुक्रवार को इजराइल पर हिजबुल्लाह ने बड़ा हमला कर दिया है। चरमपंथी संगठन हिजबुल्लाह ने उत्तरी इलाके गैलिली के ऊपर एक साथ 40 से अधिक रॉकेट दागे और इन रॉकेट हमलों की जिम्मेदारी ली है। लेबनान में ईरान के हिजबुल्ला ने एक बयान में कहा कि उसने उत्तरी इजराइल में इजराइली सेना की तोपों को निशाना बनाते हुए दर्जनों रॉकेट दागे हैं। इजरायली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने रॉकेट हमलों की पुष्टि करते हुए कहा है कि इसमें कोई घायल नहीं हुआ है। आईडीएफ के वार रूम ने हमले का वीडियो भी जारी किया है। उधर लेबनान के रॉकेट हमलों के बाद अमेरिका और सतर्क हो गया है. अमेरिकी अधिकारी ने बताया है कि अमेरिका ने ईरानी हमले की आशंका के बीच मध्य पूर्व में अतिरिक्त सेना भेज रहे हैं। आईडीएफ ने कहा, लेबनान इलाके से उत्तरी इजरायल में करीब 40 रॉकेट दागे गए, जिनमें से कुछ को आयरन डोम एयर डिफेंस प्रणाली ने ध्वस्त कर दिया जबकि कुछ ने खुले इलाकों को प्रभावित किया या फिर लेबनान के अंदर गिरे। घटना के दौरान सायरन बजते रहे। इसके पहले आईडीएफ ने कहा था कि एयर डिफेंस ने उत्तरी इजरायल में हिजबुल्लाह द्वारा लॉन्च किए गए दो विस्फोटकों से भरे ड्रोन को मार गिराया है। उधर लेबनान के रॉकेट हमलों के बाद अमेरिका और सतर्क हो गया है. अमेरिकी अधिकारी ने बताया है कि अमेरिका ने ईरानी हमले की आशंका के बीच मध्य पूर्व में अतिरिक्त सेना भेज रहे हैं. लेकिन अमेरिका के लिए खाड़ी राज्यों ने एक नई परेशानी खड़ी कर दी है।

एक नजर

अक्षय राउंड 3 के अंत में फिसले, शेफ़लर ऑगस्टा में एकल बढ़त पर

ऑगस्टा। भारतीय अमेरिकी अक्षय भाटिया को 16-17 पर दो होल के मामले में तीन शॉट का नुकसान उठाना पड़ा और इसके साथ ही उन्होंने एक साल पहले साहिथ थीगाला की तरह शीर्ष -10 में जगह बनाने का मौका खो दिया। भाटिया (72-75-72) पहले से ही पीजीए टूर पर दो बार विजेता, 5-ओवर और संयुक्त-28 थे, जबकि एक अन्य भारतीय अमेरिकी साहिथ थीगाला ने लगातार तीसरा 74 का शॉट लगाकर 6-ओवर और संयुक्त-36वां स्थान प्राप्त किया। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी शेफ़लर ने बैक नाइन में दो-दो बर्डी और बोगी के साथ रोलर-कोस्टर खेला, इसके अलावा अपने दूसरे नाइन में एक ईगल और एक डबल लगाया। 66-72-71 के साथ वह अब 7-अंडर और एकल बढ़त पर हैं। शेफ़लर से पीछे दो बार के मेजर विजेता, कॉलिन मोरीकावा (6-अंडर) हैं और उनका पीछा मैक्स होमा (5-अंडर), नौसिखिया लुडविग एबर्ग (4-अंडर) और ब्रायसन डीचैम्ब्यू (3-अंडर) कर रहे हैं। पांच बार के मास्टर्स विजेता टाइगर वुड्स ने ऑगस्टा नेशनल में अपना सबसे खराब 82 का स्कोर किया, क्योंकि एक दिन पहले रिकॉर्ड संख्या में सीधे कट लगाने के बाद वह लीडरबोर्ड में नीचे खिसक गए।

मैनचेस्टर सिटी के ट्रॉफी की दौड़ में शामिल होने पर खुश हैं गार्डियोला

मैनचेस्टर,एजेंसी। मैनचेस्टर सिटी के बॉस पेप गार्डियोला ने सीजन के अंत तक ट्रॉफी की दौड़ में बने रहने के लिए आभार व्यक्त किया और हर चुनौती को लंबे समय तक बढ़ाने की महत्वाकांक्षा पर जोर दिया। बुधवार रात चैंपियंस लीग में रियल मैड्रिड और शनिवार को एफए कप सेमीफाइनल में चेल्सी के साथ, सिटी के लिए बड़े मैच आते रहेंगे और गार्डियोला ने कहा कि सिटी को तीन प्रतियोगिताओं में पहले तीन मैचों के बाद ट्रॉफी की दौड़ में रहने का आनंद लेना होगा। पेप गार्डियोला ने कहा, हमने खिलाड़ियों से बात की कि यहां दोबारा आना कितना अविश्वसनीय है। खेल से पहले हमने बात की और कहा हमें इसे स्वीकार करना होगा, यह कितने सौभाग्य की बात है।हमने खिलाड़ियों से इस बारे में बात की और उन्हें एहसास दिलाया कि यहां तक एक बार फिर पहुंचना कितना खास है। शनिवार की रात की जीत ने सिटी को आर्सेनल और लिवरपूल से ऊपर कर दिया। गार्डियोला ने कहा कि वे केवल खिताब प्रतिद्वंद्वियों पर दबाव बनाए रखने की कोशिश कर सकते हैं।

यह सिर्फ कड़े अभ्यास का नजीता है : हेटमायर ने दबाव में छक्के लगाने के बारे में कहा

मुल्लांपुर। पंजाब किंग्स के खिलाफ 10 गेंद में नाबाद 27 रन की आक्रामक पारी खेल कर राजस्थान रॉयल्स को जीत दिलाने वाले बल्लेबाज शिमरोन हेटमायर ने कहा कि वह कड़े अभ्यास के कारण गेंद को सीमा रेखा के पार पहुंचाने में सफल रहते हैं। राजस्थान को आखिरी 14 गेंद में 30 रन की जरूरत थी तब हेटमायर और रोवमैन पोवेल (पांच गेंद में 11 रन) की वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों की जोड़ी ने आक्रामक बल्लेबाजी कर टीम को छह मैच में पांचवीं जीत दिलायी। प्लेयर ऑफ द मैच हेटमायर ने अपनी नाबाद पारी में एक चौका और तीन छक्के लगाये। पंजाब को आठ विकेट पर 147 रन पर रोकने के बाद राजस्थान ने 19.5 ओवर में सात विकेट पर 152 रन बनाकर अंक तालिका में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत की। हेटमायर ने मैच के बाद पुरस्कार समारोह में कहा, यह सिर्फ अभ्यास के कारण संभव है, मैं नेट सत्र पर यथासंभव (बड़े शॉट खेलने का) प्रयास करता हूं। मैं छक्के मारने की पूरी कोशिश करता हूं। मुझे खुशी है कि मैंने आज अपनी टीम की

मदद की। राजस्थान को आखिरी ओवर में जीत के लिए 10 रन की जरूरत थी लेकिन अर्शदीप सिंह ने शुरुआती दो गेंद में एक भी रन नहीं दिया जिससे हेटमायर पर दबाव बढ़ गया था। उन्होंने कहा, शुरुआती दो गेंद के बाद दबाव बन गया था लेकिन फिर मैंने गेंद को यथासंभव दूर मारने की कोशिश की। उन्होंने तीसरी गेंद पर छक्का और चौथी गेंद पर दो रन लेने के बाद क्रीज पर साथी बल्लेबाज ट्रेंट बोल्ट से एक रन भागने के लिए तैयार रहने को कहा था। उन्होंने कहा, मैंने बोल्ट से कहा कि ओवर की पांचवीं गेंद पर अगर मौका मिला तो एक रन भागने से संकोच मत करना क्योंकि इससे मैच बराबरी पर छूटता और टीम के पास सुपर ओवर में जीतने का मौका रहता। हेटमायर ने हालांकि छक्का मारकर टीम को जीत दिला दी।

रोहित का शतक हुआ बेकार, चेन्नई सुपर किंग्स ने मुम्बई इंडियंस को 20 रनों से हराया

मुम्बई,एजेंसी। कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ (69), शिवम दुबे नाबाद (66) रन और आखिरी ओवर में महेन्द्र सिंह धोनी के चार गेंदों में (20) रनों की छक्कों वाली पारियों और उसके बाद मथीशा पथिराना ने 14 रन देकर चार विकेट की बदौलत चेन्नई सुपर किंग्स ने रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 29वें मुकाबले में मुम्बई इंडियंस को 20 रनों से हरा दिया है। रोहित शर्मा की 105 रनों की नाबाद शतकीय पारी पर महेन्द्र सिंह धोनी की चार गेंदों में 20 रनों की पारी पड़ी भारी। यह ही 20 रन मुम्बई की हार का कारण बने।

मुम्बई इंडियंस ने 207 रनों के लक्ष्य का पीछा हुए अच्छी शुरुआत की। रोहित शर्मा और इशान किशान की सलामी जोड़ी पहले विकेट के लिए 70 रन जोड़े। आठवें ओवर में इशान किशन को पथिराना ने शार्दुल के हाथों कैच आउट कराकर मुम्बई को पहला झटका दिया। इशान किशन ने 15 गेंदों में तीन चौके और एक छक्के की मदद से (23) रन बनाये। इसके बाद सूर्यकुमार यादव बिना खाता खोले ही पवेलियन लौट गये। तिलक वर्मा ने 20 गेंदों में (31) रनों की पारी खेली। कप्तान हार्दिक पंड्या (2), मोहम्मद नबी (2) रन, टिम डेविड (13) रन, रोमारियो शेफर्ड (1) रन बनाकर आउट हुये। इस दौरान रोहित शर्मा एक छोर थामे हुए लगातार रन बनाते रहे। रोहित ने 63 गेंदों में 11 चौके और पांच छक्के उड़ाते हुए नाबाद (105) रनों की पारी खेली लेकिन वे अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। मोहम्मद नबी चार रन बनाकर नाबाद रहे। मुम्बई इंडियंस निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 186 रन ही बना सकी और 20 रन से मुकाबला हार गई। चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से मथीशा पथिराना ने 14 रन देकर चार विकेट लिये। तुषार देशपांडे और मुस्तफिजुर रहमान ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ (69), शिवम दुबे नाबाद (66) रन

और आखिरी ओवर में महेन्द्र सिंह धोनी के चार गेंदों में (20) रनों की छक्कों वाली पारियों की बदौलत चेन्नई सुपर किंग्स ने मुम्बई इंडियंस को जीत के लिए 207 रनों का लक्ष्य दिया था। मुम्बई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने टॉस जीतने के बाद पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने सलामी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे (5) रन का विकेट दूसरे ही ओवर में गवां दिया। इसके बाद आठवें ओवर में रचिन रविंद्र 16 गेंदों में (21) रन बनाकर पवेलिय लौट गये। ऋतुराज और शिवम ने पारी को संभाला और तीसरे विकेट के लिये 90 रन जोड़े। ऋतुराज गायकवाड़ ने 40 गेंदों में पांच चौके और पांच छक्के लगाते हुए (69)रन बनाये। शिवम दुबे 38 गेंदों में 10 चौके और दो छक्के लगाते हुए (66) रन पर नाबाद रहे। डैरिल मिचेल 14 गेंदों में 17 रन बनाकर आउट हुये। महेन्द्र सिंह धोनी ने आखिरी चार गेंदों में नाबाद 20 रन ठोकर टीम के स्कोर को 200 के पार पहुंचाया। चेन्नई की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में चार विकेट पर 206 का स्कोर खड़ा किया। मुम्बई की ओर से हार्दिक पंड्या ने दो विकेट लिये। गेराल्ड कोएत्जी, श्रेयस गोपाल एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

फिल सॉल्ट की तूफानी पारी से लखनऊ सुपर जायंट्स हुआ पस्त

कोलकाता,एजेंसी। फिल सॉल्ट नाबाद(89) और कप्तान श्रेयस अय्यर की नाबाद(38) रनों की आतिशी पारियों की बदौलत कोलकाता नाइट राइडर्स ने रविवार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 28वें मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स को आठ विकेट से हरा दिया है। 162 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी कोलकाता की शुरुआत अच्छी नहीं रही और वह सलामी बल्लेबाज सुनील नारायण (6) और उसके बाद अंगकृष रघुवंशी (7) के विकेट गवां कर संकट में फंस गई थी। ऐसे समय में श्रेयस अय्यर ने फिल सॉल्ट के तीसरे विकेट लिये अविजित 120 रनों की साझेदारी करते हुए टीम को आठ विकेट से जीत दिला दी। फिल सॉल्ट ने 47 गेंदों में 14 चौके और तीन छक्के लगाते हुए नाबाद 89 रन बनाये। वहीं श्रेयस अय्यर ने 38 गेंदों में छह चौकों की मदद से नाबाद 38 रन बनाते हुए धैर्यपूर्ण पारी खेली।

कोलकाता ने 15.4 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर 162 रन बनाकर आठ विकेट से मुकाबला जीता।लखनऊ की ओर से केवल मोहसिन खान एकमात्र कामयाब गेंदबाज रहे उन्होंने दो बल्लेबाजों को आउट किया। कोलकाता की पांच मैचों में यह चौथी जीत है और वह अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। इससे पहले निकोलस पूरन (45) और कप्तान के एल राहुल (39) रनों की शानदार बल्लेबाजी के दम पर लखनऊ सुपर जायंट्स ने नाइट राइडर्स को जीत के लिए 162रनों का लक्ष्य दिया था। आज यहां ईडन गार्डंस में कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ की शुरुआत खराब रही और उसने दूसरे ही ओवर में सलामी बल्लेबाज

क्विंटन डिकॉक (10) का विकेट गवां दिया। उसके बाद पांचवें ओवर में दीपक हुड्डा (4) भी पवेलियन लौट गये। उन्हें स्टार्क ने रमनदीप के हाथों कैच आउट कराया। संभल कर बल्लेबाजी कर रहे राहुल भी 11वें ओवर में सुनील नारायण का शिकार बन गये। राहुल ने 27 गेंदों में तीन चौके और दो छक्को की मदद से (39) रनों की पारी खेली। आयुष बदोनी ने दो चौके और एक छक्का लगाते हुए (29) बनाये। मार्कस स्टॉयनिस (10) रन बनाकर आउट हुये। निकोलस पूरन ने टीम के लिए 32 गेंदों में दो चौकों और चार छक्कों की मदद से सर्वाधिक 45 रन बनाये। उन्हें मिचेल स्टार्क ने आउट किया। अरशद खान पांच रन बनाकर आउट हुये। करुणाल पंड्या सात रन बनाकर नाबाद रहे। लखनऊ की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 161 रन का स्कोर खड़ा किया है। कोलकाता की ओर से मिचेल स्टार्क ने तीन विकेट लिये। वैभव अरोड़ा ,सुनील नारायण, वरुण चक्रवर्ती और आंद्रे रसल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

राजस्थान ने मैच तो जीता लेकिन की एक बड़ी गलती: फिंच

मुल्लांपुर,एजेंसी। राजस्थान रॉयल्स ने पंजाब किंग्स पर तीन विकेट की जीत के साथ आईपीएल 2024 में अपनी पांचवीं जीत हासिल की। इस बीच ऑस्ट्रेलिया के 2021 पुरुष टी20 विश्व कप विजेता कप्तान आरोन फिंच का मानना है कि संजू सैमसन की अगुवाई वाली टीम ने एक बड़ी गलती की जिसके कारण उन्हें अंतिम ओवरों में थोड़ी ज्यादा मेहनत करनी पड़ी।

शनिवार शाम को महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में, आरआर ने धीमी पिच पर पीबीकेएस को 147/8 पर रोकने में अच्छी गेंदबाजी की। जवाब में आरआर 115/5 पर संकट में था लेकिन शिमरोन हेटमायर ने 10 गेंदों में नाबाद 27 रन बनाए, जिसमें एक चौका और तीन छक्के लगाए जिसमें विजयी रन भी शामिल थे, जिससे आरआर जीत की राह पर लौट आया और खुद को तालिका में शीर्ष स्थान पर मजबूत किया। फिंच ने क्रिकेट स्पोर्ट्स पर लाइव% शो में कहा, मुझे लगा कि राजस्थान ने अंतिम ओवरों में कुछ ज्यादा ही करने के लिए छोड़ दिया था। वे पारी के मध्य भाग में खुद को आगे नहीं कर पाए। यहां से दोनों टीमों के पास मौका था। उन्हें वास्तव में बॉउंड्री हासिल करने के लिए संघर्ष करना पड़ा। सैम करन ने अंत में इस बारे में बात की कि यह सिर्फ एक कठिन स्लॉग था, जिसकी उन्हें उम्मीद थी, लेकिन आपको यह नहीं भूलना चाहिए कि वह हेटमायर बार-बार दबाव में खुद को शांत दिखाते हैं और यह बात निश्चित रूप से इस मैच में भी दिखाई दी। उन्होंने इस टूर्नामेंट में पांच मैचों में केवल 25

गेंदें खेलीं। इसलिए दबाव में इतना शांत रहना और रोवमैन पॉवेल को शामिल करना और कुछ बाउंडरी के साथ इसमें योगदान देना, जब उन्हें वास्तव में रन रेट को पटरी पर लाने के लिए इसकी आवश्यकता थी और उन्हें आधा मौका देना असाधारण था। लेकिन मुझे लगता है कि टीमें इस पर विचार करेंगी। उन्होंने मैदान पर कुछ मौके गंवाए, इसलिए वे खुद को किक कर रहे होंगे। जबकि आरआर ने ऑफ-स्पिन ऑलराउंडर तनुश कोटियन के साथ शुरुआत करके आश्चर्यचकित कर दिया, जिन्होंने सलामी बल्लेबाज के रूप में अपनी पहली टी20 पारी में 31 गेंदों में 24 रन बनाए, यशस्वी जयसवाल ने महत्वपूर्ण रूप से 28 गेंदों में 39 रन बनाने का समय निकाला। यशस्वी को रनों के बीच देखना बहुत अच्छा था। मुझे लगता है कि वह उस दिग्गज की बात सुन रहा था क्योंकि वह इंतजार कर रहा था। उसने कोई अवांछित जोखिम भरा शॉट नहीं खेला। वह गेंद की योग्यता के साथ खेला। इसलिए यह अच्छा था देखिए और ये राजस्थान रॉयल्स के लिए अच्छा रहा।

अभियान को ढर्रे पर लाने के लिये सनराइजर्स के खिलाफ आरसीबी की नजरें गेंदबाजों पर

बेंगलुरू,एजेंसी। लगातार खराब प्रदर्शन से आजिज आ चुकी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ सोमवार को इंडियन प्रीमिया लीग के मैच में अपने गेंदबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी जो अभी तक चल नहीं सके हैं। रॉयल चैलेंजर्स के पास नामी गिरामी खिलाड़ी और मशहूर कोच हैं लेकिन अभी तक उनकी कोई रणनीति कारगर साबित नहीं हुई है। छह मैचों में एकमात्र जीत के साथ टीम दसवें स्थान पर है। इसका कारण उसके गेंदबाजों का असरदार साबित नहीं होना भी है।

वे हालात के अनुरूप प्रदर्शन कर पाने में नाकाम रहे हैं। इस आईपीएल में गेंदबाजों ने वैरिएशन पर काम किया है ताकि अति आक्रामक बल्लेबाजों पर अंकुश लगाया जा सके लेकिन आरसीबी के गेंदबाज ऐसा नहीं कर पाये। वे एक ही दिशा में सोचते चले आ रहे हैं जिससे बल्लेबाजों को उन्हें खेलने में कोई मुश्किल नहीं हो रही। मुंबई इंडियंस के खिलाफ आरसीबी के बल्लेबाजों ने 196 रन बनाये लेकिन मुंबई ने सिर्फ 15.3 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। ओस या छोटी सीमारेखा को बहाना नहीं माना जा सकता जब गेंदबाज 13 रन प्रति ओवर से अधिक रन लुटा रहे हों। आरसीबी के गेंदबाजों में जीत की ललक या जुझारूपन का अभाव साफ दिख रहा है। दूसरी ओर हैदराबाद के पास हेनरिच क्लासेन (186) और अभिषेक शर्मा (177) जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं जबकि ट्रेविस हेड (133) भी लगातार अच्छा खेल रहे हैं। एक ईकाई के रूप में ये किसी भी गेंदबाजी आक्रमण की बखिया उधेड़ सकते हैं। पांच

मैचों में छह अंक लेकर फिलहाल पांचवें स्थान पर काबिज सनराइजर्स की भी कमजोर कड़ियां हैं। अभी तक गेंदबाज अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सके हैं। शाहबाज अहमद और मयंक मार्कंडेय ने 11 से अधिक की औसत से रन दिये हैं।हैदराबाद के पास हालांकि कप्तान पैट कमिंस के रूप में संकटमोचक है जिसने छह विकेट लिये हैं और सात की औसत से रन दिये हैं। वह नयी गेंद से या बीच के ओवरों में दूसरे बदलाव के तौर पर या डैथ ओवरों में हर जगह अच्छी गेंदबाजी करने में कामयाब रहे हैं। टी नटराजन के आने से गेंदबाजी में संतुलन आ गया है। आरसीबी के पास विराट कोहली जैसा तुरूप का इक्का है जो इस समय आरेंज कैप पहने है। वहीं फाफ डु प्लेसी, रजत पाटीदार और दिनेश कार्तिक ने भी मुंबई के खिलाफ अर्धशतक बनाये थे। ग्लेन मैक्सवेल का फॉर्म हालांकि चिंता का सबब बना हुआ है।

लंबे अंतराल के बाद सूर्यकुमार यादव की बल्लेबाजी से हैरान हैं ब्रायन लारा

नई दिल्ली। कट्टर प्रतिद्वंद्वी चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और मुंबई इंडियंस (एमआई) रविवार शाम को आईपीएल 2024 एल क्लासिको में आमने-सामने होंगे, ऐसे में वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर ब्रायन लारा ने एमआई बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव की प्रशंसा की जिन्होंने चोट के बाद वापसी करते हुए शानदार बल्लेबाजी की।

यादव और सीएसके के स्पिनर रवींद्र जड़ेजा के बीच आसन्न मुकाबले पर अपनी अंतर्दृष्टि साझा करते हुए लारा ने सबसे पहले चेन्नई के स्पिनर की उनके असाधारण कौशल के लिए सराहना की, यह देखते हुए कि वह ज्यादातर मुकाबलों में धीमी गेंदों पर भरोसा करेंगे। स्टार स्पोर्ट्स क्रिकेट लाइव पर बोलते हुए, वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर ने कहा, हां, यह एक लड़ाई है, लेकिन आप जानते हैं, ठीक है, ये कुछ आँकड़े हैं जिन्हें आप निकाल सकते हैं। मेरा मतलब है, वह समय था जब वह असफल हो सकते थे, लेकिन यह लड़का शानदार फॉर्म में है और मेरा मतलब है, अगर वह इसके आगे झुकना चाहता है और कहता है, ठीक है, मैं बाद में आपके खिलाफ दोबारा मैच लड़ूंगा।

उन्होंने कहा, लेकिन मेरा मानना है कि वह जिस आत्मविश्वास में है, चाहे वह बाएं हाथ की स्पिन हो या बाएं हाथ की गति, जो भी आप इसे कहते हैं, मुझे लगता है कि वह ज्यादातर लड़ाइयों के लिए धीमी गेंदों को छोड़ देगा। और जब आपको वास्तव में गेंद पर गति डालनी होती है, यह हमेशा कठिन होता है। आपको गेंद पर गति पसंद है जहां आप इसे अलग-अलग दिशाओं में तराश सकते हैं। इसके अतिरिक्त, वेस्ट इंडीज ने सूर्यकुमार से एक दिलचस्प लड़ाई की उम्मीद पर जोर दिया, जिसका अर्थ है कि यह करीब से देखने लायक होगा। टखने की चोट और स्पोर्ट्स हर्निया सर्जरी के कारण लंबी छुट्टी के बाद एमआई के लिए पहले तीन मैचों से चूकने के बाद, सूर्यकुमार दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच के लिए मुंबई टीम में शामिल हुए, लेकिन शून्य पर आउट हो गए।

सिर्फ़ शिमरॉन हेटमायर ने टी20 क्रिकेट खेला, बाकी सभी टेस्ट क्रिकेट खेल रहे थे: आकाश चोपड़ा

मुल्लांपुर,एजेंसी। राजस्थान रॉयल्स ने शनिवार को मोहाली के महाराजा यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में पंजाब किंग्स को तीन विकेट से हराकर टाटा आईपीएल 2024 में अपनी पाँचवीं जीत दर्ज की। पंजाब ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 147 रनों का स्कोर खड़ा किया, जिसे राजस्थान ने अंतिम ओवर में रोमांचक तरीके से हासिल कर लिया। जियोसिनेमा आईपीएल एक्सपर्ट ज़हीर खान, आरपी सिंह और आकाश चोपड़ा ने मैच सेंटर लाइव पर केशव महाराज (2/23) और शिमरॉन हेटमायर (10 गेंदों पर 27 रन) के प्रदर्शन की प्रशंसा की।

आकाश चोपड़ा, जियोसिनेमा टाटा आईपीएल एक्सपर्ट ने शिमरॉन हेटमायर को लेकर कहा, वास्तव में, अगर आप देखें, तो वह आज टी20 शैली में खेलने वाले एकमात्र खिलाड़ी रहे। ऐसा लग रहा था कि बाकी सभी टेस्ट क्रिकेट खेल रहे थे! जहीर खान ने केशव महाराज के बारे में कहा, आरआर के लिए यह एक अच्छी साइनिंग है। यह एक बेहतरीन टीम है। एक बेहतरीन प्लेइंग इलेवन है। भले ही अश्विन नहीं खेल रहे थे, लेकिन फिर भी उन्होंने स्पिन गेंदबाज़ों के मामले में पर्याप्त दमदार प्लेइंग इलेवन बनाई। इन दोनों स्पिन गेंदबाजों ने निराश नहीं किया। केशव महाराज बल्ले से भी योगदान दे

सकते हैं, लेकिन आज उन्होंने जो नियंत्रण दिखाया वह कमाल का था। आरपी सिंह ने केशव महाराज के बारे में कहा- केशव ने वाकई बहुत अच्छी गेंदबाजी की। हर कोई उनकी गेंदबाजी में फंस रहा था। किसी भी समय कोई उन्हें वास्तव में अच्छा नहीं खेल पाया। जॉनी बेयरस्टो का विकेट लेना शानदार था, और उसके बाद, उन्होंने सैम करन को भी वापस भेजा। केशव की गेंदबाजी शानदार रही। वह आमतौर पर गेंद को टर्न नहीं करते हैं, लेकिन आज वह इसे टर्न भी कर रहे थे।

एक नजर

कांग्रेस सरकार की बदमाशों से सांठगांठ थीः भजनलाल

भरतपुर,एजेंसी। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल ने आरोप लगाया है कि राज्य में पिछले दिनों तक कांग्रेस की जो सरकार थी उसकी बदमाशों से सांठगांठ थी। श्री भजनलाल रविवार को आज भरतपुर संसदीय क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी रामस्वरूप कोली के समर्थन में डीग जिले के कस्वा सीकरी में एक चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार में बदमाश आते थे और व्यापारियों को धमका कर चले जाते थे लेकिन भाजपा सरकार ने सत्ता में आकर शपथ लेने के दूसरे दिन ही एंटी गैंगस्टर फॉर्स बना ऐसे बदमाशों के हौसले पस्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। श्री भजन लाल ने कांग्रेस की तत्कालीन केंद्र सरकार को कठघरे में खड़ा करते कहा कि 70 साल तक कांग्रेस पार्टी ने देश मे राज किया लेकिन इसके बाद भी आज आमजन सड़क, स्कूल, हॉस्पिटल एवं बिजली की मांग करते है। लोगो की इन मूलभूत समस्याओं को दूर करने के लिए हर घर में अब बिजली एवं जल पहुंचाने का काम नरेंद्र मोदी ने किया है। अब गरीब कल्याण की योजनाएं गरीबों के पास जा रही हैं। प्रदेश में ईस्टर्न राजस्थान केनाल परियोजना (ईआरसीपी) लाने के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी का आभार जताते मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले समय में इसका शिलान्यास होगा और उद्घाटन भी। ईआरसीपी के लिए जमीन अवासि का काम हमने शुरू कर दिया है।उन्होंने सीकरी बांध के बनने का आश्वासन देते कहा कि यह बांध बनेगा और छोटे बाधों में ईआरसीपी का पानी जाएगा। इस अवसर पर कार्यक्रम में राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेडम, वैर भुसावर विधायक बहादुर सिंह कोली, भरतपुर लोकसभा प्रत्याशी रामस्वरूप कोली, सहित भाजपा के विधायक और नेता मौजूद थे।

भाजपा और आरएसएस नफरत फैलाती हैं-मायावती

मुजफ्फरनगर,एजेंसी। बहुजन समाजवादी पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने रविवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ समाज में घृणा फैलाने का काम करती है जबकि बसपा सर्वसमाज को साथ लेकर चलने में विश्वास करती है। राजकीय इंटर कालेज के मैदान में आयोजित चुनावी जनसभा में उन्होने कहा कि भाजपा और आरएसएस समाज में घृणा फैलाने का काम करती है जबकि बसपा सर्वसमाज को साथ लेकर चलती है और यही वजह है कि प्रत्याशी के चयन में बसपा ने

सर्वसमाज के लोगों को अपना प्रत्याशी बनाया है। रैली स्थल पर भारी भीड़ को देखकर गद्गद् हुई बसपा प्रमुख ने कहा कि उनका दल किसी गठबंधन में शामिल न कर अपने बलबूते पर दमदारी के साथ चुनाव लड रहा है। पश्चिम उत्तर प्रदेश में बसपा के विरोधी लगातार भ्रामक प्रचार कर रहे है जिनसे सावधान रहने की जरुरत है। गौरतलब है कि बसपा ने मुजफ्फरनगर में अति पिछडे वर्ग के दारा सिंह प्रजापति तथा बिजनौर में जाट समाज के प्रत्याशी चौधरी बिजेंद्र सिंह को चुनाव मैदान में उतारा है। उन्होंने कहा कि बसपा के कार्यकाल में कभी भी किसी तरह का कोई विवाद नहीं हुआ लेकिन सपा और भाजपा ने अनेक जगह दंगे फसाद कराये तथा जाट और मुस्लिम के बीच एक खाई पैदा कर दी। उन्होंने कहा कि बसपा ने कैराना से क्षत्रिय समाज के व्यक्ति को अपना प्रत्याशी बनाया है वहीं जगह जगह अति पिछडों को भी चुनाव मैदान में उतारा है। सुश्री मायावती ने कहा कि भाजपा की कथनी और करनी में एक बहुत बड़ा अंतर है। उन्होंने जनता को अनेक सब्जबाग दिखाये लेकिन उन्हे धरातल पर नहीं उतारा। जनता किसी विरोधी पार्टी के किसी भी नाटक और जुमलेबाजी में नहीं आयेगी। भाजपा ने मेहनतकश लोगों को धोखा दिया है। उन्होने कहा कि अगर बसपा केंद्र में सरकार बनाती है तो पश्चिमी उत्तर प्रदेश को अलग राज्य बनाया जायेगा। मायावती ने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि उसने मेहनतकश लोगों के बजाये पूंजीपतियों को बढ़ावा दिया है। उन्होंने कहा कि हमारी सीमाएं सुरक्षित नहीं है। जब बसपा सरकार के कार्यकाल में पुलिस भर्ती हुई थी तो उन्होंने जाट समाज सहित हर वर्ग के लोगों को पुलिस भर्ती में मौका दिया।

लोस चुनावः सपा ने बाबू सिंह कुशवाहा को जौनपुर और आदित्य यादव बदायूं से दिया टिकट

लखनऊ,एजेंसी। समाजवादी पार्टी (सपा) ने रविवार को लोकसभा चुनाव के लिए दो सूचियों के जरिये नौ उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव के स्थान पर उनके पुत्र आदित्य यादव को बदायूं से टिकट दिया गया है जबकि पूर्व मंत्री बाबू सिंह कुशवाहा जौनपुर से पार्टी प्रत्याशी होंगे। मायावती सरकार में मंत्री रहे श्री कुशवाहा जौनपुर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार एवं महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री कृपा शंकर सिंह का मुकाबला करेंगे। श्री कुशवाहा को एक जमाने में बसपा सुप्रीमों मायावती के करीबी लोगों में गिना जाता था मगर मतभेदों के चलते उन्हे बसपा से निकाल दिया गया था। उन्हें राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (एनआरएचएम) घोटाले में कथित संलिप्तता के लिए जेल भेजा गया था। बसपा से निकाले जाने के बाद, वह कुछ समय के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए मगर यहां भी भाजपा ने कुछ समय बाद उनसे दूरी बना ली। बाद में कुशवाहा ने जन अधिकार पार्टी लॉन्च की। उनकी पार्टी ने 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में कई सीटों पर चुनाव लड़ा।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चाचा शिवपाल की इच्छा के अनुसार बदायूं से उनके बेटे

और अपने चचेरे भाई आदित्य यादव को मैदान पर उतारा है। आदित्य यादव पहले ही बदायूं में जनसंपर्क शुरु कर चुके हैं और मोदी सरकार पर जम कर हमले बोल रहे हैं। इसके अलावा, पार्टी ने मछलीशहर सीट से पूर्व सांसद तुफानिन सरोज की बेटी प्रिया सरोज को मैदान में उतारा है। प्रिया पेशे से वकील हैं और पहली बार चुनाव में शिरकत कर रही हैं। डुमरियागंज सीट से सपा ने भीष्म शंकर तिवारी उर्फ कुशल तिवारी को अपना उम्मीदवार बनाया है। कुशल तिवारी पूर्वांचल के पूर्व दिग्गज हरि शंकर तिवारी के बेटे और बसपा के टिकट पर पूर्व सांसद हैं। वह संत कबीर नगर सीट से दो लोकसभा चुनाव हार गए। पार्टी ने फूलपुर से अमरनाथ मौर्य, श्रावस्ती से राम श्रीमणि वर्मा, संत कबीर नगर से लक्ष्मी कांत उर्फ ? ?पपू निषाद और सलेमपुर से रमा शंकर राजभर को उम्मीदवार बनाया है। इसके अलावा सुल्तानपुर से राम भुआल निषाद पार्टी उम्मीदवार होंगे।

कांग्रेस गरीबों को पक्के मकान बनाकर नहीं दिया- मोहन यादव

शहडोल, रीवा, सतना। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने देश-प्रदेश में सरकार होने के बावजूद गरीबों, आदिवासियों को पक्के मकान बनाकर नहीं दिए। डॉ यादव ने शहडोल लोकसभा की पुष्पराजगढ़ विधानसभा के ग्राम करपा, रीवा लोकसभा की सिरमौर विधानसभा के डभोरा और सतना लोकसभा की चित्रकूट विधानसभा के बरौधा में आयोजित जनसभाओं को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि यह चुनाव सामान्य चुनाव नहीं है। यह चुनाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश को आगे बढ़ाने का चुनाव है। गरीबों, किसानों, महिलाओं, युवाओं सहित देश की जनता को उनका अधिकार दिलाने का चुनाव है। श्री मोदी ने पिछले 10 वर्षों में मध्यप्रदेश को कई सौगातें दीं। मध्यप्रदेश में विकास की गंगा बहाई गई। शहडोल के अंदर ही 850 करोड़ रूपए की लागत से 550 किलोमीटर की सड़क बनवाई। मां नर्मदा सबका जीवन धन्य करने वाली जीवंत नदी हैं, जो बरगी बांध से रीवा में सोन नदी से मिलने के लिए बढ़ रही है, ये केवल भाजपा की सरकार में हो सकता था। भाजपा सरकार द्वारा लगातार नदियों को जोड़ने का अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने सिर्फ बोला लेकिन भाजपा में करके दिखाया है। कांग्रेस ने आदिवासियों, गरीबों, महिलाओं को आश्वासन देकर उनका इस्तेमाल सिर्फ वोट बैंक के लिए करते रहे। आदिवासियों, गरीबों को पक्का मकान तक बनाकर नहीं दे सके। यदि गरीबों, आदिवासियों को पक्की छत किसी ने दी है तो वो श्री मोदी की सरकार ने दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा तो राजनीति ही सेवा करने के लिए करती है। श्री मोदी का संकल्प ही देश और देशवासियों की सेवा करने का है। उनके संकल्प को हम सब भी मिलकर पूरा करने का काम कर रहे हैं। पहले वन्य ग्रामों, आदिवासी अंचलों में रहने वाले लोग अपने गांव एवं जंगल से बाहर नहीं निकल पाते थे, लेकिन उनके जीवन को भी बदलने का कार्य हमारी भाजपा की सरकार ने किया है। आदिवासियों के बच्चे अब बड़े-बड़े शहरों में एवं विदेशों में भी पढ़ाई के लिए जा रहे हैं। उनका जीवन स्तर भी पूरी तरह बदल गया है।

आपदा के बावजूद भी सरकार ने विकास की गाड़ी को रुकने नहीं दियाः मुकेश अग्निहोत्री

ऊना,एजेंसी। हिमाचल के उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने प्रदेशवासियों को हिमाचल दिवस की बधाई देते हुए कहा कि आपदा के बावजूद कांग्रेस सरकार ने विकास की गाड़ी को रुकने नहीं दिया। श्री अग्निहोत्री ने हिमाचल दिवस की पूर्व संध्या पर एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर 15 अप्रैल को सभी हिमाचल वासियों के लिए ऐतिहासिक दिन बताया। उन्होंने कहा कि हिमाचल ने सन 1948 से आरम्भ इस विकास यात्रा में सफलता का स्वर्णिम सफ़र तय किया है।

उन्होंने हिमाचल के गठन और उसके बाद की अनवरत विकास यात्रा में योगदान के लिए प्रथम मुख्यमंत्री डॉ. यशवंत सिंह परमार समेत सभी विभूतियों के योगदान को स्मरण किया। साथ ही उन्होंने प्रदेश को विकास के रास्ते पर आगे ले जाने में छह बार प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे स्वर्गीय वीरभद्र सिंह की निर्णायक भूमिका को भी स्मरण किया। उन्होंने हिमाचल के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी की स्मृतियों को भी नमन किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकारों की सुशासन की नीतियों से आज हिमाचल पहाड़ी राज्यों में विकास का आदर्श बन के उभरा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की वर्तमान कांग्रेस सरकार ने विकास की इसी सोच को नए आयाम देते हुए आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि सरकार प्रदेश और प्रदेशवासियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए काम कर रही है। विशेषकर संसाधन सृजन, युवा विकास और जन कल्याण की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए गए हैं। श्री अग्निहोत्री ने कहा कि इस नए दौर में हर वर्ग, हर व्यक्ति, हर क्षेत्र का समग्र और समावेशी विकास सुनिश्चित किया जा रहा है। बीते वर्ष प्रदेश में आई भीषण आपदा के बावजूद भी सरकार ने विकास की गाड़ी को रूकने नहीं दिया। यही कारण है कि प्रदेश आपदा के दौर से निकल कर अब विकास की पटरी पर मजबूती से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने चुनावों में 10 गारंटियां लोगों को दी थीं, उन्हें चरणबद्ध पूरा किया जा रहा है। डेढ़ साल में सरकार ने पांच गारंटियां पूरी कर दी हैं। हमने प्रदेश के कर्मचारियों से ओ पी एस को बहाल करने का वायदा किया था। जिसे हमने सरकार बनते पहली कैबिनेट में ही पुरा करते हुए 1.36 लाख सरकारी कर्मचारियों को बुढ़ापे की लाठी थमाई है। महिलाओं को हर महीने 1500-1500 देने की गारंटी पूरी करके माताओं-बहनों से किया अपना वादा भी निभाया। श्री अग्निहोत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने नशा और खनन माफ़िया के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है। हम प्रदेश में किसी सूरत में इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। हिमाचल के उज्ज्वल भविष्य के लिए हमें नशा मुक्त हिमाचल बनाना है, अपनी युवा पीढ़ी को नशे से बचा कर उनकी शक्ति और सामर्थ्य को हिमाचल को आगे ले जाने में लगाना है। वहीं प्रदेश की संपदा की रक्षा और नदियों-खड्डों को छलनी होने से बचाने के लिए हमारी पूरी कमिटमेंट है।

मतदान समाप्ति से 48 घंटे पहले तक चुनावी मामले के प्रदर्शन पर प्रतिबंध

जयपुर,एजेंसी। चुनाव आयोग की ओर से लोकसभा आम चुनाव-2024 के लिये मतदान समाप्ति से 48 घंटे पहले तक टेलीविजन या अन्य संचार माध्यमों से किसी भी चुनावी मामले का प्रदर्शन करने पर प्रतिबंध रहने के निर्देश जारी किए हैं। आयोग द्वारा इस संबंध में जारी विस्तृत दिशा निर्देश में कहा है कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126(1)(बी) के अनुसार टेलीविजन, सिनेमैटोग्राफ या इसी तरह के अन्य संचार माध्यमों से किसी भी चुनावी मामले (विज्ञापन या प्रचार आदि) का प्रदर्शन करने पर प्रतिबंध रहेगा। यह प्रतिबंध किसी भी मतदान क्षेत्र में मतदान समाप्ति के 48 घंटे पहले तक की अवधि के लिए प्रभावी रहेगा।

आयोग ने स्पष्ट किया है कि कोई भी व्यक्ति सिनेमैटोग्राफ, टेलीविजन या अन्य समान उपकरण के माध्यम से किसी भी चुनावी मामले को जनता के समक्ष प्रदर्शित नहीं करेगा। इन प्रावधानों का उल्लंघन करने पर दोषी व्यक्ति को दो साल तक की कैद या जुर्माना या दोनों से दंडित किया जा सकता है। आयोग के अनुसार चुनाव के परिणाम को प्रभावित करने या ऐसे इरादे या गणना करने जैसा कोई भी प्रयास चुनावी मामला माना जायेगा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी नीलिमा तक्षक ने बताया कि टीवी चैनलों में पैनल चर्चा.बहस और अन्य समाचार और समसामयिक कार्यक्रमों के प्रसारण में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126 के प्रावधानों के उल्लंघन के आरोप लगते हैं। उन्होंने बताया कि इस संबंध में आयोग ने स्पष्ट किया है कि टीवी.रेडियो चैनलों और केबल नेटवर्क को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि धारा 126 में उल्लेखित 48 घंटों की अवधि के दौरान उनके द्वारा प्रसारितध्प्रदर्शित कार्यक्रमों के कंटेंट में

दृश्य सहित ऐसी कोई भी सामग्री शामिल नहीं है। पैनलिस्टों.प्रतिभागियों द्वारा अपील करने पर उन्हें किसी पार्टी विशेष या उम्मीदवार की संभावना को बढ़ावा देने या चुनाव के परिणाम को प्रभावित करने के रूप में माना जा सकता है।

आयोग की ओर से यह भी स्पष्ट किया गया है कि कोई भी राजनीतिक दल या उम्मीदवार या कोई अन्य संगठन या व्यक्ति मतदान के दिन और मतदान के दिन से एक दिन पहले प्रिंट मीडिया में कोई विज्ञापन प्रकाशित नहीं करेगा, बशर्ते कि राजनीतिक विज्ञापनों की सामग्री पूर्व-प्रमाणित हो। उनके द्वारा राज्य.जिला स्तर पर एमसीएमसी समिति से अनुमोदन लेना होगा। आवेदकों को ऐसे विज्ञापनों के प्रकाशन की प्रस्तावित तिथि से दो दिन पहले राज्य.जिला स्तरीय एमसीएमसी कमेटी को आवेदन करना होगा।

तिमाही नतीजों और भू-राजनीतिक हालात पर रहेगी बाजार की नजर

मुंबई,एजेंसी। मॉरीशस के जरिए भारत में होने वाले निवेश की फिर से जांच किए जाने के संशोधित नियम से घबराए विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की चौतरफा बिकवाली से बीते सप्ताह 75 हजार अंक के शिखर से फिसले शेयर बाजार की अगले सप्ताह कंपनियों के समाप्त वित्त वर्ष की अंतिम तिमाही के नतीजे और भू-राजनीतिक हालात पर नजर रहेगी। बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 3.32 अंक फिसलकर सप्ताहांत पर 74244.90 अंक जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 5.7 अंक बढ़कर 22519.40 अंक पर सपाट बंद हुआ। इस दौरान बीएसई की मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में भी मिलाजुला रुख रहा। मिडकैप 78.49 अंक चढ़कर सप्ताहांत पर 40909.03 अंक जबकि स्मॉलकैप 160.64 गिरकर 45872.07 अंक पर रहा। विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिका में अपेक्षा से अधिक महंगाई, सकारात्मक रोजगार और विनिर्माण आंकड़ों के कारण जून में फेडरल रिजर्व के ब्याज दर में कटौती की निवेशकों की उम्मीद धराशायी हो गई। इसके अलावा आपूर्ति संबंधी चिंताओं के साथ-साथ मध्य पश्चिम में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव ने कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ला दिया है, जिससे समग्र बाजार धारणा प्रभावित हुई।

इस बीच भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं, केंद्रीय बैंक की बढ़ती खरीद और सुरक्षित मांग में वृद्धि के कारण सोने की कीमतों में तेजी देखी गई। इसके विपरीत यूरोपीय केंद्रीय बैंक

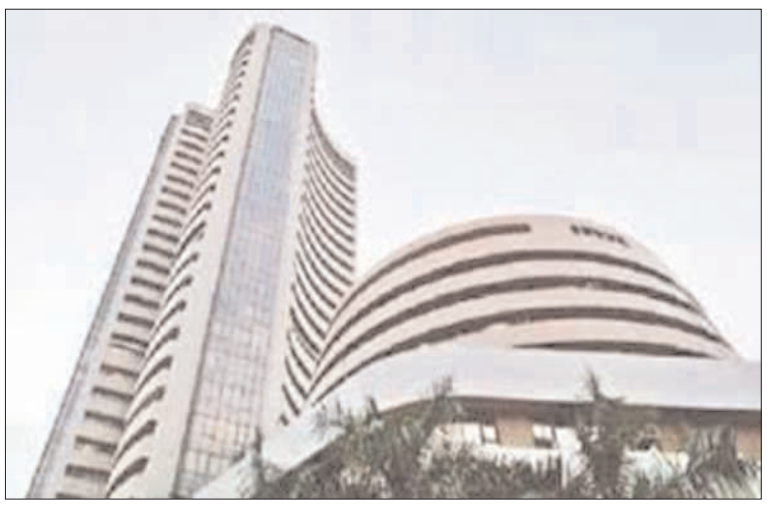

(ईसीबी) के निकट अवधि में संभावित दर में कटौती के संकेत से बीते सप्ताह यूरोपीय बाजारों ने मजबूत प्रदर्शन किया। घरेलू मोर्चे पर कंपनियों के 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही के कमजोर परिणाम की संभावना और मिडकैप एवं स्मॉलकैप शेयरों के प्रीमियम मूल्यांकन को देखते हुए एफआईआई सावधानी बरत रहे हैं। आईटी क्षेत्र में खर्च में मंदी और अमेरिकी नीतिगत दरों की अनिश्चितताओं के बीच चौथी तिमाही की कमजोर आय के कारण समेकन जारी है। बैंकिंग क्षेत्र की धीमी ऋण वृद्धि और दीर्घकालिक औसत से अधिक मूल्यांकन होने के कारण बैंकिंग खासकर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के शेयरों में मुनाफावसूली स्पष्ट है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा महंगाई निकट अवधि में मुद्रास्फीति में मामूली वृद्धि की ओर इशारा कर रहे हैं। निवेश सलाह देने वाला कंपनी जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायद ने बताया कि निवेशक अगले सप्ताह बाजार की दिशा तय करने वाले प्रमुख कारक कंपनियों की चौथी तिमाही के नतीजे और भू-राजनीतिक घटनाओं पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। हालांकि स्थिर आय दृष्टिकोण और मूल्यांकन को देखते हुए बढ़ी हुई अस्थिरता के बीच लार्जकैप शेयरों को एक सुरक्षित दाव के रूप में देखा जा रहा है। उल्लेखनीय है कि अगले सप्ताह इंफोसिस, विप्रो, क्रिसिल और बजाज ऑटो जैसी दिग्गज कंपनियों के तिमाही परिणाम जारी होने वाले हैं। वहीं, एफआईआई अप्रैल में अबतक 10,362.46 करोड़ रुपये की बिकवाली कर चुके हैं। बीते सप्ताह गुरुवार को ईद-उल-फितर पर अवकाश रहने से बाजार में चार दिन कारोबार हुआ। दिग्गज कंपनियों के तिमाही नतीजे मजबूत रहने की उम्मीद में ऑटो, तेल एवं गैस, ऊर्जा, सीडी, धातु और रियल्टी समेत सोलह समूहों में हुई जबरदस्त लिवाली की बदौलत सोमवार को सेंसेक्स 494.28 अंक की छलांग लगाकर 74,742.50 अंक के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। साथ ही निफ्टी 152.60 अंक की तेजी के साथ 22,666.30 अंक के शिखर पर पहुंच गया। विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर हुई जबरदस्त लिवाली की बदौलत महज चौबीस सत्रों में 75 हजारी हुआ सेंसेक्स मंगलवार दोपहर बाद टाइटन, रिलायंस, टीसीएस, एलटी, टाटा मोटर्स, एनटीपीसी और एसबीआई समेत अठारह दिग्गज कंपनियों में हुई बिकवाली के दबाव में शिखर से फिसल गया। सेंसेक्स 58.80 अंक फिसलकर 74,683.70 अंक और निफ्टी 23.55 अंक उतरकर 22,642.75 अंक पर बंद हुआ। विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर कंपनियों के समाप्त वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में मजबूत परिणाम आने की उम्मीद में कमोडिटीज, ऊर्जा, एफएमसीजी, धातु, तेल एवं गैस और सर्विसेज समेत अठारह समूहों में हुई लिवाली की बदौलत बुधवार को सेंसेक्स 354.45 अंक की छलांग लगाकर पहली बार 75 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 75,038.15 अंक पर पहुंच गया।

चुनावी फिजा में कांग्रेसी नेताओं के बिगड़े बोल, भाजपा ने कन्हैया कुमार को लिया निशाने पर

बिलासपुर,एजेंसी। लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार के दौरान छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के दो बड़े नेताओं के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर विवादित टिप्पणी का मामला अभी थम नहीं पाया है और अब पार्टी के एक और प्रमुख नेता के बयान से हलचल मच गयी है। ताजा मामला कांग्रेस के स्टार प्रचारक एवं भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन(एनएसयूआई) प्रभारी कन्हैया कुमार का है। श्री कुमार ने कल बिलासपुर में पत्रकार वार्ता में कहा, देश के युवा जलियांवाला बाग गोलीकांड के सूत्रधार जनरल डायर की गोली खाने से नहीं डरे और अब संविधान को बचाने के लिए जनरल कायर को भगाना है।

भाजपा ने श्री कुमार की इस टिप्पणी को लेकर उन्हें निशाने पर लिया है। भाजपा के युवा नेता एवं बेलतरा के विधायक सुशांत शुक्ला ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, आश्चर्य की बात है कि कल तक भारत के टुकड़े-टुकड़े करने की बात कहने वाले कन्हैया मौका मिलते ही राष्ट्रवादी बन गए। जेएनयू की घटना आज भी लोगों की स्मृति में है।छद्म राष्ट्रवादियों को जनता चुनाव में

माकूल जवाब देगी। इससे एक दिन पूर्व शुक्रवार को आदिवासी बाहुल्य बस्तर सीट से कांग्रेस उम्मीदवार कवासी लखमा ने प्रधानमंत्री पर टिप्पणी कर खलबली मचा दी। श्री लखमा ने चुनाव प्रचार के दौरान गोंडी बोली में अपने भाषण में कहा, कवासी लखमा जीतोड़, नरेंद्र मोदी ढोलतोड़। हिंदी में इसका भावार्थ कवासी लखमा जीतेगा, नरेंद्र मोदी मरेगा है। श्री लखमा की इस टिप्पणी पर भारत चुनाव आयोग ने संज्ञान लेते हुए प्रदेश चुनाव आयोग को कार्रवाई के निर्देश दिये , जिसके बाद दो थानों में कांग्रेस नेता के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गयी। इससे पहले गत दो अप्रैल को छत्तीसगढ़ के कद्दावर कांग्रेसी नेता एवं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष चरणदास महंत की टिप्पणी सामने आयी थी। श्री महंत ने राजनांदगांव संसदीय सीट से कांग्रेस उम्मीदवार एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के समर्थन में चुनावी सभा में कहा था , नरेंद्र मोदी के खिलाफ कोई लाठी लेकर खड़ा हो सकता है तो वह भूपेश बघेल हैं। हम लोगों को लाठी चलाने वाला और नरेंद्र मोदी का सिर फोड़ने वाला आदमी चाहिए , जो भूपेश बघेल और देवेंद्र यादव कर सकते हैं। प्रधानमंत्री पर इस टिप्पणी को लेकर श्री महंत के खिलाफ राजनांदगांव थाने में मामला दर्ज किया गया है। कांग्रेस नेता ने हालांकि अपनी सफाई देते हुए कहा था कि उनके सहज और विशुद्ध छत्तीसगढ़ी वाक्यों को तोड़मरोड़ कर पेश किया जा रहा है।

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी, सैफुल्लाह सिद्दिकी द्वारा आरडी प्रिंटिंग एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-08, नोएडा (यूपी), से छपवा कर एन-81, बटला हाउस, जामिया नगर पुलिस स्टेशन, जामिया नगर, नई दिल्ली-110025 से प्रकाशित किया। सर्वाधिकार सुरक्षित, किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र दिल्ली होगा। (संपादक- सैफुल्लाह सिद्दिकी)